



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 31] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 1, 1981 (श्रावण 10, 1903)

No 31] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 1, 1981 (SRAVANA 10, 1903)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड 1

#### [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 30 जून 1981

सं० ए० 32014/3/79-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में निम्नलिखित स्थायी वरिष्ठ वैयक्तिक सहायकों (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख) को राष्ट्रपति द्वारा उनके नामों के सामने निर्दिष्ट तारीख से अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में पूर्णतः अनंतिम, अस्थायी और तदर्थ आधार पर निजी सचिव (के० स० स्टे० से० का ग्रेड क) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है :—

| क्र० सं० | नाम                | अवधि                  |
|----------|--------------------|-----------------------|
| 1.       | श्री जोगिन्दर सिंह | 6-7-81 से 5-9-81 तक   |
| 2.       | श्री आर० एल० ठाकुर | 26-6-81 से 25-8-81 तक |

य० रा० गांधी  
अवर सचिव (प्रशा०)  
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

का० एवं प्र० सु० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1981

सं० एम० 5/73-प्रशासन-5—प्रत्यावर्तन हो जाने पर, श्री एम० जी० कद्रे, भारतीय पुलिस सेवा (महाराष्ट्र-1952) संयुक्त निदेशक/केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, की सेवाएं दिनांक 3-6-1981 के अपराह्न से महाराष्ट्र सरकार को वापस सौंप दी गईं।

दिनांक 10 जुलाई 1981

सं० एम० 68/66-प्रशा०-5—निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री एम० डी० अग्रकर, पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, सामान्य अपराध स्कंध, बम्बई, दिनांक 30-6-1981 के अपराह्न से पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो विशेष पुलिस स्थापना के कार्यभार से मुक्त हो गये।

दिनांक 13 जुलाई 1981

सं० ए० 19021/2/80-प्रशा०-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री पी० सी० डोगरा, भारतीय पुलिस सेवा (पंजाब-

1964) को दिनांक 6 जुलाई, 1981 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना में स्थानापन्न पुलिस उप-महानिरीक्षक नियुक्त करते हैं।

की० ला० ओवर  
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110022, दिनांक 7 जुलाई 1981

सं० ओ० दो० 992/72-स्थापना-I—श्री कुलवीर सिंह की सेवाएं नेशनल पुलिस कमिशन द्वारा केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल को निर्वर्तित करने के फलस्वरूप, उप-पुलिस अधीक्षक के पद पर दिनांक 03-6-1981 (पूर्वाह्न) से 48वीं बाहिनी में नियुक्त किए जाते हैं।

दिनांक 9 जुलाई 1981

सं० ओ० पो० 1444/79-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (कुमारी) इफतेखारु निसा बेगम को 29-6-1981 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 10 जुलाई 1981

सं० ओ० दो० 1584/81-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डा० तेज सिंह विमल को 4-7-1981 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिये अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

ए० के० सूरी  
सहायक निदेशक  
(स्थापना)

महानिदेशक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 8 जुलाई 1981

सं० ई०-38013 (3)/21/79-कार्मिक—पारादीप से स्थानांतरण होने पर श्री यू० पी० बहेरा ने 25 मई, 1981 के पूर्वाह्न से सहायक कमांडेंट, के० ओ० सु० ब० यूनिट आर० एस० पी० राऊरकेला के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई० 16013(1)/1/80-कार्मिक—प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण होने से, श्री एम० मुखर्जी आई० पी० एस०

(उड़ीसा-62) ने 10-6-81 के पूर्वाह्न से उप महानिरीक्षक के० ओ० सु० ब० यूनिट, आर० एस० पी० राऊरकेला के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-16013 (1)/1/81-कार्मिक—प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण होने से, श्री आर० राधाकृष्णन आई० पी० एम० (केरल 62) ने 6 जून, 1981 के अपराह्न से श्री राजा श्रीधरन आई० पी० एस० (मध्य प्रदेश-57) के स्थान पर, उप महानिरीक्षक (दक्षिणी क्षेत्र) के० ओ० सु० ब० मद्रास के पद का कार्यभार सम्भाल लिया और उसी तारीख से श्री राजा श्रीधरन ने राज्य संवर्ग को प्रत्यावर्तित होने पर उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई० 38013 (4)/5/81-कार्मिक—पदोन्नति पर, श्री एस० एस० कादियां ने 30-3-81 के पूर्वाह्न से दक्षिणी क्षेत्र प्रशिक्षण रिजर्व बल, के० ओ० सु० ब० मद्रास के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई० 38013 (4)/5/81-कार्मिक—पटना से स्थानांतरण होने पर श्री एस० पी० द्विवेदी ने 2 मई 1981 के पूर्वाह्न से सहायक कमांडेंट, के० ओ० सु० ब० यूनिट, बी० आई० ओ० पी० डिपो-14, किरन्दुल के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई० 38013 (4)/5/81-कार्मिक—हरिद्वार को स्थानांतरण होने पर, श्री नीलमणि ने 25 अप्रैल, 1981 के अपराह्न से सहायक कमांडेंट, के० ओ० सु० ब० यूनिट बी० सी० सी० एल० हरिया के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013 (4)/5/81-कार्मिक—मद्रास से स्थानांतरण होने पर, श्री एन० जी० शुक्ल ने तारीख 19 मई, 1981 के अपराह्न से सहायक कमांडेंट, के० ओ० सु० ब० यूनिट, ए० एस० पी० दुर्गापुर, के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013 (4)/5/81-कार्मिक—पदोन्नति पर, श्री डी० एन० नवानी ने 20 मई, 1981 के पूर्वाह्न से सहायक कमांडेंट, के० ओ० सु० ब० यूनिट, आई० एस० आर० ओ० थुम्बा के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-38013 (4)/5/81-कार्मिक—हरिया से स्थानांतरण होने पर, श्री नीलमणि ने 2 जून, 1981 के पूर्वाह्न से सहायक कमांडेंट, के० ओ० सु० ब० यूनिट, बी० एच० ई० एल० हरिद्वार के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-38013 (4)/5/81-कार्मिक—बोकारो से स्थानांतरण होने पर, श्री आर० पी० दूबे ने 30 मई, 1981 के पूर्वाह्न से सहायक कमांडेंट, के० ओ० सु० ब० यूनिट, आई० डी० पी० एल० गुडगांव, के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सुरेन्द्र नाथ  
महानिदेशक

## भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 9 जुलाई 1981

सं० 11/102/79-प्रशा०-1 (2)—राष्ट्रपति, निम्नलिखित सहायक जनगणना कार्य निदेशकों को, उनके नामों के सामने दशित राज्यों के जनगणना कार्य निदेशालयों में तारीख 28 फरवरी, 1982 तक की और अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरे जाएं, जो भी अवधि पहले हो, विद्यमान शर्तों पर पदोन्नति द्वारा पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं :—

| क्र० | अधिकारी का नाम    | कार्यालय जिसमें कार्यरत है                |
|------|-------------------|---|
| 1.   | श्री सी० डी० भट्ट | जनगणना कार्य निदेशालय, हिमाचल प्रदेश।     |
| 2.   | श्री एस० एल० बहल  | जनगणना कार्य निदेशालय, हरियाणा, चण्डीगढ़। |

सं० 11/102/79-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, निम्नलिखित सहायक जनगणना कार्य निदेशकों (तकनीकी) को उनके नामों के सामने दशित कार्यालयों में तारीख 28 फरवरी, 1982 तक की और अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरे जाएं, जो भी अवधि पहले हो, विद्यमान शर्तों के आधार पर पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं :—

| क्र० | अधिकारी का नाम        | कार्यालय जिसमें कार्यरत है  |
|------|-----------------------|---|
| 1    | 2                     | 3   |
| 1.   | श्री श्री० पी० शर्मा  | भारत के महापंजीकार का कार्यालय, नई दिल्ली                                   |
| 2.   | श्री एम० पंचापकेशन    | जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, तमिलनाडु, मद्रास                           |
| 3.   | श्री एस० पी० शर्मा    | जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह, पोर्ट ब्लेयर |
| 4.   | श्री आर० पी० तोमर     | जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, पंजाब, चण्डीगढ़                            |
| 5.   | श्री एम० के० ब्राह्मण | भारत के महापंजीकार का कार्यालय, नई दिल्ली                                   |
| 5.   | श्री बी० पी० रस्तोगी  | भारत के महापंजीकार का कार्यालय, नई दिल्ली                                   |
| 7.   | श्री ए० के० विश्वास   | भारत के महापंजीकार का कार्यालय, नई दिल्ली                                   |

| 1   | 2                         | 3   |
|-----|---------------------------|---|
| 8.  | श्री ए० पिरथु             | जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, असम, गोहाटी              |
| 9.  | श्री वाई० जी० कृष्णमूर्ति | जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद  |
| 10. | श्री आर० के० सिंह         | जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, पंजाब, चण्डीगढ़          |
| 11. | श्री एस० पी० ग्रोवर       | जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, पंजाब, चण्डीगढ़          |
| 12. | श्री राम सिंह             | जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, मध्य प्रदेश, भोपाल       |
| 13. | श्री डी० एन० महेश         | जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, राजस्थान, जयपुर          |
| 14. | श्री एस० पी० सक्सेना      | भारत के महापंजीकार का कार्यालय, नई दिल्ली                 |
| 15. | श्री अजीत सिंह            | जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ       |
| 16. | श्री एम० नागप्पण          | जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, तमिलनाडु, मद्रास         |
| 17. | श्री फूल सिंह             | जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ       |
| 18. | श्री ए० के० दत्त          | जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, लक्षद्वीप                |
| 19. | श्री आर० बी० सिंह         | जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, बिहार, पटना              |
| 20. | श्री एच० एल० कल्ला        | जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, जम्मू और कश्मीर, श्रीनगर |
| 21. | डा० के० एस० डे            | जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, पश्चिम बंगाल, कलकत्ता    |
| 22. | श्री डी० पी० खोबरागडे     | जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, महाराष्ट्र, बम्बई        |
| 23. | श्री एस० के० स्वैन        | जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, उड़ीसा, कटक              |
| 24. | श्री बी० सत्यनारायण       | जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद  |

पी० पद्मनाभ  
भारत के महापंजीकार

वित्त मंत्रालय  
आर्थिक कार्य विभाग  
चलार्थ पत्र मुद्रणालय

नासिक रोड़, दिनांक 6 जुलाई 1981

सं० 177-अ०/1—महाप्रबंधक, चलार्थ पत्र मुद्रणालय, नासिक रोड़, एतद्वारा श्री सु० ल० सोनवणे, अनुभागीय अधिकारी, चलार्थ पत्र मुद्रणालय को त्रय अधिकारी पद, जिसका वेतनमान रु० 840-1200 है, पर एक वर्ष अथवा पद के नियमितरूप से भरे जाने पर, जो भी पहले हो, तदर्थ प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त करते हैं।

सु० द० इडगुंजी  
महाप्रबंधक

हरियाणा के जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय

चण्डीगढ़-160022, दिनांक 24 जून 1981

आदेश

सं० ए० 20067/1/77-प्रशा०—यतः चण्डीगढ़ में जनगणना कार्य निदेशक हरियाणा के कार्यालय में प्रूफ रीडर, श्री रामेश्वर दास वर्मा, सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के बिना 14 अप्रैल 1981 से कार्यालय से लगातार अनुपस्थित रहे;

और यतः इस प्रकार लगातार ड्यूटी से अनुपस्थिति घोर कदाचार है जिससे श्री रामेश्वर दास वर्मा के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई;

और यतः श्री रामेश्वर दास वर्मा, उनके विरुद्ध बनाए गए आरोप पत्र सहित रजिस्ट्री द्वारा भेजे गए सरकारी पत्राचार को लेने से जानबूझ कर बचते रहे;

और यतः श्री रामेश्वर दास वर्मा के विरुद्ध लगातार अपनी ड्यूटी से 14 अप्रैल 1981 से अनधिकृत रूप में अनुपस्थित रहने और सरकारी पत्राचार को लेने से जानबूझ कर बचते रहने से उत्पन्न अनधीनता और अपने वरिष्ठ अधिकारियों के कानूनी आदेशों का जानबूझ कर उल्लंघन करने के आरोपों की, केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियन्त्रण और अपील) नियम, 1965 के अधीन जांच की गई;

और यतः उक्त श्री रामेश्वर दास वर्मा ने जानबूझ कर कार्यवाही में भाग नहीं लिया जिसके फलस्वरूप उपरोक्त आरोपों की एक-पक्षीय जांच करनी पड़ी;

और यतः अधोहस्ताक्षरी ने जांच प्राधिकारी की सिफारशों को इस निर्णय के साथ स्वीकार किया कि उक्त श्री रामेश्वर दास वर्मा के विरुद्ध लगाए गए आरोप पूरी तरह से साबित हुए हैं;

और यतः अधोहस्ताक्षरी ने चण्डीगढ़ में जनगणना कार्य निदेशक हरियाणा के कार्यालय के प्रूफ रीडर श्री रामेश्वर

दास वर्मा की सेवाएं 16-6-1981 से समाप्त कर दी हैं;

और यतः श्री रामेश्वर दास वर्मा ने डाक प्राधिकारियों से अपनी सेवा समाप्ति के आदेश लेने से इनकार किया जो, कि लिफाफे पर डाक प्राधिकारियों द्वारा दी गई "ठीक समय पर सूचित किया गया लेकिन पंजीकृत पत्र लेने से टालमटोल किया गया" टिप्पणी से सर्वथा स्पष्ट है;

अतः अब अधोहस्ताक्षरी इन परिस्थितियों में इस अधिसूचना के माध्यम से श्री रामेश्वर दास वर्मा को 16 जून 1981 से नौकरी से हटाने की घोषणा करते हैं।

श्री० पी० भारद्वाज  
निदेशक, जनगणना कार्य हरियाणा  
चण्डीगढ़

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

महालेखाकार कार्यालय-I, कर्नाटक

बंगलोर, दिनांक 8 जुलाई 1981

सं० I (स्था०-ए / 4 / 81-82 / 389—महालेखाकार इस कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारियों सर्वश्री एन० आर० शेषा भट्टा और एम० के० श्रीनिवासन को उसके वरिष्ठों के बिना प्रतिकूल प्रभाव डाले, अगले आदेश जारी होने तक, लेखा अधिकारी पद में, उस पद का कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से केवल अस्थायी रूप से पदोन्नत करते हैं।

वि० अ० महाजन  
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार, उत्तर प्रदेश द्वितीय कार्यालय

इलाहाबाद, दिनांक 7 जुलाई 1981

सं० कल्याण / 864—श्री श्री० पी० नागपाल का जो महालेखाकार, उत्तर प्रदेश द्वितीय कार्यालय, इलाहाबाद में लेखाकारी थे, 16 जून 1981 को निधन हो गया।

वाणिज्य मंत्रालय

वस्त्र विभाग

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 16 मई 1981

सं० ई० एस० टी० 1-2(547)/1351—वस्त्र आयुक्त के कलकत्ता स्थित प्रादेशिक कार्यालय के सहायक निदेशक, द्वितीय श्रेणी, श्री० के० एन० पाल सेवा-निवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 30 अप्रैल 1981 के अपराह्न से सेवा-निवृत्त हो गये।

आंजमेया  
उप-निदेशक (प्रशासन)



**विस्फोटक विभाग**

नागपुर, दिनांक 18 जून 1981

सं० आर० 4(1)26—इस विभाग के 1 जनवरी, 1968 के अधिसूचना सं० आर० 4(1)26 के अधिक्रमण होने से मुख्य विस्फोटक नियंत्रक ने दिनांक 1-1-1981 से संलग्न सूची के पहले परिच्छेद में विशेष रूप से दिये गये अधिकारियों को नियम 91 तथा सूची 4 के विनियम 3 तथा 5 विस्फोटक नियम, 1940 में दिये गये अधिकारों का प्रयोग करने को प्राधिकृत किया है। राज्य तथा संघ शासित क्षेत्र के परिसर में जिसकी विशेष रूप से अनुकूल प्रविष्टि संलग्न सूची के परिच्छेद में दिया गया है।

सूची

| अधिकारी  | क्षेत्र   |
|--|---|
| उपमुख्य विस्फोटक नियंत्रक,<br>उत्तर अंचल, आगरा     | उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा<br>हिमाचल प्रदेश, जम्मू<br>तथा काश्मीर, राजस्थान,<br>मध्य प्रदेश, दिल्ली<br>तथा चण्डीगढ़, के संघ<br>शासित क्षेत्र। |
| उपमुख्य विस्फोटक नियंत्रक,<br>दक्षिण अंचल, मद्रास  | तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक,<br>आन्ध्र प्रदेश, पांडीचेरी<br>तथा लक्षद्वीप के संघ<br>शासित क्षेत्र, मिनीकाय<br>तथा अमिनीदेवा द्वीप।                  |
| उपमुख्य विस्फोटक नियंत्रक,<br>पूर्वी अंचल, कलकत्ता | पश्चिम बंगाल, बिहार,<br>ओरिसा, आसाम, मनीपुर,<br>त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश,<br>मेघालय, मिजोराम,<br>नागालैण्ड तथा अंडमान<br>निकोबार द्वीप।         |
| उपमुख्य विस्फोटक नियंत्रक,<br>पश्चिम अंचल, बम्बई   | गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा,<br>दामन तथा दिऊ तथा<br>दादरा तथा हवेली।   |
|  | चरणजीत लाल<br>मुख्य विस्फोटक नियंत्रक   |

**इस्पात और खान मंत्रालय**

(खान विभाग)

**भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण**

कलकत्ता-700016, दिनांक 7 जुलाई 1981

सं० 3971 B/ए०-19012 (3-एस० सी० के०)/80-19 बी०—श्री सुबल चन्द्र कर को सहायक रसायनज्ञ के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650 30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-

40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 3-4-1981 के पूर्वान्त से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 3971 B/ए० 19011 (जे० एस० बी०)/79-19 ए०—राष्ट्रपति जी, श्री जे० एस० भाटिया को क्षेत्रीय प्रशासनिक अधिकारी के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 1300-50-1700 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 2-5-1981 के पूर्वान्त से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 4000 B/ए०-32014/1-सहायक भूवैज्ञानिक/80-19 ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित वरिष्ठ तकनीकी सहायकों (भूविज्ञान) को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो० 40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक प्रत्येक के सामने दर्शाई गई तिथि से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है :—

1. श्री प्रकाश रंजन मुखोपाध्याय 25-5-1981 (पूर्वान्त)
2. श्री के० बुल्ली राजू 26-5-1981 (पूर्वान्त)
3. श्रीमती ममता वत्त गुप्ता 25-5-1981 (पूर्वान्त)
4. श्रीमती जानहबी राय 26-5-1981 (पूर्वान्त)
5. श्रीमती भारती अधिकारी 23-5-1981 (पूर्वान्त)

बी० एस० कृष्णस्वामी  
महा निदेशक

**भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण**

नई दिल्ली-110011, दिनांक 5 जुलाई 1981

सं० 14/5/81 स्मा० (पर्य०)—प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल एवं अवशेष नियम, 1959 के नियम 6 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए मैं, जगतपति जोशी, निदेशक (अन्वेषण) यह निदेश जारी करता हूँ कि आजाद हिन्द फौज के प्रधान नेताजी सुभाष चन्द्र बोस द्वारा वर्मा में व्यक्कलद कुर्सी के अभिनन्दन समारोह के अवसर पर मंगलवार दिनांक 7 जुलाई, 1981 को लाल किला, दिल्ली के पुरातत्वीय क्षेत्र में प्रवेश के लिए दर्शकों से शुल्क नहीं लिया जायेगा।

जगतपति जोशी  
निदेशक (अन्वेषण)

**आकाशवाणी महानिदेशालय**

नई दिल्ली, दिनांक 7 जुलाई 1981

सं० 4 (31)/81-एस० एक—श्री कमल सिंह, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, अम्बिकापुर ने 15 जून, 1981 के अपराल्फ से अपनी नौकरी से त्यागपत्र दे दिया है।

एच० सी० जयाल  
प्रशासन उपनिदेशक  
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर 1981

सं० 3/15/61—महानिदेशक आकाशवाणी एतद् द्वारा श्री यू० के० सेटे, वरिष्ठ लेखाकार आकाशवाणी बम्बई को 29-5-1981 (अपराह्न) से प्रशासनिक अधिकारी तदर्थ आधार पर दूरदर्शन के केन्द्र, बम्बई के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

एस० वी० सेषाद्री  
उपनिदेशक प्रशासन  
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1981

सं० 10/57/80-एस० तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री सैय्यद हसन सफवर को आकाशवाणी, कलकत्ता में सहायक इंजीनियर के पद पर 16-6-1981 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

एच० एन० बिश्वास  
प्रशासन उपनिदेशक  
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1981

सं० ए० 31013/1/81-प्रदर्शनी (क)—राष्ट्रपति, विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय के स्थानापन्न प्रदर्शनी निरीक्षक श्री वी० एन० चारी को 19 जून 1981 से स्थायी तौर पर नियुक्त करते हैं।

शिशिर कुमार नायक  
उप सचिव

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 7 जुलाई 1981

सं० ए० 12026/2/81-स्था—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक, श्री ए० के० शर्मा को निदेशालय में 30 जून 1981 के पूर्वाह्न के अगले आदेश तक तदर्थ आधार पर सहायक उत्पादन प्रबन्धक (मुद्रण प्रचार) के पद पर नियुक्त करते हैं।

जनकराज लिखी  
उप निदेशक (प्रशासन)  
कृते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 जुलाई 1981

सं० ए० 31014/2/81 ए० आई० आई० पी० एम० आर० प्रशा०-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्रीमती बी० एन० भवरिया को अखिल भारतीय भौतिक चिकित्सा और पुनर्वास संस्थान, बम्बई में चिकित्सा

समाज कार्य विभाग में 10 अप्रैल, 1980 से स्थायी आधार पर चीफ के पद पर नियुक्त किया है।

त्रिलोक चन्द्र जैन,  
उप निदेशक प्रशासन (ओ० एण्ड एम०)

ग्रामीण पुर्न निर्माण मंत्रालय  
विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय  
फरीदाबाद, दिनांक जुलाई 1981

सं० ए० 19025/42/80-प्र० त०—निम्नलिखित सहायक विपणन अधिकारियों (वर्ग 1) की तदर्थ नियुक्ति को 30-9-1981 तक, या जब तक पद नियमित आधार पर भरे जाते हैं, दोनों में से जो भी पहले हो, पुनः बढ़ाया गया है:—

सर्वश्री

1. वाई० जे० पीटर
2. टी० एस० जोनी
3. एन० के० मिश्र
4. पी० सत्यानारायण
5. ए० के० वास
6. एच० सी० बत्सल
7. ए० एस० शर्मा
8. ए० आर० मित्रा

दिनांक 13 जुलाई 1981

सं० ए० 19025/7/81 प्र० त०—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री वी० नारायणस्वामी, वरिष्ठ निरीक्षक (शीतागार) को इस निदेशालय के अधीन बम्बई में दिनांक 2-5-81 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन विकास अधिकारी (शीतागार प्रशोधन) नियुक्त किया गया है।

बी० एल० मनहार  
निदेशक प्रशासन  
कृते कृषि विपणन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत प्रायोजना इंजीनियरींग प्रभाग

बम्बई-5, दिनांक 6 जुलाई 1981

सं० विप्राइप्र/3 (282)/76 प्रशा०/6721—विद्युत प्रायोजना इंजीनियरींग प्रभाग, बम्बई के निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के एक स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक एवं क्रय तथा भंडार निदेशालय के स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी, श्री व्ही० बी० व्यापारी को, उनका क्रय तथा भंडार निदेशालय से स्थानान्तरण हो जाने के फलस्वरूप, इस प्रभाग में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर 650-30-740-35 880 द० रो० 40-960 के वेतनमान पर, मई 20, 1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश जारी होने तक के लिए नियुक्त करते हैं।

सं० विप्राइप्र 3 (262)/78 प्रशासन—निदेशक, विद्युत प्रायोजना इंजीनियरींग प्रभाग, बम्बई एतद्वारा इस

प्रभाग के एक स्थायी वैयक्तिक सहायक एवं स्थानापन्न आशु-लिपिक-III श्री आर० एस० तलपदे को जून 29, 1981 के पूर्वाह्न से जुलाई 29, 1981 के अपराह्न तक के लिए इसी प्रभाग में सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति सहायक कार्मिक अधिकारी श्री एन० टी० बारवानी के स्थान पर की जा रही है जो छुट्टी पर गए हैं।

ब० वि० शर्मा,  
प्रशासन अधिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र  
शुद्धि पत्र

हैदराबाद-500 762, दिनांक 4 जुलाई 1981

सं० ना० ई० सं०/का० प्र० भ०/1603/3360—अधिसूचना संख्या नाईस०/का प्र भ/1603/3261, दिनांक 29-6-81 में दर्शित रु. 650-30-740-35-880 द० रो० 40-960 के वेतन मान को सुधार कर रु० 650-30-740-35-810 द० रो० 35-880-40-1000, द० रो० 40-1200 पड़ा जाय।

जी० जी० कुलकर्णी,  
प्रबन्धक, कार्मिक व प्रशासन

हैदराबाद-500 762, दिनांक 29 जून 1981

सं० का० प्र० भ० /0704/3256—इस कार्यालय के राजपत्र अधिसूचना सं० का० प्र० भ०/0704/2783, दिनांक 31-5-81 के क्रम में नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के मुख्य कार्य पालक (प्रवरण श्रेणी लिपिक श्री व० र० ना० अय्यर को नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र में स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी के अवकाश रिक्ति के पद पर, तदर्थ आधार पर, दिनांक 22-6-1981 से 11-7-1981 पर्यन्त या अगले आदेशों तक के लिए, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

यू० वासुदेवा राव,  
प्रशासनिक अधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500 016, दिनांक 10 जुलाई 1981

सं० प० ख० प्र० 1/1/81 भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा श्री आर० गोविन्दप्पा को परमाणु खनिज प्रभाग में 29 जून, 1981 के पूर्वाह्न से 22 जून, 1981 तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

सं० प० ख० प्र०-8 /1/81-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा श्री जे० के०

शर्मा, परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक और स्थानापन्न लेखापाम को उसी प्रभाग में श्री डी० एस० इसरानी, सहायक लेखा अधिकारी, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गयी है, के स्थान पर 20-5-1981 से 27-6-1981 तक की अवधि के लिये स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० प० ख० प्र० 1/32/80-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा श्री बीरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव को परमाणु खनिज प्रभाग में 29 जून, 1981 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

एम० एस० राव,  
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

पर्यटन एवं नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान-विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 6 जुलाई 1981

सं० ए० 32014/4/81-स्था० 1—मौसम विज्ञान के महानिदेशक भारत मौसम विज्ञान विभाग के निम्नलिखित व्यावसायिक सहायकों को उनके नामों के आगे दर्शाये गये दिनांक से अगामी आदेशों तक उसी विभाग में स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

| नाम                            | सहायक मौसम<br>विज्ञानी के रूप<br>में कार्यभार<br>संभालने की दिनांक |           |
|--------------------------------|--|-----------|
| 1                              | 2  | 3         |
| 1. श्री० पी० बी० होरे          |  | 15-4-1981 |
| 2. श्री एफ० एम० सी० गोन्साल्वस |  | 15-4-1981 |
| 3. श्री दुर्गा प्रसन्न चटर्जी  |  | 15-4-1981 |
| 4. श्री त्रिभुवन नाथ           |  | 16-5-1981 |
| 5. श्री जे० जे० सिंह           |  | 15-4-1981 |
| 6. श्री एस० एन० सरोन           |  | 8-5-1981  |
| 7. श्री बी० बी० चक्रवर्ती      |  | 19-5-1981 |
| 8. श्री प्रदोष रंजन राय        |  | 15-4-1981 |
| 9. श्री एस० आर० बनर्जी         |  | 15-4-1981 |
| 10. श्री ओ० पी० शर्मा          |  | 1-6-1981  |
| 11. श्री अपूर्व कुमार साहा     |  | 15-4-1981 |
| 12. श्री बी० बसु               |  | 13-5-1981 |
| 13. श्री आर० सी० घोषाल         |  | 29-4-1981 |
| 14. श्री डी० एन० पाल           |  | 2-6-1981  |
| 15. श्री डी० के० दास           |  | 15-4-1981 |

| 1                          | 2 | 3         |
|----------------------------|---|-----------|
| 16. श्री एम० पी० सिंह      |   | 15-4-1981 |
| 17. श्री के० पी० मंडल      |   | 6-5-1981  |
| 18. श्री के० बी० लाल       |   | 11-5-1981 |
| 19. श्री एन० आर० पटोले     |   | 2-5-1981  |
| 20. श्री एस० हंसदा         |   | 15-4-1981 |
| 21. श्री अश्विका चरण सरकार |   | 15-4-1981 |

के० मुखर्जी,  
मौसम विज्ञानी (स्थापना)  
कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

नई दिल्ली-3, दिनांक 7 जुलाई 1981

सं० ई० (1) 00705—मौसम विज्ञान के महानिदेशक के कार्यालय, भारत मौसम विज्ञान विभाग नई दिल्ली के मुख्यालय में मौसम विज्ञान के स्थानापन्न अपर महानिदेशक डा० पी० एस० पंत 20-5-1981 के पूर्वाह्न से सरकारी सेवा से स्वैच्छा से निवृत्त हो गए।

नूतन दास  
निदेशक प्रशासन  
कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 जुलाई 1981

सं० ए० 31013/1/80-ई० एस०—राष्ट्रपति ने श्री एम० एम० बक्षी को दिनांक 13-7-1980 से नागर विमानन विभाग में पायलट के ग्रेड में स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

दिनांक 8 जुलाई 1981

सं० ए० 32014/2/81-ई० एस०—महानिदेशक नागर विमानन ने, क्षेत्रीय निदेशक कलकत्ता क्षेत्र, कलकत्ता एयरपोर्ट, कलकत्ता के श्री ए० एल० शाह को दिनांक 15 जून, 1981 से प्रशासनिक अधिकारी (समूह "ख" पद) के पद पर नियमित आधार पर नियुक्त किया है।

जगदीश चन्द्र गर्ग,  
सहायक निदेशक प्रशासन

## भारतीय वन सर्वेक्षण

देहरादून-248001, दिनांक 9 जुलाई 1981

सं० 4-2/81-प्रशासन—श्री भूपती मोहन देब जो कि त्रिपुरा वन विभाग के सहायक वन संरक्षक हैं, को भारतीय वन सर्वेक्षण, पूर्वी अंचल, कलकत्ता में दिनांक 19 जून, 1981 की पूर्वाह्न से सहायक निदेशक (फारेस्ट इन्वेन्टरी) के पद पर इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 3-10/80 प्र० दिनांक 23 मई 1981 में दर्शाई गई प्रतिनियुक्ति की शर्तों के आधार पर आगामी आदेशों तक नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 10 जुलाई 1981

सं० 4-2/72 प्रशासन—श्री डी० एस० रावत, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून के रिसर्च आफिसर, जो कि भारतीय वन सर्वेक्षण, देहरादून में सहायक निदेशक (सांख्यिकीय) के पद पर प्रतिनियुक्ति के आधार पर कार्य कर रहे थे, को दिनांक 10 जून, 1981 (अपराह्न) से कार्यमुक्त कर दिया गया है और उनकी सेवाएं प्रेसीडेन्ट, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून को सौंप दी गई है।

ए० बी० चौधरी,  
निदेशक

## केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय

मद्रास-600034, दिनांक 7 जुलाई 1981

सं० IV 16/324/81-cx. Adj.—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (सातवां संशोधन) की नियमावली, 1976 के नियम 232-क के उपनियम (1) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जो दिनांक 21-2-1976 से प्रभावी है, यह घोषित किया जाता है कि उपनियम (2) के अन्तर्गत निर्दिष्ट केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम 1940 की धारा 9 के अन्तर्गत न्यायालय द्वारा दोषी ठहराये गये व्यक्तियों और उनके नाम, पता व अन्य विवरण जिन पर पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 33 में निर्दिष्ट अधिकारी द्वारा रुपये 10,000 या उससे अधिक शास्ति अधिरोपित की गयी है, वह इस प्रकार है। चौथाई हिस्सा 31-3-1981 के लिए

| क्रम सं०                | व्यक्ति का नाम   | पता | अधिनियम के उल्लिखित उपबंध   | अधिरोपित शास्ति की राजर्कि  |
|-------------------------|--|-----|---|---|
| 1                       | 2  | 3   | 4   | 5   |
| 1. सी० ताम्पेरूमाल गौहर | तंबाकू व्यापारी सेन० 5 नं० 17/67 (टाब) नं० 15, कोहमनेडियन स्ट्रीट अटटूर, सेलम (जिला) |     | केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा नमक के अधिनियम 1944 की धारा 9(1) के अन्तर्गत निर्दिष्ट केन्द्रीय उत्पाद शुल्क 1944 के नियम 151(ग), 160, 232 और 226 | दंडित और रु० 200/- चुकाने का जुर्माना, अनुप-ख 9 (1) ख ख और केन्द्रीय उत्पाद स्थिति में 2 महीनों का कठोर कारावास की सजा आदेश हुआ है। |

11—विभागीय न्यायनिर्णय

—शून्य—

बी० आर० रेड्डी  
समाहर्ता

भुवनेश्वर, दिनांक 10 जुलाई 1981

सं० 7/81—सेवा निवृत्ति की आयु हो जाने पर केन्द्रीय उत्पाद और सीमाशुल्क के कटक कार्यालय में स्थापित हुए श्री सविधानन्द पटनायक 30-6-1981 (अ० न०) में इस विभाग से अवसर लिये।

सं० 8/81—सेवा निवृत्ति की आयु हो जाने पर केन्द्रीय उत्पाद और सीमाशुल्क के सम्बलपुर कार्यालय में स्थापित हुए श्री बेनुधर पन्डा, 30-6-81 (अ० न०), में इस विभाग से अवसर लिये।

पि० एन० सरनी  
सहायक समाहर्ता (मुख्या०)  
समाहर्ता के लिए  
केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क, भुवनेश्वर

नौवहन और परिवहन मंत्रालय  
नौवहन महानिदेशालय

बम्बई-400 001, दिनांक 10 जुलाई 1981

सं० 63-एस० वी० (1)/80—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिशों पर नौवहन महानिदेशक एतद्वारा श्री ए० कालिकुल्ला खान को दिनांक 26 फरवरी, 1981 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक अस्थायी तौर पर क्षेत्रीय अधिकारी (पाल) कालिकत के रूप में नियुक्त करते हैं।

एस० एम० ओचाणी,  
नौवहन वरिष्ठ उप महानिदेशक

बम्बई-400 001, दिनांक 10 जुलाई 1981

वणिज्य पोत परिवहन

सं० 6 (3)-सी० आर० ए/76—नौवहन महानिदेशक, बम्बई श्री पी० पी० उमेरिया, सहायक नाविक पाल, बम्बई को दिनांक 18 जून, 1981 अपराह्न से अगले आदेशों तक उप नाविक पाल के रूप में नियुक्त करते हैं।

भा० कृ० पवार  
नौवहन उपमहानिदेशक

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय  
(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी लॉ बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और बसन्त पिक्चर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 4 जुलाई 1981

संख्या 532/560—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण के एतद्वारा सूचना दी जाती है कि 2-176GI/81

बसन्त पिक्चर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और श्री साई चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 4 जुलाई 1981

संख्या 858/560—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण के एतद्वारा सूचना दी जाती है कि श्री साई चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और वि आन्ध्रा प्लान्टर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 4 जुलाई 1981

सं० 1226/560—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण के एतद्वारा सूचना दी जाती है कि वि आन्ध्रा प्लान्टर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और एरो फार्मा लैबोरेटरीस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 4 जुलाई 1981

सं० 855 (560)—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर एरो फार्मा लैबोरेटरीस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इस के प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और रामसीस टीस (इंडिया) लिमिटेड के विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 4 जुलाई 1981

सं० 1089 (560)—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर राजसीस टीस (इंडिया) लिमिटेड का नाम इस के प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और सपना प्लास्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 4 जुलाई 1981

सं० 1430 (560)—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर सपना

प्लासटिक्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इस के प्रतिकूल कारण दर्शात न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

बि० एस० राजू  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,  
आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद

कम्पनी अधिनियम, 1956 और नटेशन ट्रांसपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 6 जुलाई 1981

सं० 3856/560(5)/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि नटेशन ट्रांसपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

1

कम्पनी अधिनियम 1956 और टि० के० आर० जि० ट्रांसपोर्ट्स, प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 6 जुलाई 1981

सं० 4815/560(5)/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि टि० के० आर० जि० ट्रांसपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बुलबुलस रोडवेस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 6 जुलाई 1981

सं० 4722/560(5)/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि बुलबुलस रोडवेस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और संजीवि ट्रांसपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 6 जुलाई 1981

सं० 4725/560(5)/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि संजीवि ट्रांसपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सेविन्स परमनेन्ट फण्ड (सि० बि० ई०) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 6 जुलाई 1981

सं० 4749/560(5)/81—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि सेविन्स परमनेन्ट फण्ड (सि० बि० ई०) प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और चेन्तामरा चिट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 6 जुलाई 1981

सं० 5661/560(5)/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि चेन्तामरा चिट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

एच० बनर्जी  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और योगन्जली पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 6 जुलाई 1981

सं० 6960/560(5)/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि योगन्जली पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

ह० अपठनीय  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम 1956 और गारमेक्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

पटना, दिनांक 9 जुलाई 1981

सं० (1213)3/560/81/821—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसार एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर गारमेक्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शात न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

पी० के० चटर्जी  
कम्पनी रजिस्ट्रार, बिहार, पटना

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 जुलाई 1981

निर्देश सं० अर्जन/773/गाजियाबाद/81:82—अतः सुभे  
विवेक बनर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० में अधिक है

और जिसकी सं० 213 है तथा जो गांधी नगर में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारी  
24-11-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और नभे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
बीड/का

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा:—

1. श्री देवेन्द्र कुमार सूद पुत्र श्री गोविंदराम कपूर  
निवासी 139 नया गांधी नगर गाजियाबाद  
(अन्तरक)

2. श्री देवराज महाजन श्रीमति करुणा महाजन पत्नी श्री  
देवराज महाजन निवासी, डी० ए० प्लॉट नं० 28  
शेख सराय मालवीय नगर, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नम्बर 213 गान्धी नगर गाजियाबाद में स्थित  
है जो कि 2,00,000/— रुपये का बेचा गया।

विवेक बनर्जी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

दिनांक 9-7-1981

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 29 जून 1981

आर० ए० सी० नं० 99/81-82—अतः मुझे एस० गोविन्द  
राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी भूमि सर्वे नं० 41, 49, है 50 है जो काकागुडा  
अरबनातालुक, सिकन्दराबाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय मेंडचल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
हाथिप में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमति ऊटला मलम्मा पति लेट ऊटला एलम्मा
- (2) श्री ऊटला रामास्वामी पिता वैसेही
- (3) श्री ऊटला लक्ष्मन पिता लेट ऊटला सरवम्मा
- (4) श्री ऊटला मुत्थालु पिता वैसेही
- (5) श्रीमति ऊटला लक्ष्मम्मा पति वैसेही

काकागुडा, सिकन्दराबाद

(अन्तरक)

2. मैसर्स दि श्री पुरी को-आपरेटिव हाउजींग सोसाइटी,  
लि० रजिस्टर नं० टी ए बी० 56, 184, नेह्दनगर,  
सिकन्दराबाद ।

बाह्य अध्यक्ष श्री बी० वेकटेस्वरलु पिता लेट बी०  
रामलिंगम सेक्रेटरी श्री बी० सामनाथ शरमा पिता  
बी० राजेस्वर शरमा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

### अनुसूची

जमीन का टुकड़ा, 17 गुंटे (2057 चौ० गज) सर्वे  
नं० 41, 49 और 50 काकागुडा, अरबन तालुक सिकन्दरा-  
बाद । रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2675/80, रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी मेंडचल ।

एस गोविन्दराजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 29-6-1981

मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 29 जून 1981

निर्देश सं० आर०ए०सी० नं० 100/81-82—अतः मुझे एस०  
गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 41, 49, 50 है जो  
काकागुडा, अरबन तालुक, सिकन्दराबाद स्थित है (और इससे  
उपायध्व अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय मेडचल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1980  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. (1) श्रीमति ऊटला मलम्मा पति लेट ऊटला एलम्मा  
(2) श्री ऊटला रामस्वामी पिता वैसे सी  
(3) श्री ऊटला लक्ष्मण पिता लेट ऊटला मरवटया,  
(4) श्री ऊटला मुत्थालुपिता वैसे ही  
(5) श्रीमति ऊटला लक्ष्मम्मा पति वैसे ही  
काकागुडा, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स दि श्री पूरी को-प्रापरेटिव हाउजिंग सोसाइटी,  
लि० रजिस्टर नं० टी० ए० बी० 56, 184, नेहरू  
नगर, सिकन्दराबाद ।  
बाह्य अध्यक्ष श्री बी० वेंकटेश्वरलु पिता लेट बी०  
रामलिंगम सेक्रेटरी श्री बी० सोमनाथ शरमा पिता  
बी० राजेश्वर शरमा ।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

भूमि का टुकड़ा 30 गुंठे (3630 चौ० गज) सर्वे नं०  
41, 49, और 50 काकागुडा अरबन तालुक, सिकन्दराबाद ।  
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2654/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
मारेड पल्ली ।

एस० गोविन्द राजन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 29-6-1981

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 29 जन 1981

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 101/81-82—अतः मुझे,  
एस० गोविन्द, राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु० से अधिक है

और जिसकी भूमि सर्वे नं० 41, 49, 50 है जो काकागुडा,  
अरबन तालुक, सिकन्दराबाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, मेडचल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाता चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) श्रीमति ऊटला मलम्मा पति लेट ऊटला एलम्मा  
(2) श्री ऊटला रामस्वामी पिता वैसेही  
(3) श्री ऊटला लक्ष्मन पिता लेट ऊटला सरवय्या  
(4) श्री ऊटला मुत्थालु पिता वैसेही  
(5) श्रीमति ऊटला लक्ष्मम्मा पति वैसेही  
काकागुडा, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स दि श्री पूरी को-ऑपरेटिव हार्जिंग सोसाइटी,  
ली० रजिस्टर नं० टी० ए० बी०, 56, 184, नेहरु नगर  
सिकन्दराबाद । अध्यक्ष श्री बी० बेंकटेश्वरलु पिता लेट  
बी० रामलींगम, सेक्रेटरी श्री बी० सोमनाथ शरमा पिता  
श्री बी० राजेश्वर शरमा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

जमीन का तुकड़ा, 30 गुंटे (3630 चौ० गज) सर्वे  
नं० 41, 49, और 50, काकागुडा अरबन तालुक सिकन्दरा-  
बाद । रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2644/80 रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी सिकन्दराबाद ।

एस० गोविन्दराजन,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 29-6-1981

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 29 जून 1981

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 102/81-82—अतः  
मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का तूकड़ा है, जो सर्वे नं० 41, 49,  
50, काकागुडा, सिकन्दराबाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, मेडचल, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण, अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1980  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उक्त दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
नव पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमति उटला मलेम्मा पति लेट उटला एलम्मा,  
(2) श्री उटला रामस्वामी पिता वैसे ही  
(3) श्री उटला लक्ष्मन पिता लेट उटला सरवय्या  
(4) श्री उटला मुत्थालु पिता वैसे ही  
(5) श्रीमति उटला लक्ष्ममा पति वैसे ही

(अन्तरक)

2. मैसर्स दि श्री पूरी को-आपरेटिव हाउजिंग सोसाइटी  
लिमिटेड रजिस्टर नं० टी० ए० बी० 56, 184,  
नेहरू नगर, सिकन्दराबाद ।  
बाइ अध्यक्ष श्री बी० वेंकटेश्वरलु पिता लेट बी०  
रामलींगम, सेक्रेटरी श्री बी० सोमनाथ शर्मा पिता बी०  
राजेश्वर शर्मा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन का तूकड़ा, 30 गुंठे (3630 चौ० गज), सर्वे  
नं० 41, 49 और 50 काकागुडा अरबन तालुक, सिकन्दरा-  
बाद । रजिस्ट्रीकृत विवेक नं० 2626/80, रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी सिकन्दराबाद ।

एस० गोविन्द राजन

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद,

तारीख : 29-6-1981

मोहर :

प्रकाशक प्रा० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 29 जून 1981

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 103/81-82—अतः मुझे, एस० गोविन्द राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन बलम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 41, 49, 50 है, जो काकागुडा, अरबन तालुक, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मारेडपल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में रुचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या क्रमा धन या अन्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमति उटला सल्लम्मा पति लेट उटला बल्लम्मा
- (2) श्री उटला रामस्वामी पिता वैसे ही
- (3) श्री उटला लक्ष्मण पिता लेट उटला सरस्वम्मा,
- (4) श्री उटला मुर्यालु पिता वैसे ही
- (5) श्रीमति उटला लक्ष्मा पति वैसे ही

काकागुडा, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स दी श्रीपुरी को-आपरेटिव हाउजिंग सोसाइटी, लिमिटेड रजिस्टर नं० टी० ए० बी० 58, 184-नेहरू नगर, सिकन्दराबाद ।

बाह्य अध्यक्ष श्री बी० वेंकटेश्वरलु पिता लेट बी० राम-लिंगम सेक्रेटरी श्री बी० सोमनाथ शर्मा पिता बी० राजेश्वर शर्मा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन का तुकड़ा, 30 गुंठे (3630 चौ० गज) सर्वे नं० 41, 49, 50, काकागुडा अरबन तालुक, सिकन्दराबाद । रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2614/80, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मारेडपल्ली ।

एस० गोविन्द राजन  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 29-6-1981  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 29 जून 1981

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 104/80-81—अतः  
मुझे, ए० गोविन्द राजन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 201/3 है, जो साहेबनगर, हैदराबाद  
में स्थित है (और इससे उपायध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भार-  
तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन नवम्बर, 1980 को  
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में लनी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—  
3—176GI/81

1. (1) श्री रवीन्द्र साहेबनगर, हैदराबाद  
(2) श्री वी० प्रताप रेड्डी, घर नं० 3-3-1002  
कुतबीगुडा, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स कोतापेट को-आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी,  
बाह्य अध्यक्ष गणेशप्रसाद, सकेसर बाजार,  
घर नं० 16-2-805, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

भूमि 4 एकर, 35 गुंठे, सर्वे नं० 201/3, साहेबनगर,  
हैदराबाद । रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10371/80, रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी हैदराबाद ।

एस० गोविन्द राजन,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 29-6-1981 ।  
मोहर :

प्रमुख भाग. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 29 जून 1981

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 105/81-82—अतः

मुझे, एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 201/3 है, जो सख्तरनगर,  
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1980

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मन्त्रिभा  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
मन्त्रिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः--

1. (1) श्री इस्वरय्या साहेबनगर, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2. मेसर्स कोल्तापेट कोम्प्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी,  
वाइ अध्यक्ष गणेश प्रसाद, सकेमर बाजार, घर नं०  
16-2-805, हैदराबाद ।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

प्रत्युत्तरी

भूमि 3 एकर, सर्वे नं० 201/3, साहेबनगर, हैदराबाद ।  
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10333/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
हैदराबाद ।

एस० गोविन्द राजन,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 29-6-1981

मोहर ।

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 1 जुलाई 1981

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 106/81-82—अतः

मुझे, एम० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर नं० 6-3-1109/3 है, जो मोमाजी  
गुडा, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सोमनाथी भूपाल पिता श्रीणाराम भूपाल (लेट)  
जी० पी० ए० श्री आर० सुरेंद्र रेड्डी पिता राघव  
रेड्डी, घर नं० 1-10-147, बेगमपेट, हैदराबाद ।  
(अन्तरक)

2. श्रीमति संतोषकुमारी आगरवाल पति शामसुन्दर  
आगरवाल, 1-2-597/4, धोमलगुडा, हैदराबाद ।  
(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

घर नं० 6-3-1109/3 सोमाजीगुडा, हैदराबाद 744.5  
चौ० गज । रजिस्ट्रीकृत (बिलेख नं० 11776/80) रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

एम० गोविन्द राजन

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 1-7-1981

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 जुलाई 1981

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 107/81-82—अतः  
मुझे, एस० गोविन्द राजन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5-1-655 है, जो तुपबाजार, हैदराबाद में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरस्थितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में  
उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उसे बढ़ाने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या घनकर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति अमृतुल मजीद पति लेट सएद वहीउद्दीन  
घर नं० 5-1-655, तुपबाजार, हैदराबाद ।  
(अन्तरक)

2. (1) श्री अफजल एल० हक पिता एहसामुल हक  
(2) कमर जहां बूबी पति सयद हामीद मोहीउद्दीन,  
घर नं० 16-2-60, अकबर बाग, मलकपेट,  
हैदराबाद ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, यद्योहस्ताशरी  
के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 5-1-655, तुपबाजार, हैदराबाद का भाग 1  
1103 चौ० फुट 1 रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 12007/80  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

एस० गोविन्द राजन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 3-7-1981  
मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जुलाई 1981

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 108/81-82—अतः

मुख्य, एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1-10-121 है, जो बेगमपेट, सिकन्दराबाद  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूछ उक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

1. श्री ए० के० कुनहीतामन नाम्बीयर पिता चीतन  
नाम्बीयर सेवा निवृत्त इन्स्पेक्टर जनरल आफ पोलीस,  
1-10-121, मयूर मार्ग, बेगमपेट, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री श्री भजन ब्रह्मचारी सेवा आश्रम रजिस्टर नं० 222  
ग्रन्थक्ष ए० के० बोस पिता लेट एस० सी० बोस,  
सेक्रेटरी श्री बी० के० संघी पिता गीरीजी प्रसाद  
संघी, 1-10-121, बेगमपेट, हैदराबाद-16 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

### अनुसूची

जमीन का प्लॉट, 1 एकर, 29 गुंटे, मखें० नं० 182/7  
और 182/9, घर के साथ एम० नं० 1-10-121 घर के  
अलावा, गण्डेज, कटल् सेड्स एम० नं० 1-10-119, 120,  
122 से 125 बेगमपेट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 295/80,  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सिकन्दराबाद ।

एस० गोविन्द राजन,

सूक्ष्म प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

तारीख : 4-7-1981

मोहर :

## प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जुलाई 1981

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 109/81-82—अतः

भुझे, एस० गोविन्द राजन,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन सर्वे नं० 7 है, जो सखर नगर गांव, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उमके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री के० सुर्यकांत, घर नं० ए-4, साइनीक पूरी, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स कोत्तापेट को-आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी, बाइ अध्यक्ष श्री गणेश प्रसाद, 16-2-805, सकेसर आझार, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

भूमि, सखर नगर गांव, 1 एकर 32 गुंठे, सर्वे नं० 7, प्लॉट नं० 10 और 11 रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10438/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

ए० गोविन्द राजन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-7-1981

मोहर :

प्रारूप आइ० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जुलाई 1981

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 110/81-82—अतः

मुझे, एम० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के प्रयोजन पञ्चम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी प्लॉट है, जो चिराग अली लेन, हैदराबाद में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को  
जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित:—

1. (1) श्रीमति पुष्पादेवी बीयानी पति श्री बालभ बीयानी,  
रहने वाले तलेगांव, जीला उस्मानाबाद, महाराष्ट्र  
अब काचीगुडा, हैदराबाद में है।
- (2) मेसर्स शंकरलाल एण्ड शंकरलाल बाइ (अ) शंकर  
लाल लीवेदी घर नं० 3-2-866, काचीगुडा,  
हैदराबाद (ब) श्री शंकरलाल कार्बा घर  
नं० 3-2-853, काचीगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री वी० शीव प्रसाद पिता वी० दीगंबर राव, रहने  
वाले महेश नगर कालोनी, चौरागअली लेन, हैदराबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
पर्य्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

टम्पेरी स्ट्रक्चर के साथ जमीन का भाग 250 चौर० गज,  
महेशनगर कालोनी, चौरागअली लेन, हैदराबाद। रजिस्ट्रीकृत  
विलेख नं० 11768/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एम० गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-7-1981  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 9 जुलाई 1981

निर्देश सं० संदर्भ 3 नि सं० आ० आ०/एक्जीजीएन-II  
एस० आर०-I/11-80/7160--अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

जिसकी सं० एफ-42 जो कमला नगर, दिल्ली में स्थित  
है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची  
में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित  
कार्यालय में दिनांक नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्रीमति राम दुलारी विधवा श्री वस्ती राम, निवासी,  
एफ-42, कमला नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री कस्तुरी लाल और काश्मीरी लाल वैद, श्री कालू  
राम निवासी 5256 कोलापुर, मकान दिल्ली-7।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रोपर्टी नं० एफ 42 (डबल स्टोरी) जिसका क्षेत्रफल  
232.2 वर्ग गज है कमला नगर में स्थित है।

विमल वशिष्ठ  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

दिनांक : 9-7-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110001 दिनांक 9 जुलाई 1981

निर्देश सं० संदर्भ-3 नि० सं० आ०/आ०/एक्सीजिशन-II/एस०

आर०-I/11/7179/80-अतः मुझे विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 72/1, ब्लॉक नं० 2 है एवं जो कीर्तीनगर नई दिल्ली में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न सूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री भर्मरिन्द सिंह पुत्र श्री गुरमुख सिंह, ए-3, कैलाश पार्क, कीर्ती नगर नई दिल्ली वर्तमान पता डी०-10/21, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्रीमति अजीत कौर पत्नी श्री अचर सिंह निवासी 691--अशोक पार्क मैन रोहतक रोड, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 72/1, जिसका क्षेत्रफल 200 वर्गगज है कीर्तीनगर में स्थित है ।

विमल वशिष्ठ

सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन रेंज-II नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

दिनांक : 9-7-1981

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 7 जुलाई 1981

निर्देश सं० संदर्भ 3 नि० सं० आ० आ०/एक्सीजीशन-II/  
एस० आर०-II/11-80/3999—चूंकि मैं विमल वशिष्ठ,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु० में अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है एवं जो गांव मसूदाबाद तहसील  
नजफगढ़ में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न  
अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के  
दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर, 80  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
कार्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहेगा था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री सुरिन्द्र कुमार और सुभाष चन्द्र बेटे श्री हंस राज,  
ए-207, कालका जी, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)
2. श्रीमती तारा टण्डन, पत्नी श्री एम० सी० टण्डन,  
बी-7, एन० डी० एस० ई० पार्क-II, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

कृषि भूमि गांव मसूदाबाद, सब तहसील नजफगढ़, नई दिल्ली।

विमल वशिष्ठ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त  
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

दिनांक : 7-7-1981

सीहर :

## प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 7 जुलाई 1981

निर्देश सं० संदर्भ 3 नि० सं० आ० आ०/एक्वीजिशन-II/

एस० आर०-II/11-80/3998—चूंकि मैं विमल वशिष्ठ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (और जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

जिसकी सं० कृषि भूमि है एवं, गांव मसूदाबाद तहसील नजफगढ़ में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है का पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1), के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों बध्तिः—

1. श्री सुरिन्द्र कुमार और श्री सुभाष चन्द बेटे श्री हंस राज, ए-207 कालकाजी नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती तारा टण्डन, पति श्री एम० सी० टण्डन, निवासी बी-7, एन० डी० एस० ई० पार्क-II, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 32, क्षेत्रफल 3 वर्ग गज और 1 बिसवा गांव मसूदाबाद, सब तहसील नजफगढ़ नई दिल्ली ।

विमल वशिष्ठ  
सक्षम प्राधिकारी  
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त  
अर्जन रेंज-II नई दिल्ली

तारीख : 7-7-1981

मोहर :

प्रकृप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 7 जुलाई 1981

निर्देश सं० संदर्भ नि० सं० आ० आ०/एक्वीजिशन-II/एस०

आर० II/11—80/4000—चूँकि मैं विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो गांव मसूदाबाद सब तहसील नजफगढ़ में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुरिन्द्र कुमार और श्री सुभाष चन्द्र बेटे श्री हंस राज,  
ए-207, कालकाजी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमति तारा टण्डन, पति श्री एम० सी० टण्डन,  
निवासी बी-7, एन० डी० एस० सी० पार्ट-II, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 35, गांव मसूदाबाद सब-तहसील, नजफगढ़ नई दिल्ली।

विमल वशिष्ठ,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

दिनांक : 7-7-1981  
मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 जुलाई 1981

निर्देश सं० संदर्भ 3 नि० सं० आ० आ०/एम्बीजीशन-II/  
एस० आर०-II/11-80/3923—चूंकि मैं विमल वशिष्ठ,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो होलम्बी कलान, दिल्ली  
में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची  
में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित  
कार्यालय में दिनांक नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा:--

1. श्रीमति चन्द्रवती पत्नी श्री जगने राम, निवासी 55-ए,  
सराय पीपल भला, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री इन्द्रजीत बजाज, बलदेव बजाज सुभाष चन्द्र और  
राजेन्द्र कुमार बेटे श्री अमर नाथ द्वारा जय हिन्द टिम्बर  
स्टोर, 6926/137, जयपुरिया मिल्स, क्लक टावर,  
सखी मण्डी दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि 9 बिगाज और 12 बिसवा जो कि फूँखसरा नं०  
53, 16, 23, 24, 25 गांव होलम्बी कलान दिल्ली।

विमल वशिष्ठ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त  
अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

दिनांक : 14-7-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 9 जुलाई 1981

निर्देश सं० संदर्भ 3 नि० सं०आ० आ०/एक्वीजिशन-II/  
एस० आर०-1/11-80/7217—चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है  
और जिसकी संख्या 775, है एवं जो सब्जी गंज, कश्मीरी गेट,  
दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची  
में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित  
कार्यालय में दिनांक नवम्बर 1980

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसूचन  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति कमला बेटी श्री केदार नाथ पत्नी जग मोहन  
निवासी 775 सब्जी गंज कश्मीरी गेट, दिल्ली ।  
(अन्तरक)
2. श्रीमति हरजीत कौर सहित पत्नी श्री चरणजीत सिंह  
निवासी सी-5/22, माडल टाउन, दिल्ली ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

1/2 हिस्सा प्रापटी नं० 775 (नई) वार्ड नं० 1 सब्जी गंज,  
कश्मीरी गेट, दिल्ली ।

विमल वशिष्ठ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

दिनांक : 9 जुलाई 1981  
मोहर :

प्ररूप आर्द्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002 दिनांक 8 जुलाई 1981

निर्देश सं० संदर्भ 3 नि० सं० आ० आ०/एक्वीजीशन-II/  
एस० आर०-I/11/80-3996—चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० जे-3/35, रजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है,  
(जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है),  
को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक  
नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सम्पत्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्रीमति हरमोहिन्द्र कौर सहगल, (2) श्री हरभजन सिंह  
सहगल और दूसरे निवासी 9039, गली नं० 1, मुलतानी  
वाडा, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्रीमति राजरानी पत्नी लेट श्री हीरा लाल पचम्बा,  
निवासी जे-7/69 रजौरी गार्डन, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

प्रोपर्टी नं० जे 3/35, जिसका क्षेत्रफल 160 वर्ग गज, रजौरी  
गार्डन में स्थित है ।

विमल वशिष्ठ,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

दिनांक : 8-7-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 9 जुलाई 1981

निर्देश सं० संदर्भ नि० सं० आ० आ०/एक्वीजीशन-II/  
एस० आर०-II/11-80/3989—चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सी 95 है एवं जो न्यू मुलतान नगर,  
दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न  
अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के  
दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायस्ब में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री मदन गोपाल खन्ना बेटा श्री जेटा नन्द खन्ना,  
निवासी मकान नं० सी 95 न्यू मुलतान नगर, दिल्ली।  
(अन्तरक)
2. श्री अर्जुन देव मलिक बेटा श्री लोक नाथ मलिक  
निवासी मकान नं० ए-39 न्यू मुलतान नगर, दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

मकान नं० सी० 95 जो कि ब्लाक सी न्यू मुलतान नगर में  
स्थित है

विमल वशिष्ठ;  
सक्षम प्राधिकारी,  
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त,  
अर्जुन रेंज II नई दिल्ली।

दिनांक : 9-7-1981  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश सं० नि० सं० आ० आ०/एक्वीजीशन-II/एस० आर०/  
11-80/7190-चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 8/34 है एवं जो कीर्ति नगर, उद्योगिक  
क्षेत्र, नई दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण  
संलग्न अनुसूची में दिया गया है) की पंजीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी  
के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्याप्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसारण  
में मैं, उक्त अधिनियम का धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री चुन्नी लाल थला बक्शी, 33, कपूर रोड, जालन्धर  
(पंजाब)

(अन्तरक)

2. कुमारी वरिन्दा दत्त सुपुत्री श्री पद्मा दत्त, 693, ब्लाक  
'ओ' नया अलीपुर, कलकत्ता और दूमेरे

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 8/34, क्षेत्र 1867 वर्ग गज जो कीर्ति नगर,  
उद्योगिक क्षेत्र में स्थित है ।

विमल वशिष्ठ,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

दिनांक : 15-7-1981  
मोहर :

प्ररूप बाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 8 जुलाई 1981

निर्देश सं० 3 नि० स आ० आ०/एकवीजीशन-II/  
/एस० आर०-11-80 7152:—चूंकि ये विमल वशिष्ठ  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 27, रोड नं० 16,  
पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत  
विवरण सलग्न अनुसूची में दिया गया) को पंजीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण  
अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर  
1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचन से  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राधा कृष्ण खन्ना बेटा लेट श्री गोविन्द राम  
श्रीमति भोली बाई विधवा श्री गोविन्द राम, इ.  
237, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमति वीरा देवी पत्नी लेट डा० राम चन्द निवासी  
4/37, डब्ल्यू० ई० ए० करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

खाची प्लॉट नं० 27, रोड नं० 16, जिसका क्षेत्रफल  
279.55 वर्ग गज है, पंजाबी बाग में स्थित है।

विमल वशिष्ठ,  
सक्षम प्राधिकारी निरीक्षण  
सहायक आयकर आयुक्त,  
अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

दिनांक : 8-7-1981

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 7 जुलाई 1981

निर्देश सं० संदर्भ 3 नि० सं० आ० आ०/एक्वीजीशन-IV/  
एस० आर०-I/11-80/7157—चूंकि मैं विमल वशिष्ठ  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ग  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है एवं जो मैं गली गजीना चूरी  
वालान दिल्ली में स्थित है जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न  
अनुसूची में दिया गया है, को पंजीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के  
कार्यालय दिल्ली में दिनांक नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई निम्न आय तो जाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविरव में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मातः :-

1. श्री रघुराम बेटा श्री अघो दास निवासी 3804, गली  
मगजीन, चूरी वालान, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री मोहम्मद अकिल बेटा अहमद यार खान और बसूदा  
बेगम पत्नी मोहम्मद अकिल निवासी 2210, गली  
दगोटारान तुर्कमान गेट, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके ज्ञात संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करना है ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

एक मकान सं० 3804 जो कि गली मगजीन, चूरी  
वालान, दिल्ली ।

विमल वशिष्ठ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II नई दिल्ली ।

दिनांक : 7-7-1981

सील :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश सं० संदर्भ 3 नि० सं० आ० आ०/एक्वीजीशन-II/एस० आर०-II/11-80/3967—चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० कीला नं० 30/4, 30/5, 23/24 और 23/25 एवं जो गांव होलम्बी खुर्द देहली में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के कार्यालय नई देहली स्थित में दिनांक नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उममे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा:—

1. श्री राम मेहर और श्री मेहर चन्द सुपुत्र श्री प। सिंह निवासी गांव पीपल थाला, देहली ।  
(अन्तरक)

3. श्रीमति सुधा गुप्ता पत्नी विरेन्द्र कुमार गुप्ता निवासी 1 शंकराचार्य मार्ग सिविल लाइन्स, देहली ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है ।

प्रमुखी

1/2 हिस्सा कीला नं० 30/4 (4-16) 30/5 मीन (2-8) 23/24 (4-16) और 23/25 मीन (2-8) गांव होलम्बी खुर्द, देहली ।

विमल वशिष्ठ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II नई दिल्ली ।

दिनांक 15-7-1981  
मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 9 जुलाई 1981

निर्देश सं० संदर्भ 3 ति० सं० आ० आ०/एक्वीजीशन- /एस०  
आर०-II/11-80/7202—चूंकि मैं, विमल विशष्ट  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 1925 बार्ड-III है एवं जो नया बाजार देहली  
में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची  
में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16वां) अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित  
कार्यालय में दिनांक नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. (1) श्री बदरुल इस्लाम मुपुत्र श्री हाजी अबदुल सलाम  
(2) अबदुल हनन मुपुत्र अबदुल मनन निवासी  
2225 गली हीन्गा वेग फाटक हावस खां खारी बावली,  
देहली।

(अन्तरक)

2. (1) श्री राम कन्वर गुप्ता (2) राम निवास गुप्ता मुपुत्र श्री  
चन्द्र भान निवासी मेन बाजार बहादुरगढ़, डिस्ट्रिक्ट रोहतक,  
हरियाणा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

3 1/2 मंजिला मकान नं० 1925 (पुराना), 4104,  
4105 और 4154 (नया) बार्ड नं० III बर्न वस्टन रोड नया  
बाजार देहली।

विमल विशष्ट,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण  
अर्जन रेंज-II नई दिल्ली।

दिनांक: 9-7-1981

सील:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश सं० संदर्भ 3 नि० सं० आ० आ०/एक्वीजीशन-II/  
एस० आर०-II/11-80/3966—चूँकि मैं, विमल वशिष्ठ  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 30/14 (4-00), 30/7, 30/15 है  
एवं जो गांव होलम्बी खुर्द, देहली में स्थित है, (जिसका अधिक  
विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजी-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16वां) के अधीन  
पंजीकरण अधिकारी के नई देहली स्थित कार्यालय में दिनांक  
नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्री राम मेहर और श्री मेहर चन्व सुपुत्र श्री पोप  
सिंह निवासी गांव पिलल थाला, देहली ।

(अन्तरक)

2. श्री वीरेन्द्र कुमार गुप्ता सुपुत्र स्वर्गीय श्री रघुवीर  
सरन गर्ग निवासी 1 शंकराचार्य मार्ग सिविल लाइंस,  
देहली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है ।

अनुसूची

1/2 हिस्सा किला नं० 30/14 (4-00); 30/7  
(4-16); 30/6 मिन (2-6) और 30/15 मिन (2-00)  
गांव होलम्बी खुर्द, देहली ।

विमल वशिष्ठ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II नई दिल्ली ।

दिनांक : 15-7-1981 ।

सील :

प्रकरण आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश सं० नि० सं० आ० आ०/एक्वीजीशन-II/एम० आर०-II/11-80/3969—चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके रश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका बचिन बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 30/5 और 23/15 है एवं जो गांव होलम्बी खुर्द, दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर, 1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किन्हीं आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :—

1. श्री राम मेहर और श्री मेहर चन्द बेटा पोप सिंह गांव पीपल थाला, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्रीमति उषा रानी जैन पत्नी श्री शाम बिहारी लाल, 4-अण्डर हिल रोड, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

किला नं० 30/5, मिन (2-8) और 23/25 मिन (2-8) गांव होलम्बी खुर्द, दिल्ली ।

विमल वशिष्ठ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त,  
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली ।

दिनांक 15 जुलाई 1981  
सील :

**प्ररूप आई० टी० एन० एस०—**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश सं० 3 नि० म० आ० आ०/एक्वीजीशन-II/ए० आर०-II/11-80/3970—चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी संख्या 15/01, 30/4, 30/5 और 23/25 है एवं जो गांव होलम्बी खुर्द में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अतिसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री मेहर चन्द और राम मेहर बेटा श्री पीप सिंह, निवासी गांव पीपल थला, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमति सुधा गुप्ता पत्नी श्री वरिन्द्र कुमार गुप्ता निवासी 1, शंकराचार्य मार्ग मिविल लाइन्स, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 हिस्सा किला नं० 30/4 (4-16), 30/5 मिन (2-8) 23/24 (4-16) और 23/25 मिन (2-8) गांव होलम्बी खुर्द, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II नई दिल्ली

दिनांक : 15-7-1981

सील :

प्ररूप आर्डर टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (i) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश सं० 3 नि० सं० आ० आ०/एक्वीजीशन-II/एस० आर०  
II/11--80/3971--चूंकि मैं विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी संख्या किला नं० 30/6, मिन (2-08), 3015  
गांव होलम्बी खुर्द दिल्ली में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत  
विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है, को पंजीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण  
अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर,  
1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (i)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

6--176GI/81

1. श्री राम मेहर, मेहर चन्द बेटा पोप सिंह, गांव  
सराय पीपल थला, दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री एस० बी० लाल बेटा श्री जैनेन्द्र प्रसाद 4-  
अण्डर हिल रोड, सिविल लाइन्स, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

किला नं० 30/6, मिन (2-08), 30/15 (2-00)  
गांव होलम्बी खुर्द, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
(निरीक्षीण) सहायक आयकर आयुक्त,  
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

दिनांक 15-7-1981

सील :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002 दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश सं० संदर्भ 3 नि० सं० आ० आ०/एक्सीजीशन-II/एस० आर०-II/11-80/3965—चूंकि मैं विमल वशिष्ठ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन पञ्चम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या 30/14, 30/7, और 30/15 है एवं जो गांव होलम्बी खुर्द देहली में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई देहली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर 1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन:—

1. श्री मेहर चन्द और श्री राम मेहर सुपुत्र श्री पोप सिंह निवासी गांव पिपल थाला देहली (अन्तरक)
2. श्री विरेन्द्र कुमार गुप्ता, सुपुत्र श्री रघुबीर सरन गर्ग निवासी 1 शंकराचार्य मार्ग सिविल लाईंस देहली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 हिस्सा कीला नं० 30/14 (4-00), 30/7 (4-16) 30/6 मीन (2-8) और 30/15 मीन (2-00) गांव होलम्बी खुर्द।

विमल वशिष्ठ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
(निरीक्षीण) सहायक आयकर आयुक्त,  
अर्जन-रेंज-II, नई दिल्ली

दिनांक 15-7-1981  
सील :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश सं० संदर्भ 3 नि० सं० आ० आ०/एक्सीजीशन-II/  
एस० आर०-II/11-80-3968—चूँकि मैं विमल वशिष्ठ  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 23/17 है एवं जो 23/16 गांव होलम्बी  
खुर्द, दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण  
संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी  
के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य  
में कम करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के अर्थात् 3—

1. श्री राम पेहर श्री मेहर चन्द बेटा पोप सिंह, निवासी  
गांव पीपल थला दिल्ली

(अन्तरक)

2. मिस रजिता (माइनर) बेटा श्री बीरेन्द्र कुमार गृप्ता  
बेटा लेट श्री रघुवीर सरण गर्ग निवासी-1, शंकराचार्य  
मार्ग, दिल्ली।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

किला नं० 23/17 (4-16) और 23/16 एम (2-8)  
गांव होलम्बी खुर्द, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ,  
सक्षम प्राधिकारी  
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त,  
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

दिनांक : 15-7-1981

सील :

प्रकट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना  
प्राप्त करण।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002 दिनांक 15 जुलाई 1981

संदर्भ 3 नि० सं० आ० आ०/एक्वीजीशन-II/एस० आ०-II/

11-80/3901—चूंकि मैं विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन तत्काल प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 8 रोड नं० 46 है एवं जो पंजाबी बाग, मादीपुर दिल्ली स्टेज, दिल्ली में स्थित है, (सिफा अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवंबर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण न हुई कितां आय की वास्तव उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा की 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री अशोक कुमार दुग्गा 41, दुग्गा भवन, आर्य नगर, रोहतक और दूसरे

(अन्तरक)

2. श्री महेश कुमार सुपु श्री शंकर दास और श्री राजेन्द्र कुमार सुपु श्री भोला नाथ एफ-65, मान-सरोवर गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अध्याहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 8 रोड नं० 46 क्षेत्र 279.55 वर्गगज जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है।

विमल वशिष्ठ,  
सहाय प्राधिकारी,  
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त,  
अर्जुन रेंज II, नई दिल्ली

दिनांक 15-7-1981  
सील :



प्रारूप आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002 दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश सं० संदर्भ 3 नि० सं० आ० आ०/एक्वीजीशन-II/  
एस० आर०-II/12-80/3972—चूंकि मैं, विमल बशिष्ठ,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है,

और जिसकी सं० 23/16 है एवं जो मिन (2-बी), गांव  
होलम्बी खुर्द दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत  
विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है), को पंजीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण  
अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर 1980  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री राम मेहर चन्द बेटा पोप सिंह निवासी गांव  
पीपल थला, दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री सुधीर जैन बेटा श्री शाम बिहारी लाल, 4-  
अण्डर हिल रोड, सिविल लाईन्स दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

किसा नं० 23/16; मिन (2-बी) गांव होलम्बी  
खुर्द, दिल्ली

विमल बशिष्ठ

सक्षम प्राधिकारी,

निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त,

अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

दिनांक : 15-7-1981

मोहर :

प्रकृत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II; नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 15 जुलाई 1981

संदर्भ 3 नि० सं० आ० आ०/एक्सीजीशन-II/एस० आर०-II/  
11—80/3954—चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है  
और जिसकी संख्या कीला नं० 23/4 (4-16) है एवं जो  
23/5, 6/24 गांव होलम्बी खुर्द देहली में स्थित  
है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया  
गया है), को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां)  
के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में  
दिनांक नवम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया ऐसे  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरण के वास्तविक में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य वास्तविकों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को, अनुसूचन  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1),  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री हरी सिंह सुपुत्र श्री नेकी निवासी सराय पिपल थाला  
देहली

(अन्तरक)

2. कुमारी मोनीका गुप्ता (नाबालक) श्री वीरेन्द्र कुमार  
गुप्ता निवासी 1, शंकराचार्य मार्ग, देहली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंक्तियों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कीला नं० 23/4 (4-16), 23/5 मीन (2—8);  
6/24 (1-2) और 6/25 मीन (0-10) गांव होलम्बी  
खुर्द देहली।

विमल वशिष्ठ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त,  
अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

दिनांक : 15-7-1981

मोहर :

प्रकरण आई० डी० एन० एच०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश सं० संवर्ध 3 नि० सं० आ० आ०/एक्वीजीशन-II/  
एस० आर०-II/11/80/3955—चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि व्यापार सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है

और जिसकी सं० किला नं० 23/7/1 (0-16) और 23/6  
(2-8) गांव होलम्बी खुर्द दिल्ली में स्थित है), (जिसका अधिक  
विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण  
अधिकारी दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर 1980  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए घण्टारित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और घन्टरक (घन्टरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्टरक के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त घन्टरक सिद्धित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) घन्टरक से हुई किसी आय की वास्तव उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के घन्टरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रति:—

1. श्री हरी सिंह बेटा श्री नेकी निवासी, सराय पीपल बसा,  
दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्रीमति विभा जैन पत्नी श्री राजिन्द्र जैन निवासी  
1 शंकराचार्य मार्ग सिविल लाइन्स दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त व्यापार सम्पत्ति में त्रुटिग्रह  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, यद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

किला नं० 23/7/1 (0-16) और 23/6 (2-8)  
गांव होलम्बी खुर्द, दिल्ली ।

विमल वशिष्ठ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त,  
अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

दिनांक : 15-7-1981  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 8 जुलाई 1981

निर्देश सं० नि० सं० आ० आ०/एक्वीजीशन-II/एस० आर०-

I/11-80/7121—चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी 50 बाली नगर नई दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित ।

कार्यालय में दिनांक नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमति गुरमीत गुलाटी पत्नी एन० एस० गुलाटी निवासी, 8/30, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्रीमति जोगिन्दर कौर पत्नी श्री अवतार सिंह आनन्द निवासी 17/54, तिलक नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

एक मन्जिल मकान जो कि प्लॉट नं० जी 50 बाली नगर में है जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है ।

विमल वशिष्ठ  
सक्षम प्राधिकारी,  
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त,  
अर्जन रेंज II, नई दिल्ली ।

दिनांक : 8-7-1981

मोहर :

प्रकृष्ट भाग: टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश सं० संवर्ध 3 नि० सं० आ० आ०/एक्वीजिशन-II/  
एस० आर०-II/11-80/3956—चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी संख्या 23/15/1 है और 24/11/1 (2-00)  
गांव होलम्बी खुर्द दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक  
विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया को पंजीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण  
अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर  
1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाधक उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :-

7-176GI/81

1. श्री हरी सिंह बेटा नेकी निवासी सराय पीपल थला,  
दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमति रीना जैन पत्नी श्री सुधीर जैन 4-अण्डर हिल  
सिविल लाइन्स, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

किला नं० 23/15/1 मिन (0-17) और 24/11/1  
(2-00) गांव होलम्बी खुर्द दिल्ली।

विमल वशिष्ठ

सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

दिनांक : 15-7-1981

मोहर :-

प्रकट आई० डी० एन० एस०—

भाषण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 15 जुलाई 1981

संदर्भ 3 नि० स० आ० आ०/एक्सीजिशन-II/एस० आर०-II/  
11-80/3952—चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० किला नं० 23/6 व 24/10 गांव होलम्बी  
खुर्द दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण  
संलग्न अनुसूची में दिया गया है (को पंजीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी  
के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार  
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. श्री हरी सिंह बेटा श्री नेकी निवासी गांव सराय पीपल  
थला, दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री राहुल जैन (माइनर) बेटा श्री सुधीर जैन 4-अण्डर  
हिल रोड सिविल लाइन्स, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

किला नं० 23/6, मिन (2-8) और 24/10 (4-16)  
गांव होलम्बी खुर्द, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ  
सक्षम प्राधिकारी  
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त,  
अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

दिनांक : 15-7-1981  
मोहर :

प्रारूप आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश सं० नि० सं० आ० आ०/एक्वीजीशन-II/एस०

आर०-II/11-80/3973—यतः, मैं विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० किला नं० 23/14/21(3-00) है एवं जो गांव होलम्बी खुर्द, दिल्ली में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावद, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

1. श्री राम मेहर और मेहर चन्द सुपुत्र पोप सिंह,  
सराय पीपल थला, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. कुमारी कविता गुप्ता सुपुत्री श्री धिरेन्द्रा कुमार गुप्ता;  
पता: 1, शंकराचार्य मार्ग, सिविल लाइन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में छिपे हुए किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास भिजित किए जा सकेंगे।

स्वीकृति:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

किला नं० 23/14/2 (3-00) जो गांव होलम्बी खुर्द,  
दिल्ली में स्थित है।

विमल वशिष्ठ

सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त,

अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

दिनांक : 15-7-1981

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश सं० 3 नि० सं० आ० आ०/एक्वीजीशन-II/एस०  
आर०-II/11-80/3960—यतः, मुझे, विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या 39/1, 2, 3, है एवं जो गांव मटियाला, दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है, को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कींथत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्री टेरिस सिंह बेटा श्री कुरे, निवासी गांव सिहोला, दिल्ली (अन्तरक)
2. श्री मिलाप चन्द जैन बेटा जैत मल जैन श्री अशोक जैन और नागिमन जैन बेटा मिलाप चन्द जैन, निवासी 153-डी कमला नगर, दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि 11 बीघा व 17 बिसवास, खसरा नं० 39/1, 2, 3, गांव मटियाला

विमल वशिष्ठ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II नई दिल्ली

दिनांक : 15-7-1981  
मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 जुलाई 1981

सं० नि० स० आ० आ०/एक्सीजीशन 3-II/एस० आर०-II  
/11—80/3983—चूँकि मैं विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सज्जम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से  
अधिक है

और जिसकी संख्या क्वार्टर नं० 15-बी है एवं जो ब्लॉक नं०  
24 तिलक नगर, नई दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक  
विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है, को पंजी-  
करण अधिकारी के नई देहली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर  
1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप में अधिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्त्य में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमति जोगिन्दर कौर पत्नी श्री कुलदीप सिंह निवासी  
24/15 बी, तिलक नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमति जोगिन्द्र कुमारी निवासी 2/17, तिलक नगर,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 15-बी ब्लॉक नं० 24 तिलक नगर, नई  
देहली।

विमल वशिष्ठ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त,  
अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

दिनांक : 10-7-1981

सील :

## प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 जुलाई 1981

निर्देश सं० संदर्भ 3 नि० सं० आ० आ०/एक्सीजीशन-II/  
एस० आर०-II/11-80/3929—चूंकि मैं विमल वशिष्ठ  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो गांव होलम्बी कलां  
में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण अनुसूची  
में दिया गया है, को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई देहली  
स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत, अधिनिः—

1. श्रीमती धणो पत्नी स्वर्गीय मीर सिंह निवासी 61  
सराय पिपल थाला, देहली।

(अन्तरक)

- 2. श्री इठव्रजीत बजाज बलदेव राज बजाज सुभाष चन्द्र  
बजाज और राजीन्द्र कुमार सुपुत्र श्री अमर नाथ  
द्वारा जैय हिन्द टिम्बर स्टोर 6926/137 जैयपुरीया  
मील क्लोक टावर सड़की मन्डी दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

9 विधा 12 बिसवा खसरा नं० 53/16, 23, 24 और  
25 गांव होलम्बी कलां देहली।

विमल वशिष्ठ  
सक्षम प्राधिकारी,  
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त  
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

दिनांक 14-7-1981

सील :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 8 जुलाई 1981

सं० 3नि० सं० आ आ०/एम्पीजीशन—/एस०

आर०-I/11—80/7106—चूंकि मैं विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या जी 29 बाली नगर नई दिल्ली  
में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण अनुसूची में  
दिया गया है, को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्या-  
लय में दिनांक नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरणा लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

1. श्री रिशी राज बेटा श्री ज्वाला सहाय निवासी  
7-ए/9 डबल्यू० ई० ए० करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री जगन नाथ अरोरा बेटा श्री तारा चन्द निवासी  
31/6, पंजाबी बाग ऐक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

प्लॉट नं जी/29, जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग गज बाली  
नगर में स्थित है।

विमल वशिष्ठ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त,  
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

दिनांक : 8-7-1981

सील :

प्रख्य आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 जुलाई 1981

संदर्भ 3 नि० स० आ० आ०/एक्वीजीशन-II/

/एस० आर०-IV/11-80/3922—चूंकि मैं विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो गांव होलम्बी खुरद (कलान) दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण अनुसूची में दिया गया है, को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ख, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्री गागे राम बेटा महा सिंह (2) करतार सिंह (3) चन्द्र भान और पं० मोहिन्द्र सिंह बेटे श्री मीर सिंह निवासी 61, सराय पीपल थला, दिल्ली ।  
(अन्तरक)

2. श्री इन्द्रजीत बजाज बलदेव राज बजाज सुभाष चन्द्र बजाज और राजनन्दिर कुमार बजाज बेटे अमर नाथ बजाज द्वारा मैसर्स जय हिन्द टम्बर स्टोर, 6926/157 जय पुरिया मिल्स कालोनी टावर सब्जी मण्डी, दिल्ली ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि 20 बीघाज और 7 बिसवास, खसरा नं० 54/21/2, 22, 57/1, गांव होलम्बी कलान, दिल्ली ।

विमल वशिष्ठ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त,  
अर्जन रेंज-II नई दिल्ली

दिनांक : 14-7-1981

सील :

## प्रकृप आई०डी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 जुलाई 1981

संदर्भ 3 नि० म० आ० आ०/एक्वीजीशन-II/  
एम आर०-II/11-80/3991—चूंकि मैं विमल वशिष्ठ  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु.  
से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 30 है एवं जो नार्थ एवेन्यू  
रोड, पंजाबी बाग, दिल्ली में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत  
विवरण अनसूची में दिया गया है) जो पंजीकरण अधि-  
नियम 1908 (1908 का 16वां) अधीन पंजीकरण  
अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए०से दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से अभित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ए०सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

8—176GI/81

1. गुरुवचन सिंह पुत्र श्री लाभ सिंह, एल०-  
202, कीर्तीनगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री दीपक अरोरा पुत्र श्री के० एल० अरोरा, श्रीमति  
कैलाश अरोरा पत्नी श्री के० एल० अरोरा दोनों का  
निवास स्थान 23/13, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 30 नार्थ एवेन्यू रोड, पंजाबी बाग, दिल्ली।  
एमजी० 557.41 स्केवेयर फीट

विमल वशिष्ठ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त,  
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

दिनांक : 10-7-1981

सील :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002 दिनांक 8 जुलाई 1981

निर्देश सं० संदर्भ 3 नि० स आ० आ०/एक्वीजीशन-II/  
एस० आर०-I/11-80/7107—चूंकि मैं विमल वशिष्ठ  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 242, है एवं जो आजादपुर, आबादी कंवल  
पार्क दिल्ली में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत विवरण  
संलग्न अनुसूची में दिया गया है, को पंजीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी  
के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक तबम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्री तेजराम बन्सल बेटा श्री लाल जी गुप्ता बन्सल  
निवासी 242, कंवल पार्क, दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री शाम लाल बन्सल बेटा श्री राम वित्त मल बन्सल  
रूफ-14/22, माडल टाउन, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है ।

अनुसूची

प्रोपर्टी नं० 242 क्षेत्रफल 200 वर्ग गज मसूदाबाद,  
आजादपुर आबादी कंवल पार्क दिल्ली ।

विमल वशिष्ठ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त,  
अर्जन रेंज-II नई दिल्ली,

दिनांक 8-7-1981

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002 दिनांक 10 जुलाई 1981

निर्देश सं० 3 नि० सं० आ० आ०/एकजीवीशन /II/  
एस० आर०-II/11-80/4006—चूंकि मैं विमल वशिष्ठ,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिम इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि सहायक सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

औ जिसकी संख्या प्लॉट नं० 32 ब्लाक सी है एवं जो रानी  
बाग, नई दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण  
संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के  
दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और  
अन्तरिती (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
वास्तविक रूप से अभिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दिनेश चन्द्र शर्मा पुत्र श्री पी० के० शर्मा, निवास  
स्थान 2141, रानी बाग, शकुरबस्ती, दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री अशोक कुमार दुआ और श्री प्रेम कुमार दुआ  
पुत्र श्री राम लुभाया निवास स्थान, 41, आर्यनगर  
रोहतक।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उत्तमस्थानी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद संसमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त सहायक सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/1/2 मजल मकान प्लॉट नं० 32 ब्लाक सी रानी  
बाग देहली क्षेत्रफल 148 वर्ग गज।

विमल वशिष्ठ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त,  
अर्जन रेंज-II नई दिल्ली

दिनांक 10-7-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002 दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश सं० सदर्थ नि० स आ० आ०/एक्वीजीशन-

एस० आर०-II/11-80/3949—चूंकि मैं विमल वशिष्ठ,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या किला 24/10 (4-12) गांव होलम्बी  
खुरद दिल्ली में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत विवरण  
सलग्न अनुसूची में दिया गया है, जो पंजीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के  
दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमति माया देवी पति श्री हरी सिंह (बेटे श्री  
राम) निवासी ग्राम पीपल थला दिल्ली  
(अन्तरक)

2. श्री सुन्दर जैन बेटा श्री शाम बिहारी लाल, 4, अण्डर  
हिल रोड सिविल लाईन्स दिल्ली  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय  
में दिया गया है ।

अनुसूची

किला 24/20 (4-12) गांव होलम्बी खुरद दिल्ली ।

विमल वशिष्ठ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त,  
अर्जन रेंज-II नई दिल्ली

दिनांक 15 जुलाई 1981  
मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश सं० संदर्भ 3 नि० सं० ग्रा० ग्रा०/एक्सीजीशन-II/एस०

ग्रा०-II/11-80/3950--जैक में विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या किला नं० 29/1(4-14) और 24/21 (4-16) गांव छोलम्बी खुरद दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली कार्यालय में दिनांक नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्रीमति माया देवी बेटी श्री ज्ञानी राम पत्नी श्री हरी सिंह, निवासी सराय पीपल थला, दिल्ली  
(अन्तरक)
2. श्रीमति ऊषा रानी जैन पत्नी श्री शाम बिहारी लाल अण्डर हिल रोड, दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

किला नं० 29/1 (4-14) और 24/21(4-16)  
गांव छोलम्बी खुरद, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ,  
सक्षम प्राधिकारी;  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

दिनांक : 15-7-1981  
मोहर :

प्रमुख आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश सं० संदर्भ 3 नि० सं० आ० आ०/एक्जीजीशन-II/

एस० आर-II/11-80/3900—यतः मैं विमल वशिष्ठ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एल०-28 है जो राम लाल ब्लाक, गंगा राम वटोला, चाखण्डी, दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली के कार्यालय में दिनांक नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्करण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री रमेश चन्द्र चानना उर्फ रमेश चन्द्र बेटा श्री बंशी राम चानना, निवासी आर० एल०-28, गंगा राम वाटिका, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. सरदार कुलदीप सिंह खुराना बेटा सरदार मोहन सिंह खुराना, निवासी आर० एल० 28, गंगा राम वाटिका, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० आर० एल०-28, जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग-गज है राम लाल ब्लाक, गंगा राम वाटिका चौखण्डी में स्थित है।

विमल वशिष्ठ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण  
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

दिनांक : 15-7-1981

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन०एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश सं० संदर्भ 3 नि० सं० आ० आ०/एक्वीजीशन-II/  
एस० आर०-II/11-80/4025—चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है

और जिसकी संख्या 51/1, (2-1), 2(4-12) है एवं  
जो गांव होलम्बी खुरद दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक  
विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजी-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन  
पंजीकरण अधिकारी के दिम्नी स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर  
1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
गन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरितो (अन्तरनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की वादा, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

- 1 श्री चरण सिंह निवासी गांव होलम्बी खुरद, दिल्ली ।  
(अन्तरक)
- 2 श्रीमति खजानी निवासी होलम्बी खुरद, दिल्ली  
(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अनुच्छेद 20क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अनुच्छेद में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि 6 बीगाज और 3 बिसवा गांव होलम्बी खुरद  
दिल्ली ।

विमल वशिष्ठ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण  
अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक 15-7-1981  
मोहर :

प्रकृष माई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002 दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश सं० संदर्भ 3 नि० सं० आ० आ०/एक्वीजिशन-II/  
एस० आर०-II/11-80/3914—चूंकि मैं विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या ई-1 है एवं जो भगवान दास नगर गांव शकूरपुर, दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकर अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति कमला रानी उर्फ कमला खन्ना पत्नी श्री शाम सुन्दर खन्ना निवासी 21/42, शान्ति नगर, दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री श्रोम प्रकाश तनेजा बेटा भोला राम, निवासी 4/38, डब्ल्यू० ई ए० करोल बाग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घोषणा—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसू 1

प्लॉट नं० ई-1, जिसका क्षेत्रफल 243 वर्ग गज है ; भगवान दास नगर, गांव शकूर पुर, में स्थित है।

विमल वशिष्ठ  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण  
अर्जुन रेंज II, नई दिल्ली

दिनांक : 15-7-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002 दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश सं० संदर्भ 3 नि० सं० आ० आ०/एक्वीजीशन-

II/एस० आर० II/11-80/3951—चूँकि मैं विमल वशिष्ठ  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या किला नं० 29/10 व 29/11 है एवं  
जो गांव होलम्बी खुरद दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक  
विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजी-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन  
पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर  
1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
आने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाजार उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमो करने या यममं बनने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाया जाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

9—176GI/81

1. श्रीमति माया देवी बेटी श्री शानी राम पत्नी श्री  
सिंह, निवासी सराय पीपल कला, दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री एस० बी० लाल बेटा श्री जनेन्द्र प्रसाद 4-  
अण्डर हिल रोड, सिविल लाइन्स, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

किला नं० 29/10 (4-16) 29/11 (4-00) गांव  
होलम्बी खुरद दिल्ली।

विमल वशिष्ठ,  
सक्षम प्राधिकारी;  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II नई दिल्ली

दिनांक 15-7-1981

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002 दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश सं० संदर्भ 3 नि० सं० आ० आ०/एक्वीजीशन-II/  
एस० आर०-II/11-80/3953—चूंकि मैं विमल वशिष्ठ  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 23/5 मीन (2-8) 24/1 (4-14)  
है एवं जो गांव होलम्बी खुरद देहली में स्थित है, (जिसका  
अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है को  
पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन  
पंजीकर अधिकारी के नई देहली स्थित कार्यालय में दिनांक  
नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सूक्ष्मता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नीलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्री हरी सिंह सुपुत्र श्री नेकी निवासी गांव सराय  
पिपल थाला दिल्ली

(अन्तरक)

2. कुमारी माधवी जैन (नाबालक) सुपुत्री श्री सुधीर  
जैन 4 अंडर हील रोड सिविल लाईन्स देहली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

किला नं० 23/5 मीन (2-8); 6/25 मीन (0-6)  
24/1 (4-14) और 5/21 (0-3) गांव होलम्बी खर्द  
देहली।

विमल वशिष्ठ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II नई दिल्ली

दिनांक : 15-7-1981

मोहर :

प्रकृष्ट आर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
269-ब(1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002 दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश सं० संदर्भ 3 नि० सं० आ० आ०/एक्सीजीशन-II/  
एस० आर०-II/11-80/3949-चूकि मैं विमल वशिष्ठ  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके  
परचाट 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी संख्या 23/15/2 है एवं जो गांव होलम्बी खुरद,  
दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न  
अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के  
दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने  
में सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों परचाट :—

1. श्रीमति माया देवी बेदी श्री जानी राम पत्नी श्री  
हरी सिंह, निवासी पीपल थला दिल्ली।

(अन्तरिती)

(2) श्रीमती रीडा जैन पत्नी श्री सुधीर जैन 4-इच  
हिल रोड, सिविल लाइन्स, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेन।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 क में यथापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

किला नं० 23/15/2, गांव होलम्बी खुरद दिल्ली

विमल वशिष्ठ,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

दिनांक : 15-7-1981  
मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002 दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश सं० 3 नि० सं० आ० आ०/एक्वीजीशन-II/आर० एन०-11-80/3931—चूंकि मैं विमल वशिष्ठ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर दुकान नं० 35 है एवं जो गांव नारायणा नई दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बर्तने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री अमर सिंह बेटा श्री नारायण सिंह, वासी ई-सी-32, इन्द्रपुरी कालोनी, दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री हर राज सिंह बेटा श्री भागला सिंह निवासी ।

आर० ए० 95 इन्द्रपुरी नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्तुकी

प्लेट नं० आर दुकान नं० 201/1/2, वर्ग गज खसरा नं० 1608, 1651, गांव नारायणा, दिल्ली ।

विमल वशिष्ठ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II नई दिल्ली

दिनांक 15-7-1981

मोहरः



प्राख्य आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002 दिनांक 14 जुलाई 1981

निर्देश सं० 3 नि० स आ० आ०/एक्वीजीशन-II/एस०  
आर०-II/11-80/3921—चूँकि मैं विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो गांव होलम्बी  
कलान दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण  
संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी  
के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्री जागेराम बेटा महा सिंह (2) करतार सिंह (3)  
चन्द्र भान (4) मोहिन्द्रा सिंह बटा श्री मीर सिंह निवासी  
61, सराय पीपल थला, दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री ओम प्रकाश भसीन तिलक राज भसीन और  
निवासी सी-1/3 डी माडल टाउन, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि 21 बीघा व 9 बिसवा खसरा नं० 54/23, 24,  
25, 55/21, 22, 23, भूमि 57/4/2 गांव होलम्बी कलान  
दिल्ली।

विमल वशिष्ठ,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

दिनांक 14-7-1981  
मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002 दिनांक 8 जुलाई 1981

निर्देश सं० संदर्भ 3 नि० सं० आ० आ०/एक्वीजीशन II/  
एस० आर०-1/नव० 80/7149—चूंकि मैं विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 19, ब्लॉक ए-2, है एवं जो  
माडल टाऊन, दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत  
विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधि-  
नियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण  
अधिकारी के नव० दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर  
1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1),  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :-

1. कुमारी प्रेम पसरिचा पुत्री स्व० श्री शुशी लाल  
पसरिचा निवास स्थान ए-2/19, माडल टाउन,  
दिल्ली ।

(अन्तरिती)

2. श्रीमति किरन सहानी 2 अनील सहानी एण्ड अदरस  
पुत्र श्री एम० एल० सहानी निवास स्थान 76,  
टगोर पार्क दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अभिसूची

2-1/2 मंजिला मकान प्लॉट नं० 19 ए ब्लॉक नं०  
ए-2 माडल टाउन देहली क्षेत्रफल 449.37 वर्ग गज ।

विमल वशिष्ठ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

दिनांक : 8-7-1981

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महारन आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002 दिनांक 8 जुलाई 1981

निर्देश सं० संदर्भ 3 नि० स आ० आ०/एक्वीजीशन / एस० आर० -1/नव० 80/7195—चूंकि मैं विसल वशिष्ठ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० आई/142, है एवं जो कीर्ति नगर, नई दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसूचन में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री मनोहर लाल पुत्र श्री गनपतमल निवास स्थान आई/142, कीर्ति नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

1. श्रीमति अनाम्मा अलेस पत्नी ए० एम० एलेस नंदर एण्ड अघूरस निवास स्थान चलाकुजुहीयल कानपालम पी० अ० केरला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन एवं कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समस्त व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हित रख किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रचोदनाशरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संशुद्धि—उपरोक्त प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आई मंजिला मकान प्लॉट नं० आई/42 कीर्ति नगर नई दिल्ली क्षेत्रफल 200 वर्ग गज।

विसल वशिष्ठ,  
सक्षम अधिकारी,  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

दिनांक 8-7-1981

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० इत०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002 दिनांक 9 जुलाई 1981

निर्देश सं० संदर्भ 3 नि० सं० आ०/एकवीजीशन/II/एस० आर० I/नवम्बर 80/7136—चूँकि मैं विमल वशिष्ठ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रतीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास रूरा का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए में अधिक है और जिसकी संख्या 2 ए है एवं जो मेटकालफ रोड, शंकर आचार्य मार्ग, दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छद्म में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में समी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अध्यातः :—

1. श्रीमति सुधा घोषडा अलीस सु० शकुंतला देवी पत्नी श्री ए० सी० ओपडा निवासस्थान 2 ए, मोतकालफ रोड, दिल्ली,।

(अन्तरक)

2. श्री अजीत कुमार सूद पुत्र स्व० अमर नाथ सूद और अदरस निवाले स्थान 45, लाख राम रोड, दरिया-गंज, नई दिल्ली।

(अन्तरति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान नं० 2 ए मेटकालफ रोड जिसे आज कल शंकराचार्य मार्ग से जाना जाता है देहली।

विमल वशिष्ठ,  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

दिनांक : 9-7-1981

मोहर :

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002 दिनांक 17 जुलाई 1981

निर्देश सं० 3 नि० सं० आ० आ०/एक्वीजीशन-II/  
एस० आर०-II/11-80/3958—चूंकि मैं विमल वशिष्ठ  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 5 बीघा 8 बिसवा है एवं जो 5 बिघा  
नजफगढ़ देहली में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत विवरण  
संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 26वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी  
के नई देहली स्थित कार्यालय से दिनांक नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसारण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

10-176GI/81

1. श्री राबल चन्द सुपुत्र श्री काका शाह 38/53  
रामजस रोड करोल बाग नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री शुशील कुमार सुपुत्र श्री जी० जी० वैद्य सी०  
182 हरी नगर देहली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

5 बीघा 8 बीस्वा कृषि जमीन गांव नजफगढ़ देहली।

विमल वशिष्ठ  
सक्षम प्राधिकारी,  
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त,  
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

दिनांक 17-7-1981

मोहर :-

प्ररूप आई. टी. एन. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002 दिनांक 17 जुलाई 1981

निर्देश सं० संदर्भ 3 नि० सं० आर०-II/एक्सीजीशन-II/  
एस० आर०- /11-80/3957—चूंकि मैं विमल विशिष्ट  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान नं० 114 है एवं जो गांव रोशन  
पुरा नजफगढ़ देहली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत  
विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधि-  
नियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण  
अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर  
1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मुन्शी राम सुपुत्र श्री भज राम निवासी गांव  
भेटेला कलां देहली

(अन्तरक)

2. श्री रघुवीर सिंह सिंगल सुपुत्र श्री हरी राम निवासी  
पंजाब नेशनल बैंक ओवर सिस बैंक कनाट सरकल  
देहली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 114 गांव रोशन पुरा नजफगढ़ देहली ।

विमल विशिष्ट,  
सक्षम प्राधिकारी,  
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त,  
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

दिनांक 17-7-1981

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002 दिनांक 8 जुलाई 1981

निर्देश सं० 3 नि सं० आ० आ०/एक्सीजीशन 02/

एस० आर०ब1/नवम्बर 80/7112—चूँकि मैं विमल वशिष्ठ  
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी संख्या एम० पी० एल० 1690 सुन्दरभवन है  
एवं जो गली जोगधिन, चांदनी चौक, दिल्ली में स्थित है,  
जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया  
गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां)  
के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में  
दिनांक नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
लचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
वृत्त्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाला जा रहा था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

1. श्री शशि कुमार पुत्र स्व० श्री छान्नुमल निवास स्थान  
2565, गली नीम वाली, किनारी बाजार, दिल्ली  
(अन्तरक)

2. (1) श्री सत्या पाल बन्सल पुत्र श्री जगदीश राम (2)  
श्रीमति सावत्री बन्सल पत्नी श्री सत्या पाल बन्सल  
निवास स्थान बी/15, ग्रेटर कैलाश, न दिल्ली  
(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीन मंजिला पक्का मकान नं० 1690 सुन्दर भवन गली  
जोगधियान चान्दनी चौक देहली।

विमल वशिष्ठ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त,  
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक 8-7-1981  
मोहर :

प्ररूप धार्मि० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 4 जुलाई 1981

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1134/एक्सी० 23-II/81-

82—अतः मुझे पी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 83/2, 83/3 और 83/4 जमीन  
है तथा जो बोलाव, ब्रोच से स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची से और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय ब्रोच में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 26-11-1981

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
ब्रोच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उनसे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में;  
यै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हाजी असमाल आदम, कुसमुक्तपार।

(1) श्री इब्राहीम असमाल आदम।

(2) श्री अमी असमाल आदम।

(3) श्री सुलेमान असमाल आदम।

(4) मसुफ असमाल आदम।

कुसाक पाडी। ब्रोच।

(अन्तरक)

2. बिखुभाई चुणिलाल सुराती 1, मेगदूध लान। कोप्रेषनड  
का भागीदार। पहला मजला 1 पनचशील बानक।  
राणी तलाब 1, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो एस० नं० 83/2, 83/3 और 83/4 बोलम  
गांव में स्थित है। जो तारीख 26-11-1980 रजिस्ट्रीज  
कि गयी है।

जी० सी० गर्ग,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

तारीख : 487-1981

मोहर :



प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 6 जुलाई 1981

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1136/एफवी०/23-II/

81-82—प्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० बी० टिका नं० 2/3, एस० नं० 236  
है तथा जो राधा कृष्ण पोल नं० 1, राजमहल रोड, बरोडा में  
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरोडा में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन 12-11-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कल्पित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती चम्पाबेन भानन्दलाल शाह,  
(2) श्रीमती मीलाबेन भानन्दलाल शाह,  
'नामबालें', राधाकृष्ण पोल नं० 1, राजमहल रोड  
बरोडा ।

(अन्तरक)

2. (1) श्री शान्ती लाल सोमालाल पन्नाल  
(2) श्री कनैयालाल सोमालाल पन्नाल सोणी चकला,  
पारबडी पास जामबुसार ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

तीन मजिलावाल मकान, जो नामबालें, राधाकृष्ण पोल नं० 1,  
बी० टिका नं० 2/3 एस० नं० 236, राजमहल रोड में स्थित है ।  
जो विक्री खाता नं० 6143 पर बरोडा सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में  
तारीख 12-11-1980 में रजिस्ट्री की गयी है ।

जी० सी० गर्ग,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख 6-7-1981

सोहर :

## प्रकरण आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 जुलाई 1981

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1136/एन्वी०/23-II/81-

82—प्रतः सुश्री, जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० नं० 106/1/1(भाग) है तथा जो जेतलपुर सिम, बेरोडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेरोडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और सुश्री यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये नव पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा के लिए

1. (1) श्री विमनभाई नारायण भाई पटेल,  
(2) श्रीमति शालताबेन नारायण भाई पटेल,  
(3) श्रीमति रामनभाई नारायण भाई पटेल,  
35, अरुणेदय सोसियटी, अलकापुरी, बेरोडा ।  
(अन्तरक)
2. मैसर्स सागर असोसीयेट्स, रतनदीप भवन 1,  
नानपुरा, सूरत ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिववद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

खुल्ला जमीन जो जेतलपुर सिम सर्वे नं० 106/1/1 (भाग) जिसका माप 9406 वर्ग गज में न्यु इंडिया मिल्स के पास, जेमलपुर विस्तार में बेरोडा सीढ़ी में साथ है । जो बिक्री खाता रजिस्ट्रीकरण नं० 6270 पर बेरोडा सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में नवम्बर 1980 में रजिस्ट्री की गयी है ।

जी० सी० गर्ग,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 4-7-1981  
मोहर :

प्रकृषु भाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जुलाई 1981

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1137/एकवी०-23-II/  
81-82-अतः मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 203 है तथा जो प्रताप  
नगर, बेरोडा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-  
लय, बेरोडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन 18-11-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. पार्वती कर्मशियल एस्टेट,  
अपसरा सिनिमा के सामने,  
प्रताप नगर, बेरोडा।

(अन्तरक)

2. श्री बानुबाई अबुबेकर और अमिनाबाई ए० गफूर।,  
15/17, मसजिद क्रोपस लियिन,  
(दूसरा मंजिला) बम्बई-3

(अन्तरिती)

3. ब्रिटिश पेयिनस (प्राईवेट) लिमिटेड, पार्वती कर्मशि-  
यल चेम्बर, प्रताप नगर, बेरोडा।  
(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

गोठेंण जो पार्वती कर्मशियल चेम्बर का बेसमेन्ट में  
जिसका आर० एस० नं० 203 में स्थित है। जो बिक्री खाता  
नं० संपूर्ण वर्णन पर रजिस्ट्रेशन नं० 6378 बेरोडा सब रजिस्ट्रार  
के कार्यालय में तारीख 18-11-1980 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी० सी० गर्ग,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

तारीख : 7-7-1981

मोहर :

प्ररूप भाई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 जुलाई 1981

निर्देश सं० पी०आर० नं० 1381/एक्वी०/23-II/81-82—

अतः मुझे, जी० सी० गर्ग,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एस०नं० 170 है तथा जो ड्राइव-इन-रोड के  
पास, वस्त्रापुर, जिला अहमदाबाद में स्थित है (और इससे 'उपा-  
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नीलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

1. श्री पूनमचन्द गोकमदास शाह, 22, मच्छाकुम्भ सोलायडी,  
रामनगर, साबरमति, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

2. जयोलामानी को-भाप०, हाऊसिंग सोलायडी के द्वारा  
श्रीमति ज्योतिका रामानलाल शाह, 31, अयनिका  
पार्क, खानपुर, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

जमीन जो जिसका माप 5808 (1/2 का 11616 वर्ग  
गज, पेकी) जो एस० नं० 170 पर वस्त्रापुर, ड्राइव-इन  
थियेटर के पास अहमदाबाद जिला में स्थित है । जो बिक्री  
खत नं० 14541/तारीख 26-11-80 में अर्थात् वर्णित पर  
रजिस्ट्री की गयी है ।

जी० सी० गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 4-7-1981

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 जुलाई 1981

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1380/एक्वी०-I/81-82—

अतः मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 144/1 व 144/2, मोजे, दरियापुर काजीपुर, एफ० पी० 112/2 टि० पी० एस० 8 है तथा जो शाहीबाग अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-11-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वार्षिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—  
11-176GI/811. मीहीर टैक्सटाइल लिमिटेड  
के द्वारा : (1) श्री एल० डी० वासा, निदेशक;  
(2) श्री जगदीश चन्द्रा एम० पटेल;

अधिकृत व्यक्ति,

खोक्रा-मेहमदाबाद, अहमदाबाद-380008 ।

(अन्तरक)

2. मफतलाल इन्डस्ट्रीज लिमिटेड,  
के द्वारा : श्री बी० के० जोशी, सचिव;  
असर्वा रोड, अहमदाबाद-380016 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अभ्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

प्रत्युची

मकान जो जमीन पर जिसका माप 4598 वर्ग मीटर और 771.7 वर्गमीटर में सर्वे नं० 144/1 और 144/2, एफ० पी० नं० 11 व 12, टी० पी० एस० 8 में शाहीबाग, अहमदाबाद में स्थित है, जो अहमदाबाद रजिस्ट्रार के कार्यालय में विक्रीखत नं० 15092/24-11-80 पर अर्थात् संपूर्ण वर्णित में रजिस्ट्री की गयी है ।

पी० सी० गर्ग,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 4-7-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज- , अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 जुलाई 1981

सं० पी० आर० नं० 1138/एक्वी० 23-II/81-82—

अतः मझे जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 90, पी० नं० 29, टी० पी० एस० 9, है तथा जो माजरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 14-11-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से है कि किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्रीमति चम्बल बेन, रतीलाल मोतीलाल का विधवा,  
गुड्डमानडी, मोती रोरी, सूरत ।

(अन्तरक)

2. श्री लक्ष्मणभाई भगवानदास वातीयापी, काजी मदान,  
कानकु मानषण, 1/3149-बी, गोपीपुरा, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन जो एस० नं० 90, पी० नं० 29, बी. पी० एस० 9, माजुन यथाविधि, तारीख 14-11-1980 से रजिस्ट्री की गयी है ।

जी० सी० गर्ग,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

तारीख : 10-7-1981  
मोहर :

प्रकृष भाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 10 जुलाई 1981

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1139/एक्वी०/23-II/

81-82—अतः मुझे जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

अनर जिसकी सं० नोंद नं० 2029, बार्ड नं० 6, है तथा जो भोजाभाई शेरी, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-11-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री मोहनलाल गोविन्दजी, श्रीमति सुशीलाबेन, मोहनलाल गोविन्दजी का पति, माहीधरपुरा भोजाभाई शेरी, सूरत और श्री नरोत्तमभाई भीम भाई देसाई, अपर लिखा हुआ व्यक्तियों को कुलमुक्तयार, बेगमपुरा, दुधारा और-सूरत । (अन्तरक)

2. श्रीमति हुनेसाबेन उर्फ अनसुया किशोरचन्द्रा पटेल, माहीधरपुरा, शोभा शेरी, सूरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मिलकत जो बार्ड नं० 6, नोंद नं० 2029, भोजाभाई शेरी, सूरत येथाविधि तारीख 1-11-1980 रजिस्ट्री की गयी है ।

जी० सी० गर्ग;

सक्षम प्राधिकारी;

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

अर्जन रेंज- , ग्रहमदाबाद

तारीख : 10-7-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 8 जुलाई 1981

निदेश सं० पी० आर० नं० 1140/एकवी०-23-II/81-82-अतः  
मुझे, जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नोंद नं० 345-बी है तथा जो कोला देसाई  
खड्की, कातारगाय चरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 4-11-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

1. श्री जाधवजी नागरदास मिसतरी, 17-चाला लाता,  
किला देसाई खड्की कातरगम, सूरत।

(अन्तरक)

2. श्रीमति ललिताबेन गोविन्दभाई पटेल, लालदरवाजा,  
गुडी शेरी, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो कीला देसाई खड्की, कातारगम, सूरत नोंद  
नं० 345-बी यथावीधी तारीख 4-11-1980 में रजिस्ट्री की  
गयी है।

जी० सी० गर्ग,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II अहमदाबाद,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

तारीख : 8-7-1981  
मोहर :



प्रारूप आई. टी. एन. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 जुलाई 1981

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1141 ए०वी/23-II/81-82—

अतः मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 3430-बी, वार्ड नं० 4, है तथा जो नानपुरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. शेख अफर भाई, शेख कामबेरभाई मोयापाडी, जमपा बाजार, वेवडी, सूरत।
- (2) शेख शबीरहुसैन मुल्ला, ईसमाइल जाकी, जमपा बाजार, सूरत

(अन्तरक)

2. (1) मोइजभाई तायबभाई नातालवाला, वकोला ब्रिज, सान्ताकुज, बाम्बे।
- (2) जेतूनभाई, तयाबभाई अलिभाई नातालवाला की पुत्री, नुरयुरा, जमपा बाजार, सूरत।
- (3) फकिरभाई तायबभाई गासीया नुरयुरा, जमपा बाजार, सूरत।
- (4) रासीदा, तायबभाई हसनअली का पुत्री नुरयुरा जमपा बाजार, सूरत।
- (5) मरीया, तायबभाई हसनअली की पुत्री, नुरयुरा। जमपा बाजार, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जिसका नोड नं० 3430-बी० वार्ड नं० 4, नानपुरा, सूरत यथाविधि नवम्बर, 1980 में बिक्री खत नं० एस-3 पर रजिस्ट्री की गयी है।

जी० सी० गर्ग,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 8-7-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 जुलाई 1981

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1382/एफवी०-23-I/

81-82—अतः, मुझे, जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 683/2-3-4, धुदरेजा है तथा जो सुरेन्द्रनगर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंधवान सिटी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-11-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. शंकर प्रथमभाई मोतीभाई, धुदरेजा, सुरेन्द्रनगर जिला। (अन्तरक)
2. श्री नूरमोहमदी घर बानदानरी सहकारी मण्डली के द्वारा प्रमुख (1) नानूबेग खानबेग मिर्जा जुना बिजली घर के सामने, सुरेन्द्रनगर और सचिव; (2) सोकतखान अन्वरखान, महालक्ष्मी सिनेमा के पास, सुरेन्द्रनगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन जिसका माप 3 एकड़ 6 गुण्वा, आर० एस० नं० 683/2-3-4, धुदरेजा, जूना रेलवे स्टेशन के पास, सुरेन्द्रनगर में स्थित है। जो बिक्री खाता नं० 2259 तारीख 1-11-1980 संपूर्ण वर्णित में रजिस्ट्री की गयी है।

जी० सी० गर्ग  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक: 10-7-1981

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 जुलाई 1981

निर्देश सं० आर० नं० 1388/एक्वी०/23-आई/81-82-

अतः मुझे जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान साथ 10 भक्तिनगर सोसायटी है तथा  
जो भक्तिनगर सोसायटी, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 6-11-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का  
पण्डित प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसार  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 2—

1. श्री जी० पी० मेहता, 10, भक्तिनगर, सोसायटी, राज-  
कोट । (अन्तरक)

2. श्री बी० एच० देसाई, श्रीमति जयोदी बी० देसाई, 10,  
भक्तिनगर सोसायटी, राजकोट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

एक मकान जमीन पर जिसका माप 500 वर्ग गज में  
जो 10 भक्तिनगर सोसायटी, राजकोट में स्थित है । जो  
विक्रीखत नं० 2852 पर तारीख 6-11-1980 में संपूर्ण  
वर्णित में रजिस्ट्री की गयी है ।

जी० सी० गर्ग,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-I, अहमदाबाद,

तारीख 10-7-1981

मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री महेश धीरजलाल झावेरी ।

(अन्तरक)

2. श्री समर्थमल फूलचंद शेट ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II बंबई

बम्बई, दिनांक 22 जून 1981

निर्देश सं० एआर-II/3079-9/नवम्बर 80—अतः मुझे,  
संतोष दत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 369, 370 और 371 है  
तथा जो महिम डिवीजन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय बंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख 25-11-1980

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे अक्षेप में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलख सं० नं० बा०/480/72 बंबई  
उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 25-11-1980 को रजिस्टर्ड  
किया गया है ।

संतोष दत्ता  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, बम्बई,

तारीख : 22-6-1981  
मोहर :

प्रकट जाह. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज-I बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जुलाई 1981

निर्देश सं० ए० आर०-आर्डी/4490-5/80-81—प्रतः

मुझे, सुधाकर वर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 1487 (पार्ट) ग्राफ गिरगांव  
है तथा जो टाटा रोड नं० 1 और 2 निजर चर्नी रोड में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
13-11-1980 विलेख सं० बाम्ब० 1827/72

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती  
अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा:--

12-176GI/81

1. रघुनाथ पी० राधेलाल (2) श्रीजेंद्र रघुनाथ प्रसाद  
(3) राजेंद्र रघुनाथ प्रसाद (4) सुरेन्द्र रघुनाथ प्रसाद।  
(अन्तरक)

2. व० प्रसाद चेंबर्स प्रीमायसीस को-आप० सो० लि०।  
(अन्तरिती)

3. सोसायटी के सदस्य  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० बाम्ब० 1827/72 के अनुसार  
उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 13-11-80 को रजिस्टर्ड  
किया गया है।

सुधाकर वर्मा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जेन रेंज-I बम्बई

दिनांक: 4-7-1981

मोहर: ]

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जुलाई 1981

निर्देश सं० ए० आर०-आई/4491-6/81-82—अतः  
मुझे, सुधाकर वर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 1487 (पाटें) आफ गिरगांव  
डिवीजन है तथा जो टाटा रोड नं० 1 और 2 नियर चर्ची रोड  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
13-11-1980 विलेख सं० नं० बाम्ब 1980-1981/72

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीमत नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वृद्धि, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मृदुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृदुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब का, अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. मैसर्स स्टर्लिंग इन्वेस्टमेंट कारपोरेशन प्रा० लिमिटेड।  
(अन्तरक)
2. द प्रसाद चेंबर प्रिन्सिपलिस को-आप० सोसायटी लिमिटेड,  
(अन्तरिती)
3. सोसायटी के सदस्य।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृद्धि निसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष के माध्यम से  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० नं० बाम्ब० 1980-1981/  
72 के अनुसार उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 13-11-1980  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

सुधाकर वर्मा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख : 4-7-1981  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I बम्बई

बम्बई दिनांक 6 जुलाई 1981

निर्देश सं० ए० आर० I / 4498.13/80-81—अतः

मुझे सुधाकर वर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 1563(पार्टे) न्यू सर्वे नं० 7966 (पार्टे) है तथा जो गिरगांव डिवीजन में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-11-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नम जाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भण्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. खोमजा छत्रसुज और अन्य

(अन्तरक)

2. श्री जयमहल को० ऑप० हा० सो० लिमिटेड मेम्बरस आफ द सोसायटी,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सन्दीकरण:—इसमें उक्त गणों और उक्तों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही प्रयत्न होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० नं० बाम्बे 840/79 उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 27-11-1980 को रजिस्टर्ड किया गया है।

सुधाकर वर्मा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);  
अर्जन रेंज I बम्बई,

तारीख 6-7-1981

मोहर:

प्रकृष आर्. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, III बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जुलाई 1981

सं० ऐ० आर० III/ऐ० पं० 371/81-82—प्रतः सुधे  
सुधाकर वर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 205 है तथा जो व्हीलेज मोगरा  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय बम्बई में  
रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख 29-11-1980

विलेख सं० एस० 640/76

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान  
प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बोच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
वर्षों में उक्त अन्तरक निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
गया है :

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. शेर-ए पंजाब को० प्रा० हा० सो० लि०  
(अन्तरक)

2. श्री सरदार हरबन सिंह संग सेठो,

(अन्तरिती)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है),

4. शेर-ए पंजाब को० प्रा० हा० सो० लिमिटेड, सरदार  
हरबनसिंग सेठो,

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख संख्या नं० एस० 640/76 के  
अनुसार उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 29-11-1980  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

सुधाकर वर्मा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेन रेंज-III, बम्बई

तारीख: 7-7-1981

मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जुलाई 1981

निर्देश सं० ए० आर० III/ए० पी० 372/81-82---

अतः, मुझे, सुधाकर वर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 57 एच० नं० 5 (पार्ट) सी० एम० नं० 13 (पार्ट) है तथा जो विलेज मुलगांव ग्रंथेरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रार-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-11-1980 विलेख सं० एस०/942/80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

1. श्री टेरांन्स मैथ्यू नन्स, गोडरे नन्स, मिसेस जेनेट नन्स, ज्युडि मैथ्यू, नन्स, रुसेल मैथ्यू नन्स, ओव्होटा मैथ्यू नन्स, लिगल हेथर आफ लेट ब्रिजेट नन्स श्री सत्यनारायण, बजरंग निवेडिया

(अन्तरक)

2. रम्य जीवन को० आप० हा० सो० लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

3. रम्य जीवन को० आप० हा० सो० लि० ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है ) ।

4. श्री टेरांन्स मैथ्यू नन्स, गोडरे मैथ्यू नन्स, मिसेस जेनेट नन्स, ज्युडि मैथ्यू नन्स रुसेल मैथ्यू नन्स, ओव्होटा मैथ्यू नन्स लीगल हेथर आफ लेट ब्रिजेट नन्स श्री सत्यनारायण बजरंग निवेडिया श्रीमति मी.नोबाई सत्यनारायण निवेडिया (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है ) ।

ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० एस० 942/80 के अनुसार उप रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 29-11-80 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

सुधाकर वर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III बम्बई

तारीख : 7-7-1981

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जुलाई 1981

निर्देश सं० ए० आर०-I/4501-16/81-82—अतः

मुझे सुधाकर, वर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन मजबूत प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसका सं० सी० एम० नं० 808 मंडवी डिवाइज है  
तथा जो दरया स्थान स्ट्रीट डोंगरी में स्थित है (और इससे उपा-  
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार वर्मा  
अधिकार के वायव्य तहसी में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधिनियम तारीख 27-11-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि मभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परम  
तत्त्व अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निश्चित व शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के  
वायव्य में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी प्रव या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-  
र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाता चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्री मूलराज प्रागजा हरीयानी (2) श्रीमति मणाबेन  
मूलराज हरीयानी (3) सुरेश मूलराज हरीयानी  
(4) सुधीर मूलराज हरीयानी

(अन्तरक)

3. श्रीमति हमदाबानु महमद युनुस की पत्नी

(अन्तरितों)

3. टैनेट

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लोकण :- इसमें पर्युक्त जगहों और पवों का, जो उक्त  
अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख संख्या वाम्बे/882/1980  
बम्बई उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 27-11-1980 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

सुधाकर वर्मा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, बम्बई

दिनांक : 7-7-1981

मोहर :

प्रकृष धार्ई० टी० ए० ए०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III बम्बई

बम्बई दिनांक 8 जुलाई 1981

निर्देश सं० ए० आर०-III/1927/2/ए० पी० 373/

81-82—अतः मुझे सुधाकर वर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० टी० ए० नं० 366 (अंश) ए० नं० 14 ए है तथा जो मायन ट्राम्बे रोड चेंबर में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेशन अधिकांश के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-11-1980 विलेख सं० ए० 2436/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वार्षिक में कमी करने या उसमें बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. स्वास्तिक टेक्सटाइल मिल्स लिमिटेड,  
(अन्तरक)

2. डा० मिनेस एम० जे० चव्हाण  
(अन्तरितों)

4. ट्रान्सफरर स्वास्तिक टेक्सटाइल मिल्स लिमिटेड  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धारणा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० ए० 2436/79 बंबई उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 20-11-1980 को रजिस्टर्ड किया गया है।

सुधाकर वर्मा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II बम्बई

तारीख : 8-7-1981  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

1. श्री हिरलकुमार फोसे

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री चंद्र कुमार गोपालदास मेहरा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी मांगीपत्र—

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1981

निर्देश सं० ए० आर० II/3077-71/नवम्बर 80—

अतः मुझे संतोष दत्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम नं० 365 हि० नं० 1 (अंश) वाले  
नं० 3629 एस० एल० नं० 18 सी० एस० नं० 748 है  
तथा जो मालाड में स्थित है (और इससे उपानद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-  
लय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक 20-11-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
कस निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से अभित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस० 1758/80 बम्बई  
उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 20-11-1980 को रजि-  
स्टर्ड किया गया है।

संतोष दत्ता,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, बम्बई,

दिनांक : 8-7-1981

मेहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 17 जून 1981

निर्देश सं० सी० ए० 5/एस० आर० बाम्बे/517/81-82—

यतः मुझे एस० सी० चंद्रा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० स० नं० 437 438बी, 453पी० 454,  
455 है तथा जो पंचपखेड़ी ठाणे में स्थित है (और इससे उपाय  
अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक, बाम्बे में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
15-11-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्रद्वि प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उक्त से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में  
कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अनंत पांडुरंग पंडित रा० रामेडी, बसिन, ता०  
जि० ठाणे

(अन्तरक)

2. श्री एस० एच० केलकर और कंपनी लि० एल० बी०  
एस० मार्ग, मुलुंड वेस्ट, बाम्बे-400008

(अन्तरिती)

3. श्री एस० एच० केलकर और कंपनी लि० एल० बी० एस०  
मार्ग, मुलुंड, बाम्बे-8।

(वह व्यक्ति जिसके अधियोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो स० नं० 437, 438 बी०, 453 पी,  
455, पंचपखेड़ी ठाणे में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 2362 जो 15-11-81  
को दुय्यम निबंधक ठाणे के दफ्तर में लिखा है।)

ए० सी० चंद्रा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 17-6-1981  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 17 जून 1981

निर्देश सं० सी० ए० 5/एस० आर० निफाड/नवम्बर 80/

519/81-82—यतः मुझे ए० सी० चंद्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या ग० नं० 290, लासलगांव, ता० निफाड जि० नासिक है तथा जो टाकली विचूर में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक, निफाड में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख, नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तावित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (11) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री दत्तात्रय वासुदेव देशपांडे,  
(2) श्री अशोक वासुदेव देशपांडे,  
(3) श्रीमति सुमतीबाई वासुदेव देशपांडे लासलगांव,  
ता० निफाड, जिला नासिक

(अन्तरक)

2. दि लासलगांव खरेदी विशी संघ लि० चेन्नरमन—श्री राजा राम गणपत जगताप मरलगोई खुद, ता० निफाड, जिला नासिक

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करवा हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाखें :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

प्रसूची

प्रापटी जो ग० नं० 290, टाकली विचूर, दक्षिण बाणू में रेलवे लाईन के नजदीक, विगर शेती, जमिन, लासलगांव ता० निफाड, जिला नासिक में स्थित है ।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 1804 जो नवम्बर 80 को दुय्यम निबंधक, निफाड के दफ्तर में लिखा है ।)

ए० सी० चंद्रा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, पूना

तारीख 17-6-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजमेर रेंज पूना

पूना 411004 दिनांक 19 जून 1981

निर्देश सं० सं० आ० आ० (नि०)/सी० ए० 5/एस० आर०  
हवेली-1/दिसम्बर 80/514/81-82—यतः मुझे ए० सी० चंद्र  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 81, सी० एस० सं० 2156  
है तथा जो विजयनगर सदाशिव पेठ, पुणे-30, तथा उस पर बनी  
बिल्डिंग सहित में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
एस० आर० हवेली-1 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1808 का 16) के अधीन दिसम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्णित:-

1. श्री आर० एल० खैरे, 898 शुक्रवार पेठ, पुणे-2  
(अन्तरक)
2. श्री टी० आर० खैरे, 898 शुक्रवार पेठ, पुणे-2  
(अन्तरिती)
3. श्री आर० एल० खैरे और टी० आर० खैरे, 898  
शुक्रवार पेठ, पुणे-2।  
(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20- में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

प्लॉट क्रमांक 81, सी० एस० सं० 2156 विजय नगर  
कालनी, सदाशिव पेठ, पुणे-30, तथा उस पर बनी बिल्डिंग  
सहित पूना नगर निगम की सीमा के भीतर।

(संपत्ति जैसा कि विक्रय-विलेख में वर्णित है और जो उप-  
निबंधक हवेली-1 जिला पुणे के कार्यालय में प्रलेख क्रमांक  
4823 वि० दिसम्बर 1980 के अधीन पंजीकृत किया गया  
है)।

ए० सी० चंद्रा,  
सक्षम प्राधिकारी  
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अजमेर रेंज, पूना)

तारीख 19-6-1981  
सोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजयन रेंज पूना

पूना 411004 दिनांक 19 जून 1981

निर्देश सं० सं०आ०आ० (बि०) सी०ए० 5/एस आर हवेली-  
II/जनवरी 81/516/81-82—यतः, मुझे, श्री ए० सी० चंद्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टाउन प्लानिंग सं० 1 के अंतिम प्लॉट क्र०  
1000 में से सब प्लॉट क्र० 6 तथा उस पर बनी बिल्डिंग सहित  
है तथा जो नवी पेठ, पूणे 30 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय संयुक्त उप-निबंधक- में, स्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
जनवरी 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. मेसर्स निव यूनिन कांस्ट्रक्शन क०, क्र० 7 पर्वती दर्शन,  
श्री प्रसाद सोसायटी, पूणे-411009

(अन्तरक)

2. श्री प्रणव को०-आर्परेटिव सोसायटी लि० अंतिम प्लॉट सं०  
100, नवी पेठ, पूणे-30।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

टाउन प्लानिंग योजना क्र० 1, नवी पेठ, पूणे-30 के अंतिम  
प्लॉट सं० 1000 में से सब प्लॉट क्र० 6, तथा उस पर बनी  
बिल्डिंग सहित।

(संपत्ति जैसा कि विक्रय विलेख में वर्णित है और जो प्रलेख  
क्र० 64 दिनांक जनवरी 1981 के अधीन संयुक्त उप-निबंधक,  
हवेली-II, जिला-पूणे के कार्यालय में पंजीकृत की गयी है)।

ए० सी० चंद्र

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अजयन रेंज, पूना

तारीख : 19-6-1981

मोहर :



प्रकरण आई० टी० एच० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना 411004, दिनांक 26 जून 1981

निर्देश सं० सी० ए० 5/एस० आर० बाम्बे/डिसेंबर/80/  
518/81-82—यतः मुझे पी० ललवाणी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सं० न० 33 हिस्सा नं० 1 टिका नं० 22 सी०  
सं० नं० 84 है तथा जो गोखले रोड नवपाड़ा, ठाणे में  
स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय दुय्यम निबंधक बाम्बे  
में रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख 18-12-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. 1. कृष्णाजी नारायण गोरे,
2. श्रीमति इंदुमति कृष्णा गोरे,
3. मदन कृष्णा गोरे
4. मोहन कृष्णा गोरे
5. महेंद्र कृष्णा गोरे
6. श्रीमति विद्याया मोहन गोरे
7. मंगला कृष्णा गोरे
8. अमोल मोहन गोरे,
9. मनीषा मोहन गोरे,
- 1, 2 और 7 नंबर नवपाड़ा, ठाणे और बाकी लोग  
सांताक्रुज बाम्बे, में रहते हैं।

(अन्तरक)

2. श्री प्रेम सिंह उर्फ प्रमोद बाशा सिंह रजपुत 'दत्ता निवास',  
गोखले रोड नवपाड़ा, ठाणे

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन और उपर का मकान जो सं० नं० 33 हिस्सा  
नं० 1 टिका नं० 22, सि० सं० नं० 84, गोखले रोड,  
नवपाड़ा ठाणे में स्थित है। जिसका क्षेत्र 518.38 स्क्वे०  
मीटर है।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 1295 जो 18-12-  
80 को दुय्यम निबंधक बाम्बे के दफ्तर में लिखा है।)

पी० ललवाणी

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, पूना

तारीख 26-6-1981

मोहर :

रूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना 411004, दिनांक 30 जन 1981

निर्देश सं० सी० ए० 5/एस० आर० बाम्बे/दिसम्बर 80/516/81-82—अतः मुझे, एस० टी० कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या रि० सं० न० 156-ए सि० सं० न० 244 है तथा जो बलवण ता० मावल जि० हवेली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक बाम्बे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-12-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पचापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रस्तुत (प्रस्तुतियों) और प्रस्तुति (प्रस्तुतियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय प्राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तुत लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है —

(क) अंतरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) गोपाल दास तुलसी दास, 6/1 बुडस्टिल, 16 कलकत्ता,  
(2) रविद्र मूलराज  
(3) बलवत सिंग  
(4) इंदुमति रविद्र  
(5) ललित कुमार गोपालदास  
(6) जवाहिर मूलराज  
बाई जवेरी भाई मूलराज, कर्सनदास पूर्वन्यास के विषयस्त है।
2. मेसर्स मधू विल्डर्स और असोसिएट्स 205, लोहा भवन, पी० डी० मेली रोड, बाम्बे-400001।

(प्रस्तुति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन में संबंध में कोई भी शर्त:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोद्धताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन और इमारत जो बलवण गांव, ता० मावल, जि० हवेली, आर० एस० न० 156-ए, सि० सं० न० 244 में स्थित है। और जिसका क्षेत्र 7058 स्के० मी० है।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 1620 जो 20-12-1980 को दुय्यम निबंधक बाम्बे के दफ्तर में लिखा है।)।

एस० टी० कुलकर्णी,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

तारीख : 30-6-1980

मोहर :

प्रारूप भाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 3 जुलाई 1981

निर्देश सं० सी०ए० 5/एस० आर० बाम्बे/नवम्बर 80/  
520/81-82—यतः मुझे शशिकान्त कुलकर्णी  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है  
और जिसकी संख्या सि० सं० नं० 35, 36, 37 और 38  
मकान नं० 13, वार्ड एफ० है तथा जो लोणावला जि० पुणे में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक,  
बाम्बे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 15-11-1980  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि पचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(ग) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में  
कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. (1) श्री एस० जी० कुकरेजा,  
(2) श्री डी० जी० कुकरेजा,  
(3) श्री एच० जी० कुकरेजा,  
लोणावला, जि० पुणे

(अन्तरक)

2. मिस सुचेताकुमारी केदारनाथ सेठी,  
'जयमहल' चौथी मंजिल, 'ए' रोड बाम्बे 20।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे ।

संश्लेषण]—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन और उपरकी इमारत जो सि० सं० नं० 35, 36  
37 और 38 मकान नं० 13 एफ० वार्ड फर्नीचर अन्ड फिटिंग  
के साथ लोणावला, जि० पुणे में स्थित है । जिसका क्षेत्र  
1800 स्क्० फिट है ।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 717 जो 15-11-80  
को दुय्यम निबंधक बाम्बे के दफ्तर में लिखा है ।)

शशिकान्त कुलकर्णी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, पूना,

तारीख : 3-7-1981

मोहर :

प्रारूप आर्द्द० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ दिनांक 12 मई 1981

निदेश सं० ए-97/अर्जन—उतः मुझे अमरसिंह बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान व जमीन है तथा जो मो० गलशहीद  
मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख 9-12-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्नियों  
को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मथुरा प्रसाद द्वारा मुखतारआम श्री मोहम्मद उमर  
(अन्तरक)

2. (1) अब्दुल खलिक (2) शकील अहमद (3) जमील  
अहमद व अब्दुल रशीद

(अन्तरिती)

2. उपरोक्त

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान मय भूमि क्षेत्रफल 397.50 वर्गमीटर स्थित  
मोहल्ला गलशहीद मुरादाबाद तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड  
एवं फार्म 39-जी संख्या 5651 में वर्णित है जिनका पंजीकरण  
सब-रजिस्ट्रार, मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक 9-12-1980 को  
किया जा चुका है।

अमर सिंह बिसेन,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 12-5-1981

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 2 जून 1981

निर्देश सं० एल-34/अर्जन—यतः मुझे अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 1007 है तथा जो ग्राम शाहपुर तिगरी, मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 296-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

14-176 GI/81

1. श्रीमति सुखजन

(अन्तरक)

2. लेबरर्स सहकारी आवास समिति लि०, मुरादाबाद द्वारा अध्यक्ष मोहम्मद हसन व मंत्री मोहनुद्दीन

(अन्तरिती)

3. उपरोक्त (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता भूमि धरी भूमि का प्लॉट खसरा संख्या 1007 क्षेत्रफल दो एकड़ बत्तीस डिसमश (2.32 एकड़) स्थित ग्राम शाहपुर तिगरी परगना व तहसील मुरादाबाद तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड और फार्म 37-जी संख्या 4952 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार, मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक 15-11-1980 को किया जा चुका है।

अमर सिंह बिसेन,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ,

तारीख : 2-6-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 जून 1981

निर्देश सं० पी-85/अर्जन--यतः मुझे अमर सिंह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 9 और 11 स्टेचोरोड, इलाहाबाद में से प्लॉट नं० 10 है जो इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय के रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन 10-11-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वृद्धि में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. दि प्रयाग उपनिवेशन आवास एवं निर्माण सहकारी समिति लि० दरियाबाद द्वारा श्री सीता राम पांडेय सखिव । (अन्तरक)

2. श्री परमानन्द मिश्रा । (अन्तरिती)

3. उपरोक्त अन्तरक (वह व्यक्ति, जिस के अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति संख्या 9 और 11 स्थित स्टेचोरोड, इलाहाबाद में का पट्टे की भूमि का प्लॉट नं० 10 क्षेत्रफल 488.75 वर्गगज तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड और फार्म 37-जी सं० 5530 में वर्णित है और जिनका पंजीकरण सब-रजिस्टार, इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 10-11-80 को किया जा चुका है ।

अमर सिंह बिसेन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 3-6-1981  
मोहर:

प्रकृत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 जून 1981

निदेश सं० आर/156/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह  
बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 9 और 11 है जो, स्ट्रेचोरोड में से प्लॉट  
नं० 11 में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
इलाहाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन 17-11-1980

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1),  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्ति को सूचित :-

1. दि प्रयाग उपनिवेशन आवास एवं निर्माण सहकारी  
समिति लि० दरियाबाद द्वारा श्री सीता राम पाण्डेय  
सचिव ।

(अन्तरक)

2. श्री राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता

(अन्तरिती)

3. उपरोक्त अन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति सं० 9 तथा 11 स्थित स्ट्रेचोरोड इलाहाबाद में से  
पट्टे को भूमि का प्लॉट नं० 11 क्षेत्रफल 488.75 वर्ग गज  
व सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड और फार्म 37 जो सं०  
5697 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार इलाहाबाद  
के कार्यालय में दिनांक 17-11-1980 को किया जा चुका  
है ।

अमर सिंह बिसेन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 3-6-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 जून 1981

निदेश सं० ए-211/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह  
बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1-ए-भटियारा रोड है जो इलाहाबाद में से  
प्लॉट नं० 2 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय 11-11-1980 इलाहाबाद में

भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन दिनांक 11-11-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कीभूत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
आई/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. दि प्रयास उपनिवेशन आवास एवं निर्माण समिति लि०  
877-ए दरियाबाद इलाहाबाद द्वारा सीता राम  
पान्डेय, सचिव।

(अन्तरक)

2. श्री सहादेव प्रसाद

(अन्तरिती)

3. उपरोक्त अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाह्य करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति सं० 1-ए स्थित भटियारा रोड इलाहाबाद में से  
फ्री होल्ड भूमि का प्लॉट नं० 2 क्षेत्रफल 200 वर्गगज तथा वह  
सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड और फार्म 37 जी संख्या 5550 में  
वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्टार इलाहाबाद के कार्या-  
लय में दिनांक 11-11-1980 को किया जा चुका है।

अमर सिंह बिसेन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 3-6-1981  
मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 जून 1981

निदेश सख्या एस-212/अर्जन:—अतः मुझे अमर सिंह  
बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सख्या 9 और 11 स्टेचोरोड इलाहाबाद है जो  
प्लॉट नं० 40 जो, इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी कार्यालय इलाहाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-11-1980  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसी दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कर्मा करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. दि प्रवाग उपनिवेशन आवास एवं निर्माण सहकारी  
समिति लि० दरियाबाद द्वारा श्री सीता राम पाण्डेय  
सचिव

(अन्तरक)

2. श्री सन्तोष कुमार

(अन्तरिती)

3. उपरोक्त अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन का अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति सख्या 9 और 11 स्थित स्टेचोरोड इलाहाबाद  
में से पट्टे को भूमि का प्लॉट 40 क्षेत्रफल 450-71 वर्गगज  
तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड और फाम 37 जो  
संख्या 5694 में वर्णित है और जिनका रजिस्ट्रेशन सब  
रजिस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 17-11-1980 को  
किया जा चुका है।

अमर सिंह बिसेन;

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज लखनऊ;

तारीख 3-6-1981

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 जून 1981

निदेश संख्या एस-215/अर्जुन—अतः मुझे, अमर सिंह  
बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 9 और 11 स्टेचोरोड इलाहाबाद में  
प्लॉट नं० 24 है जो इलाहाबाद में स्थित है (और इससे  
उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-11-1980  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उक्त दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप में रुकित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के द्वारा किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
आई/या

(ख) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. दि प्रयाग उपनिवेशन आवास एवं निर्माण सहकारी  
समिति लि० दरियाबाबा द्वारा श्री सीताराम पाण्डेय  
सचिव।

(अन्तरक)

2. श्री शिवशंकर शितवारी

(अन्तरिती)

3. उपरोक्त अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति संख्या 9 और 11 स्थित स्टेचोरोड इलाहाबाद में से  
पट्टे की भूमि को प्लॉट संख्या 24 तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो  
सेलडीड और फार्म सं० 37 जो संख्या 5699 में वर्णित है  
जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय में  
दिनांक 17-11-1980 को किया जा चुका है।

अमर सिंह बिसेन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, लखनऊ।

दिनांक : 3-6-1981

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 जून 1981

निदेश संख्या टी 25/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह  
बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी संख्या 9 और 11 स्टेचो रोड इलाहाबाद में से  
प्लॉट न० 25 है जो इलाहाबाद में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-11-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

1. दि प्रयाग उपनिवेशन आवास एवं निर्माण सहकारी  
समिति लि० दरियाबसाद द्वारा श्री सीता राम तिवारी  
सचिव

(अन्तरक)

2. श्रीमति तारा तिवारी

(अन्तरिती)

3. उपरोक्त अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति संख्या 9 और 11 इलाहाबाद में से पट्टे की भूमि  
का प्लॉट संख्या 25 क्षेत्रफल 316.18 वर्गगज तथा वह  
सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड और फार्म संख्या 5701 में वर्णित  
है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय  
में दिनांक 17-11-1980 को किया जा चुका है।

अमर सिंह बिसेन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लखनऊ,

तारीख : 3-6-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 29 मई 1981

निर्देश सं० ए० सी०/रेंज-IV/कल०/1981—प्रतः मुझे,

के० सिंहा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसका पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० दाग 63 है तथा जो पति-पुत्र, पी.एस० लेक टाउन, कलकत्ता-48 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० कोसीपुर, दम दम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26-11-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

1. श्री हृदय रन्जन दयादार व अन्य

(अन्तरक)

2. श्री पार्श्व सारथी कुन्दु व अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

क्षेत्रफल 3 के० सिर्फ पतीपुत्र सी० एस० दाग न० 63  
पी० एस० लेक टाउन, कलकत्ता-48।

के० सिंहा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज II कलकत्ता

तारीख : 29-5-1981

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 जुलाई 1981

निर्देश सं० ए० सी० रेंज-I /कल०/19—यतः मुझे, आई० टी० एस० जुनेजा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 90 है तथा जो चित्तरन्जन एवेन्स 3, कलकत्ता में स्थित है) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-11-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल से परबद्ध प्रतिशत अधिक है और अस्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5—176GI/81

1. श्री सिकार नाथ सेन

(अन्तरक)

2. रिजोलिडेट ट्रेडर्स प्रा० लि०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धारणा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

90 चित्तरन्जन एवेन्स; कलकत्ता में अवस्थित 11 कट्टा 2 छटांक 11 वर्ग फिट जमीन पर चार तल्ला मकान का 1/3 हिस्सा जो 11-11-1980 तारीख में डीड नं० आई-6378 अनुसार रजिस्ट्री आफ एग्यरेंस का दफ्तर रजिस्ट्री हुआ।

आई० टी० एस० जुनेजा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

तारीख : 8-7-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1. श्री शंकर नाथ सेठ

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

2. मैसर्स रिजोलिउट ट्रेडर्स प्रा० लि०

(अन्तरिती)

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

अर्जन रेंज, कलकत्ता

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

कलकत्ता, दिनांक 8 जुलाई 1981

निर्देश सं० ए० सी० रेंज-IV/कल०/19—यतः मुझे, आई० वी० एस० जुनेजा, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 90 है तथा जो चित्तरंजन एवेन्यू, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची से और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-11-1980

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

90 चित्तरंजन एवेन्यू, कलकत्ता में अवस्थित 11 कट्टा 2 छटांक 11 वर्ग फिट जमीन पर चार तल्ला मकान का 1/3 हिस्सा जो रजिस्ट्रार आफ एश्युरेंस कलकत्ता का दफ्तर में डीड नं० आई-6379 अनुसार 11-11-1980 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

आई० वी० एस० जुनेजा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

दिनांक : 8-7-1981

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री उमा नाथ सेठ ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. मैसर्स रिजोलिस्ट ट्रेडर्स लि० ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 जुलाई 1981

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० ए० सी० रेंज-IV/कल/19—यतः मुझे, आई० वी०  
एस० जुनेजा,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/रु. से अधिक है

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

और जिसकी सं० 90 है तथा जो चित्तरन्जन एवेन्यू, कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 11-11-1980

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

### अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

90 चित्तरन्जन एवेन्यू, कलकत्ता में अवस्थित 11 कट्टा 2 छटांक  
11 वर्ग फिट जमीन पर चार तल्ला मकान का 1/3 हिस्सा जो  
11-11-80 तारीख में रजिस्ट्रार आफ एश्युरेंस का दफ्तर में डीड  
नं० आई-6380 अनुसार रजिस्ट्री हुआ ।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

आई० वी० एस० जुनेजा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

तारीख : 8-7-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री ग्रामलाल झुनझुनवाला (अन्तरक)  
 2. कुमारी गौरी देवी कौशिक (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 जुलाई 1981

निर्देश सं० S-579/TR/481/8 1-8 2—अतः मुझे, आई० वी०  
 एस० जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 9 सी है तथा जो हाल पुरुर लेन कलकत्ता  
 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
 वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय कलकत्ता में,  
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
 दिनांक 29-11-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
 (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
 फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
 रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया या या किया जाना चाहिए थ छिपावे में  
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
 गया है।

अनुसूची

9 सी हांसपुर मेन कलकत्ता अवस्थित 2 कट्टा 2 छटांक 20  
 वर्ग फिट जमीन पर चार तला मकान का अधिभक्त 1/4 हिस्सा  
 जो 29-11-1980 तारीख में डीड नं० आई-10746 अनुसार  
 रजिस्ट्रार आफ एग्युरेंस का दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

आई० वी० एस० जुनेजा,  
 सक्षम प्राधिकारी,  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

तारीख 8-7-1981  
 मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन्.एस.-----

1. श्री श्यामलाल मुनमुनवाला

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 जुलाई 1981

निर्देश सं० S-580/TR-482/81-82—अतः मुझे, आई० वी०

एस० जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 9 सी है तथा जो हासपुपुर लेन, कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची से और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 29-11-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का  
पञ्च प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

2. श्रीमति गोमती देवी कौशिक

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अनोहस्ताक्षरी को बाध  
सिद्धित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

9 सी हासपुपुर लेन, कलकत्ता में अवस्थित 2 कट्टा 2  
छटांक 20 वर्ग फिट जमीन पर चार तल्ला मकान का 1/12  
अविभक्त हिस्सा जो 29-11-80 तारीख में रजिस्ट्रार आफ  
एम्प्यूरेंस कल० का दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

आई० वी० एस० जुनेजा

सक्षम प्राधिकारी;

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 8-7-1981

मोहर :

प्राकट आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 जुलाई 1981

निर्देश सं० एस०-581/ -483/81-82—अतः मुझे  
आई० सी० एस० जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 9 सी है तथा जो हांस पुर लेन कलकत्ता  
में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित  
है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी ) कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 29-11-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्यक्तियों में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ययामलाल मुनमुनवाला

(अन्तरक)

2. श्रीमति सावित्री देवी कौशिक

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो कभीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, पञ्चोदस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

2 कट्टा 2 छटांक 20 वर्ग फीट जमीन 42 9 सि० हंसपुर  
लेन कलकत्ता में अब स्थित चार तल्ला मकान का 1/12  
अभिबिभक्त हिस्सा जो 29-11-80 तारख की डीड नं०  
I-10748 अनुसार रजिस्ट्रार आफ (एसोरेन्स कलकत्ता का  
दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

आई० सी० एस० जुनेजा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I कलकत्ता

तारीख : 8-7-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 8 जुलाई 1981

निर्देश सं० ए० सी० रेंज-II/कल/ 19—अतः मुझे, आई० वी०

एस० जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे उसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० 9 सी है तथा जो हासपुकुर लेन कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 29-11-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री श्यामलाल झुनझुनवाला ।

(अन्तरक)

2. श्रीमति सावित्री देवी कौशिक

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

9 सी हासपुकुर लेन, कलकत्ता में अवस्थित, 2 कट्टा  
2 छटांक, 20 वर्ग फीट, जमीन पर चार तल्ला मकान का  
अविभक्त 1/4 हिस्सा जो 29-11-1980 तारीख में डीड नं०  
I-10747 अनुसार रजिस्ट्री आफ एश्योरेस कलकत्ता का  
दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ ।

आई० वी० एस० जुनेजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

दिनांक : 28-7-81

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री श्यामलाल अनुपमनवाला

(अन्तरक)

2. श्रीमति कमला देवी कौशिक

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 जुलाई 1981

निर्देश संख्या टी० आर०-485/एस० नं० 583/एसीक्यू-

आर० आई०—मतः मुझे आई० वी० एस० जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 9 सी० है तथा जो हासपुर्कुर लैन स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
29-11-1980

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
कारण का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्त) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

मतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

9 सि० हंसपुर्कुर लैन कल० में अवस्थित 2 कट्टा 2  
छटांक 20 वर्ग फीट, जमीन पर चार तल्ला मकान का 1/4  
हिस्सा जो 29-11-1980 तारीख में डी० नं० 1-6731  
अनुसार रजिस्ट्रार आफ (एसोरेन्स का दफ्तर में रजिस्ट्री  
हुआ।

आई० वी० एस० जुनेजा  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, 1 ग्रहमदाबाद

तारीख : 8-7-1981

मोहर

तारीख : 8-7-1981  
मोहर

प्रारूप आई. टी. एन. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 13 जुलाई 1981

निर्देश सं० ए० सी० 36/रेंज-IVकल/1981-82---

अतः मुझे के० सिंहा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो मौजा राधानगर में स्थित है और इससे उपायुक्त अनुसूची और, पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वर्धमान में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-11-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राधाकिशोर गांगुली

(अन्तरक)

2. श्री अरुण कुमार, श्रीमति जोधिका जश

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

23, मुरात महल, बिरहाटा, जिला वर्धमान में 6 कठ 12 छटांक जमीन के साथ मकान का सब कुछ जैसे 1980 का दलिल सं० 7474 में और पूर्णरूप से वर्णित है ।

के० सिंहा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज 4 कलकत्ता

दिनांक 13-7-1981

मो हूर :

प्रकृष आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेंज कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 13 जुलाई 1981

निर्देश सं० ए० सी० 37/रेंज-IV/कल०/1981-82—

अतः मुझे के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 30/2 है तथा जो बिहारी लाल पाल स्ट्रीट  
में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्णरूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काशीपुर,  
(दमधम) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख 26-11-1980

अने पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
करम का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से सक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा:--

1. श्री जीसतरिन एच० पलन

(अन्तरक)

2. एम० एल० जटर्जर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वकीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

30/2-बी बिहारी लाल पाल स्ट्रीट, में 1 के० 8 छा० जमीन का  
सय मकान का सब कुछ जैसे 1980 का दलिल सं०  
8571 में और और पूर्णरूप से वर्णित है।

के० सिन्हा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेंज, कलकत्ता,

तारीख 13-7-1981

मोहर:

प्रकृष आई० टी० एन० एन०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) द्वारा की

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 13 जुलाई 1981

निर्देश सं० ए० सी० 38/रेंज-IV/कल०/1981-82--

प्रति: मुझे के० सिंहा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो लोहाघर नकशाल बाड में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-11-1980

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अगति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितीयों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य वस्तुओं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैसर्स ईस्टरन इंडिया प्रोक्स लि०

(प्रन्तरक)

2. कुमारी ग्याशानाल इंडिया ट्रेडर्स प्रा० लि०

(प्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के प्रकाशन के तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन के तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निवेश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीनस्थानों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शर्तों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मोजा-लोहाघर, नकशाल, बाडि, वार्जिलिंग में 814.37 एकड़ जमीन का साथ मकान का सबकुछ जैसे सं० 1981 का दलिल सं० 6590 में और पूर्णरूप से वर्णित है।

के० सिंहा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज 4 कलकत्ता,

दिनांक: 13-7-1981

(सह):



## SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 7th July 1981

No. F. 6/81-SCA(I).—Shri M.K. Rao, Assistant Registrar of this Registry has retired from the service of the Registry with effect from June 30, 1981(AN).

MAHESH PRASAD  
Dy. Registrar (Admn. J.)

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-11, the 30th June 1981

No. A.32014/3/79-Admn.I.—The President is pleased to appoint the following permanent Senior Personal Assistants (Gd. B of C.S.S.) of the cadre of Union Public Service Commission to officiate as Private Secretary (Gd. A of C.S.S.) in the same cadre on a purely provisional, temporary and *ad-hoc* basis with effect from the dates mentioned against their names or until further orders, whichever is earlier.

| S. No. | Name | Period |
|--------|------|--------|
|--------|------|--------|

- |    |                     |                    |
|----|---------------------|--------------------|
| 1. | Shri Joginder Singh | 6-7-81 to 5-9-81   |
| 2. | Shri R.L. Thakur    | 26-6-81 to 25-8-81 |

Y. R. GANDHI  
Under Secy. (Admn.)  
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS  
DEPTT. OF PERSONNEL & AR  
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 7th July 1981

No. M-5/73-AD.V.—The services of Shri M.G. Katre, IPS (MH-1952) Joint Director/Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment were placed back at the disposal of the Govt. of Maharashtra with effect from 3-6-1981 afternoon on repatriation.

The 10th July 1981

No. M-68/66-AD. V.—Consequent on his attaining the age of superannuation Shri M. D. Agharkar, Superintendent of Police, CBI, GOW, Bombay relinquished charge of the office Supdt. of Police, CBI/SPE with effect from the afternoon of 30-6-1981.

The 13th July 1981

No. A-19021/2/80-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri P.C. Dogra, IPS (Punjab-1964) to officiate as Deputy Inspector General of Police in the Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment with effect from the forenoon of 6th July, 1981 until further orders.

Q. L. GROVER  
Administrative Officer (E)  
C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL  
CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi-110022, the 7th July 1981

No. O.II-992/72-Estt.-I.—On his services having been re placed at the disposal of the CRPF by the National Police Commission (MHA), Shri Kuldip Singh is appointed as Dy. S.P. (Copy Comdr) in 48 Bn of this Force with effect from the forenoon of 03-6-1981.

The 9th July 1981

No. O.II-1444/79-Estt.—The Director General C.R.P. Force is pleased to appoint Dr. (Miss) Iftikharunissa Begum General Duty Officer Grade. II in the C.R.P. Force on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 29-6-1981 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 10th July 1981

No. O.II-1584/81-Estt.—The Director General C. R.P. Force is pleased to appoint Dr. Tej Singh Vimal General Duty Officer Grade. II in the C. R. P. Force on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 4-7-1981 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, which ever is earlier.

A. K. SURJ  
Asst. Dir. (Estt.)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL  
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110019, the 8th July 1981

No. E-3801(3)21/79-Pers.—On his transfer from Paradip, Shri U.P. Bahera assumed the charge of the post of Asstt. Comdt, CISF Unit R. S. P. Rourkela, *w.e.f.* the forenoon of 25th May, 1981.

No. E-16013(1)/1/80-Pers.—On his transfer on deputation, Shri M. Mukherji, IPS (Orissa-62) assumed the charge of the post of Dy. I.G. C.I.S.F. R.S.P. Rourkela, *w.e.f.* the forenoon of 10-6-81.

No. E-16013(1)/1/81-Pers.—On transfer on deputation, Shri R. Radhakrishnan, IPS (Kerala-62) assumed the charge of the post of Dy. Inspector General (S/Zone) CISF, Madras *w.e.f.* the afternoon of the 6th June, 1981 vice Shri Raja Sreedharan IPS (MP-57) who on repatriation to State cadre, relinquished the charge of the said post with effect from the same date.

No. E-38013(4)/5/81-Pers.—On his promotion, Shri S. S. Kadian assumed the charge of the post of Asstt. Comdt., Southern Zone Training Reserve Force, CISF, Madras with effect from the (F/N) of 30-3-81.

No. E-38013(4)/5/81-Pers.—On his transfer from Patna, Shri S.P. Dwivedi assumed the charge of the post of Asstt. Commandant, CISF Unit, RIOP Dep. 14, Kirandul *w.e.f.* the forenoon of 2-3-81.

No. E-38013(4)/5/81-Pers.—On his transfer to Hardwar, Shri Nilmani relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF Unit, B. C. C.L. Jharja, *w.e.f.* the afternoon of 25th April, 1981.

No. E-38013(4)/5/81-Pers.—On his transfer to Madras, Shri N.G. Sekul relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt., CISF Unit, A.S.P. Durgapur *w.e.f.* the afternoon of 19th May, 1981.

No. E-38013(4)/5/81-Pers.—On his promotion, Shri D. N. Nanda assumed the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF Unit, ISRO Thumba, *w.e.f.* the forenoon of 20th May, 1981.

No. E-38013(4)/5/81-Pers.—On his transfer from Jharja, Shri Nilmani assumed the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF Unit, RHEL Hardwar *w.e.f.* the forenoon of 2nd June, 1981.

No. E-38013(4)/5/81-Pers.—On his transfer from Bokaro, Shri R. P. Dube assumed the charge of the post of Asstt. Comdt., CISF Unit (DPL) Gurgaon *w.e.f.* the forenoon of 30th May, 1981.

SURENDRA NATH  
Director General

## OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 9th July 1981

No. 11/102/79-Ad. I(2).—The President is pleased to appoint, by promotions the under-mentioned Assistant Director of Census Operations to the post of Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations in states as mentioned against their names, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, for a further period upto the 28th February, 1982 or till the posts are filled in, on a regular basis, whichever period is shorter, under the existing terms and conditions:—

| S. No.             | Name of Officer | Office in which working                                 |
|--------------------|-----------------|---|
| 1                  | 2               | 3   |
| 1. Shri C.D. Bhatt |                 | Director of Census Operations, Himachal Pradesh, Simla. |
| 2. Shri S.L. Bahl  |                 | Director of Census Operations, Haryana, Chandigarh.     |

No. 11/102/79-Ad. I(1).—The President is pleased to appoint, by promotion, the under-mentioned Assistant Directors of Census Operations, (Technical) to the post of Deputy Director of Census Operations, in the Office as mentioned against their names, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, for a further period upto the 28th February, 1982 or till the posts are filled in, on a regular basis, whichever period is shorter, under the existing terms and conditions:—

| S. No.                      | Name of the Officer | Office in which working           |
|-----------------------------|---------------------|-----------------------------------|
| 1. Shri O. P. Sharma        |                     | R.G.I., New Delhi                 |
| 2. Shri M. Panchapakesan    |                     | D.C.O., Tamil Nadu, Madras        |
| 3. Shri S.P. Sharma         |                     | D.C.O., A&N Islands, Port Blair.  |
| 4. Shri R.P. Tomar          |                     | D.C.O., Punjab Chandigarh         |
| 5. Shri M.K. Ahuja          |                     | R.G.I., New Delhi.                |
| 6. Shri V.P. Rustagi        |                     | R.G.I., New Delhi                 |
| 7. Shri A.K. Biswas         |                     | R.G.I., New Delhi                 |
| 8. Shri A. Pyrtuh           |                     | D.C.O., Assam Gauhati             |
| 9. Shri Y. G. Krishnamurthy |                     | D.C.O., Andhra Pradesh Hyderabad. |
| 10. Shri R.K. Singh         |                     | D.C.O., Punjab Chandigarh         |
| 11. Shri S.P. Grover        |                     | D.C.O., Punjab Chandigarh         |
| 12. Shri Ram Singh          |                     | D.C.O., Madhya Pradesh, Bhopal.   |
| 13. Shri D.N. Mahesh        |                     | D.C.O., Rajasthan, Jaipur.        |
| 14. Shri S.C. Saxena        |                     | R.G.I. New Delhi                  |
| 15. Shri Ajit Singh         |                     | D.C.O., Uttar Pradesh, Lucknow.   |
| 16. Shri M. Magappan        |                     | D.C.O., Tamil Nadu, Madras        |
| 17. Shri Phool Singh        |                     | D.C.O., Uttar Pradesh, Lucknow.   |
| 18. Shri A.K. Dutta         |                     | D.C.O., Lakshadweep, Cochin       |
| 19. Shri R.B. Singh         |                     | D.C.O., Bihar, Patna              |
| 20. Shri H.L. Kalla         |                     | D.C.O., Jammu & Kashmir, Srinagar |
| 21. Dr. K.S. Dey            |                     | D.C.O., West Bengal, Calcutta     |
| 22. Shri D.P. Khobragade    |                     | D.C.O., Maharashtra, Bombay.      |
| 23. Shri S.K. Swain         |                     | D.C.O., Orissa, Cuttack           |
| 24. Shri B. Satyanarayana   |                     | D.C.O., Andhra Pradesh, Hyderabad |

P. PADMANABHA  
Registrar General, India

## MINISTRY OF FINANCE

(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)

## CURRENCY NOTE PRESS

Nasik Road, the 6th July 1981

No. 177-A/1.—The General Manager, Currency Note Press, Nasik Road hereby appoints Shri M.L. Sonawane (S.C.), Sectional Officer, Currency Note Press, on *ad-hoc* deputation basis as Purchase Officer, Currency Note Press, in the pay scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200, for a period of one year from the forenoon of 4th June 1981, or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

S. D. IDGUNJI  
General Manager

## OFFICE OF THE DIRECTOR OF CENSUS OPERATIONS, HARYANA

Chandigarh-160022, the 24th June 1981

## ORDER

No. A-20067/1/77-Admn.—WHEREAS Shri Rameshwar Dass Verma, Proof Reader in the Office of the Director of Census Operations, Haryana, Chandigarh has been continuously absenting himself from duty since 14th April, 1981 without any permission of the competent authority:

AND WHEREAS his continuous absence from duty Constituted gross misconduct rendering the said Sh. Rameshwar Dass Verma liable to disciplinary action;

AND WHEREAS the said Shri Rameshwar Dass Verma had been evading the receipt of official communications sent to him under registered A.D. covers including the charge-sheet framed against him;

AND WHEREAS disciplinary proceedings under Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965 were instituted against the said Shri Rameshwar Dass Verma to enquire into the charges of unauthorised and wilful absence from duty *w.e.f.* 14th April, 1981 and of gross misconduct and insubordination in knowingly evading receipt of official letters and for violation and defiance of lawful orders of the superior authority;

AND WHEREAS an enquiry into the charges was held *ex-parte* as the said Shri Rameshwar Dass Verma did not participate in the proceedings;

AND WHEREAS the undersigned had accepted the recommendation of the Enquiry Authority that the charges framed stand fully established against the said Shri Rameshwar Dass Verma;

AND WHEREAS the undersigned terminated the services of the said Shri Rameshwar Dass Verma, Proof Reader in the Office of the Director of Census Operations, Haryana, Chandigarh *w.e.f.* 16th June, 1981;

AND WHEREAS the said Shri Rameshwar Dass Verma evaded receipt of the order of termination of his services from the postal authorities as the same was received back from the postal authorities with the remarks "Informed in time but evading receipt of registered letter" given on the cover;

NOW, THEREFORE, under the circumstances the undersigned announces the termination of the services of the said Shri Rameshwar Dass Verma *w.e.f.* 16th June, 1981 through this notification.

O. P. BHARADWAJ  
Director of Census Operations,  
Haryana, Chandigarh.

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE ACCOUNTANT  
GENERAL-I, KARNATAKA  
Bangalore, the 8th July 1981

No. ES. I A4/81-82/389.—The Accountant General is pleased to promote S/SHRI N.R. SETHA BHATTA and M.K. SRINIVASAN, permanent Section Officers as Accounts Officers in a purely temporary capacity until further orders without prejudice to the claims of their seniors, if any, with effect from the dates of their taking over charge.

V.A. MAHAJAN  
Sr. Dy. Accountant General,  
(Administration).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-II, U.P.  
Allahabad, the 7th July 1981

No. Welfare/864.—Shri O.P. Nagpal an Account Officer of the office of the Accountant General-II U.P. Allahabad expired on 16th June, 1981.

S.J.S. AHLUWALIA  
Sr. Dy. Accountant General.  
(Admn.)

MINISTRY OF COMMERCE  
DEPARTMENT OF TEXTILES  
OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 16th May 1981

No. EST. I.2(547)/1351.—Shri K. N. Paul, Assistant Director Gr. II in the Regional Office of the Textile Commissioner, Calcutta, retired from service with effect from the afternoon of 30th April, 1981 on attaining the age of superannuation.

ANJANEYA  
Dy. Director (Admn.)

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 18th June 1981

No. R4(1) 26.—In supersession to this Department's notification No. R4(1)26 dated 1st January 1968, the Chief Controller of Explosives, hereby authorises on and with effect from the 1st January, 1981, the Officer specified in the first column of the annexed Schedule to exercise the powers mentioned in Rule 91 and in column 4 of schedule IV against, Article 3 and 5 of the Explosives Rules, 1940, in the areas comprised in the States and Union Territories specified in the corresponding entry in the second column of the annexed Schedule.

THE SCHEDULE

| Officers   | Areas   |
|--|---|
| Dy. Chief Controller of Explosives, North Circle, Agra   | Uttar Pradesh, Punjab, Haryana Himachal Pradesh, Jammu & Kashmir, Rajasthan, Madhya Pradesh, Union Territories of Delhi and Chandigarh. |
| Dy. Chief Controller of Explosives, South Circle, Madras | Tamil Nadu, Kerala, Karnataka, Andhra Pradesh, Union Territories of Pondicherry and Laccadive, Minicoy and Amindivi Islands.            |

| officers  | Areas  |
|---|--|
| Dy. Chief Controller of Explosives, East Circle, Calcutta | West Bengal, Bihar, Orissa, Assam, Manipur, Tripura, Arunachal Pradesh, Meghalaya, Mizoram, Nagaland and the Andman and Nicobar Islands. |
| Dy. Chief Controller of Explosives, West Circle, Bombay   | Gujarat, Maharashtra, Goa, Daman & Diu and Dadra and Nagar Haveli.   |

CHARANJIT LAL  
Chief Controller of Explosives.

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA  
(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 7th July 1981

No. 3971/B/A-19012(3-SCK)/80-19B.—Shri Subal Ch. Kar is appointed as Assistant Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 30-4-81 until further orders.

No. 3985B/A-19011(7-J.S.B.)/79-19A.—The President is pleased to appoint Shri J.S. Bhatia to the post of Regional Administrative Officer in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 1300-50-1700/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 2-5-1981, until further orders.

No. 4000B/A-32014(1-Asstt. Geol.)/80-19A.—The following senior Technical Assistants (Geology), Geological Survey of India are appointed on promotion as Assistant Geologists in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the dates shown against each, until further orders:—

- |                                  |                |
|----------------------------------|----------------|
| 1. Shri Prakash Rn. Mukhopadhyay | 25-5-1981 (FN) |
| 2. Shri K. Bulli Raju            | 26-5-1981 (FN) |
| 3. Mrs. Mamata Dutta Gupta       | 25-5-1981 (FN) |
| 4. Mrs. Janhabi Roy              | 26-5-1981 (FN) |
| 5. Mrs. Bharati Adhikari         | 23-5-1981 (FN) |

V. S. KRISHNASWAMY  
Director General

ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

New Delhi-110011, the 5th July 1981

No. 14/5/81-M(T).—In exercise of the power conferred under the rule 6 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Rules, 1959 I, Jagatpati Joshi, Director (Exploration) hereby direct that no fee shall be charged from visitors for entry to the Archaeological area of Red Fort, Delhi on Tuesday the 7th July, 1981, on the occasion of the ceremonial reception of the chair used by Subhash Chandra Bose as head of the Azad Hind Fauj in Burma.

JAGATPATI JOSHI  
Director (Exploration)

## DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 7th July 1981

No. 4(31)/80-SI.—Shri Kamal Singh, Programme Executive All India Radio, Ambikapur resigned from service with effect from the afternoon of 15th June, 1981.

H.C. JAYAL  
Dy. Director of Administration.  
for Director General

New Delhi, the 7th July 1981

No. 3/15/81-SI.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri U.K. Shete, Sr. Accountant, Central Sales Unit, AIR Bombay to officiate as Administrative Officer on ad-hoc basis at Doordarshan Kendra, Bombay with effect from 29-5-81(AN).

S.V. SESHADRI  
Deputy Director of Administration  
for Director General

New Delhi, the 8th July 1981

No. 10/57/80-SII.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Syed Hasan Safdar as Asstt. Engineer at All India Radio, Calcutta in a temporary capacity w.e.f. 16-6-81 (FN) until further orders.

H.N. BISWAS  
Dy. Director of Administration  
for Director General.

## MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

New Delhi, the 2nd July 1981

No. A-31013/1/81-Exh.(A).—The President is pleased to appoint Shri V. N. Chari, officiating Inspector of Exhibitions in the Directorate of Advertising and Visual Publicity in a substantive capacity with effect from 19th June 1981.

S.R. NAIR  
Dy. Secy.

## DIRECTORATE OF ADVERTISING AND VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 7th July 1981

No. A. 12026/2/81—Est.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri A. K. Sharma as Assistant Production Manager (Printed Publicity) on ad-hoc basis, with effect from the forenoon of 30th June, 1981, until further orders.

J.R. LIKHI  
Deputy Director (Admn.)  
for Director of Advertising and Visual Publicity

## DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 4th July 1981

No. A 31014/2/81(AII PMR)/Admn. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri. B.N. Chhabria to the post of Chief Medical Social Work Department All India Institute of Physical Medicine & Rehabilitation Bombay in a substantive capacity with effect from the 10th April 1980.

T.C. JAIN  
Dy. Director Administrations (O&M)

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION  
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the July 1981

No. A. 19025/42/80-A.III.—The ad-hoc appointment of the undermentioned Assistant Marketing Officers (Group-I) have been further extended upto 30-9-1981 or till the posts are filled upon regular basis whichever is earlier. :—

S/Shri

1. Y.J. Peter
2. T.S. Johny
3. N.K. Mishra
4. P. Satyanarayana
5. A. K. Das
6. H.C. Vatsal
7. A.S. Sharma
8. A.R. Mitra.

The 13th July 1981

No. A. 19025/7/81.A.III.—On the recommendations of Union Public Service Commission Shri V. Narayanaswamy Senior Inspector (cold-storage) has been appointed to officiate as Assistant Marketing Development Officer (cold storage Refrigeration) in this Directorate at Bombay w.e.f. 2nd May 1981(FN) until further orders.

B.L. MANIHAR  
Director of Administration  
for Agril. Marketing Adviser

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY  
POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 10th June 1981

No. PPED 3(282)/76-Admn. 6721—Consequent on his transfer from Directorate of Purchase and Stores Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri V.B. Vyapari a permanent Upper Division Clerk in Bhabha Atomic Research Centre and officiating Assistant Accounts Officer of Directorate of Purchase and Stores in this Division as Asstt. Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 with effect from the forenoon of May 20, 1981 until further orders.

The 2nd July 1981

No. PPED/3(262)/78-Admn./7710.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri R.S. Talpade a Permanent Personal Assistant and Officiating Stenographer-III of this Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of June 29, 1981 to the afternoon of July 29, 1981 vice Shri N.T. Varwahi Asstt. Personnel Officer proceeded on leave.

Sd/- Illegible  
Administrative Officer

## NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500762, the 4th July 1981

## CORRIGENDUM

No. NFC/PAR/1603/3360.—The scale of pay shown in the Notification No. NFC/PAR/1603/3261 dated 29-6-1981 as Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 may be corrected to read as Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

G.G. KULKARNI  
Manager, Personnel & Admn.

The 29th June 1981

No. PAR/0704/3256.—In continuation of this office Gazette Notification No. PAR/0704/2783 dated 31-5-1981 Chief Executive Nuclear Fuel Complex appoints Sri V.R.N. Iyer Selection Grade Clerk to officiate as Asstt. Personnel Officer on *ad-hoc* basis against a leave vacancy in Nuclear Fuel Complex from 22-6-81 to 11-7-1981 or until further orders whichever is earlier.

U. VASUDEVA RAO  
Administrative Officer

## (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 10th July 1981

No. AMD-1/1/81-Rectt.—Director Atomic Minerals Division Department of Atomic Energy hereby appoints Shri R. Govindappa as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of June 19, 1981 to June 22, 1981.

No. AMD-8/1/81-Rectt.—Director Atomic Minerals Division, of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri J.K. Sharma, permanent Upper Division Clerk and Officiating Accountant in the Atomic Minerals Division to officiate as Assistant Accounts Officers in the same Division with effect from 20-5-1981 to 27-6-1981 vice Shri D. S. Israni Assistant Accounts Officer granted leave.

No. AMD-1/32/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Birendra Kumar Srivastava as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of June 29, 1981 until further orders.

M.S. RAO  
Sr. Administrative & Accounts Officer

## MINISTRY OF TOURISM &amp; CIVIL AVIATION

## INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 6th July 1981

No. A.32014/4/81-E.I.—The Director General of Meteorology hereby appoints the undermentioned Professional Assistants India Meteorological Department as Assistant Meteorologists in an officiating capacity in the same Department with effect from the dates mentioned against their names and until further orders:—

| Name  | Date of assumption of charge as Assistant Meteorologist |
|---|---|
| (1)   | (2)   |
| 1. Shri P.B. Hore . . . . .                 | 15-4-1981   |
| 2. Shri F.M.C. Gonsalves . . . . .          | 15-4-1981   |
| 3. Shri Durga Prasanna Chatterjee . . . . . | 15-4-1981   |
| 4. Shri Tribhuwan Nath . . . . .            | 16-5-1981   |
| 5. Shri J.J. Singh . . . . .                | 15-4-1981   |
| 6. Shri S.N. Sarin . . . . .                | 8-5-1981  |
| 7. Shri B.B. Chakraborty . . . . .          | 19-5-1981   |
| 8. Shri Pradosh Ranjan Ray . . . . .        | 15-4-1981   |
| 9. Shri S.R. Banerjee . . . . .             | 15-4-1981   |
| 10. Shri O.P. Sharma I . . . . .            | 1-6-1981  |
| 11. Shri Apurba Kumar Saha . . . . .        | 15-4-1981   |
| 12. Shri B. Basu . . . . .                  | 13-5-1981   |

17—176GI/81

| 1                                       | 2         |
|---|-----------|
| 13. Shri R.C. Ghoshal . . . . .         | 29-4-1981 |
| 14. Shri D.N. Paul . . . . .            | 2-6-1981  |
| 15. Shri D.K. Das . . . . .             | 15-4-1981 |
| 16. Shri M.P. Singh . . . . .           | 15-4-1981 |
| 17. Shri K.P. Mandal . . . . .          | 6-5-1981  |
| 18. Shri K.B. Lal . . . . .             | 11-5-1981 |
| 19. Shri N.R. Patole . . . . .          | 2-5-1981  |
| 20. Shri S. Hansda . . . . .            | 15-4-1981 |
| 21. Shri Ambika Charan Sarkar . . . . . | 15-4-1981 |

K. MUKHERJEE  
Meteorologist (Establishment)  
for Director General of Meteorology.

New Delhi-3, the 7th July 1981

No. E(I)00705.—Dr. P.S. Pant, Officiating Additional Director General of Meteorology of the Headquarters office of the Director General of Meteorology New Delhi India Meteorological Department has voluntarily retired from the Government service with effect from the forenoon of 20-5-1981.

NOOTAN DAS  
Director (Administration)  
for Director General of Meteorology

## OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 7th July 1981

No. A. 31013/1/80-ES.—The President is pleased to appoint Shri M.M. Bakshi in a substantive capacity in the grade of Pilot in the Civil Aviation Department with effect from 13-7-1980.

The 8th July 1981

No. A. 32014/2/81-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri A. E. Saha as Administrative Officer (Group 'B' post) on regular basis with effect from the forenoon of 15th June, 1981, in the office of the Regional Director, Calcutta Region, Calcutta Airport, Calcutta.

J. C. GARG,  
Asstt. Director of Administration

## FOREST SURVEY OF INDIA

Dehradun-248001, the 9th July 1981

No. 4-2/81-Adm.—Shri Bhupati Mohan Deb, Assistant Conservator of Forests of Tripura Forest Department is hereby appointed as Assistant Director (Forest Inventory) in Forest Survey of India, Eastern Zone, Calcutta on deputation basis w.e.f. the forenoon of 19th June, 1981 until further orders as per the terms and conditions indicated in this office letter No. 3-10/80-Adm dated 23rd May, 1981.

The 10th July 1981

No. 4-2/72-Adm.—Shri D. S. Rawat, Research Officer of the Forest Research Institute & Colleges, Dehradun who was working as Assistant Director (Statistics) in Forest Survey of India, Dehradun on deputation basis has been relieved of his duties w.e.f. 10-6-81 (AN) and his services have been placed at the disposal of the President, Forest Research Institute & Colleges, Dehradun.

A. B. CHAUDHURI  
Director

## COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Madras-600034, the 7th July 1981

No. IV/16/324/81/CX. Adj.—In exercise of the powers conferred on me by sub-rule (1) of Rule 232A of the Central Excise (7th Amendment) Rules, 1976 which came into force from 21-2-1976 it is declared that the names and addresses and other particulars specified in sub-rule (2) of the persons who have been convicted by a court under Section 9 of the Central Excises and Salt Act, 1944 and persons on whom penalty of Rs. 10,000/- or more has been imposed by an officer referred to in Section 33 of the Act are as follows for Quarter Ending 31-3-81.

| Sl. No. | Name of the persons        | Address  | The provisions of Act contravened   | The amount of penalty imposed  |
|---------|----------------------------|--|---|--|
| 1       | 2                          | 3  | 4   | 5  |
| 1.      | Shri C. Namperumal Gounder | Tobacco Merchant<br>L.No.17/67 (Tob)<br>No. 15 Kohammedian Street,<br>Attur, Salem Dt. | Sec. 9(1)(b)<br>9(1)(b)(b) of Central<br>Excises and Salt Act,<br>1944 and 151(c), 160,<br>232, and 226 of Central<br>Excise Rules, 1944. | Convicted and sentenced to pay a fine of Rs. 200/- in default to undergo Rigorous Imprisonment for 2 months. |

## II—DEPARTMENTAL ADJUDICATION

—NIL—

B. R. REDDY,  
Collector

Bhubaneswar, the 10th July 1981

No. 7/81.—Sri Sachidananda Patnaik, Superintendent Central Excise & Customs, Group 'B' posted at Cuttack Division retired from Service in this Department on Superannuation in the afternoon 30-6-1981.

No. 8/81.—Shri Benudhar Panda, Superintendent, Central Excise & Customs, Group 'B' posted at Sambalpur Division retired from Service in this Department on Superannuation in afternoon of 30-6-1981.

P. N. SA NGI,  
Assistant Collector (Hdqs)MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT  
DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-1, the 10th July 1981

No. 63-SV(1)/80.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the Director General of Shipping hereby appoints Shri A. Kallilullah Khan as Regional Officer (Sails), Calicut in a temporary capacity with effect from the 26th February, 1981 (fore noon) until further orders.

S. M. OCHANEY,  
Sr. Dy. Director General of Shipping

Bombay-1, the 10th July 1981

(MERCHANT SHIPPING)

No. 6(3)CRA/76.—The Director General of Shipping, Bombay appoints Shri P. P. Umeria, Asstt. Shipping Master, Bombay as Dy. Shipping Master, Bombay w.e.f. the afternoon of the 18th June, 1981 and until further orders.

B. K. PAWAR,  
Dy. Director General of ShippingMINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS  
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)  
COMPANY LAW BOARD

## OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES,

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Basant Pictures Private Limited.*

Hyderabad, the 4th July 1981

No. 532/TA.I/S. 560/80.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Basant Pictures Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Sri Sai Chit Funds Private Limited*

Hyderabad, the 4th July 1981

No. 858/TA.I/560.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Sri Sai Chit Funds Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. The Andhra Planters Private Limited*

Hyderabad, the 4th July 1981

No. 1226/TA.I/560.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. The Andhra Planters Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Arrow Pharma Laboratories Private Limited*

Hyderabad, the 4th July 1981

No. 855/TA.I/560.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Arrow Pharma Laboratories Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Ramsees Teas India Ltd.*

Hyderabad, the 4th July 1981

No. 1089/TA.I/560.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Ramsees Teas India Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Swapna Plastics Private Limited*

Hyderabad, the 4th July 1981

No. 1430/TA.I/560.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Swapna Plastics Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

V. S. RAJU  
Registrar of Companies,  
Andhra Pradesh, Hyderabad

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Natesan Transports Private Limited*

Madras-600006, the 6th July 1981

No. 3856/560(5)/81.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Natesan Transports Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s T. K. R. G. Transports Private Limited*

Madras-600006, the 6th July 1981

No. 4715/560(5)/81.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. T.K.R.G. Transports Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Bul Buls Roadways Private Limited*

Madras-600006, the 6th July 1981

No. 4722/560(5)/81.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Bul Buls Roadways Private Limited has

this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Sanjeevi Transports Private Limited*

Madras-600006, the 6th July 1981

No. 4725/560(5)/81.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Sanjeevi Transports Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Savings Permanent Fund (CBE) Private Limited*

Madras-600006, the 6th July 1981

No. 4749/560(5)/81.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Savings Permanent Fund (CBE) Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Chenthamara Chits Private Limited*

Madras-600006, the 6th July 1981

No. 5661/560(5)/81.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Chenthamara Chits Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

Sd./Illegible  
Asstt. Registrar of companies  
Tamil Nadu Madras

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Yoganjali Publications Private Limited*

Madras-600006, the 6th July 1981

No. 6960/560(5)/81.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Yoganjali Publications Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

Sd./Illegible  
Asstt. Registrar of Companies,  
Tamil Nadu Madras

*In the matter of the companies Act, 1956 and of  
Garmex Private Limited*  
Patna, the 9th July 1981

No. (1213)3/560/81-82/1123.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Garmex Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

P. K. CHATTERJEE,  
Registrar of Companies,  
Bihar, Patna

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 29th June 1981

No. RAC 99/81-82—Whereas I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land Sy. No. 41, 49 & 50 situated at Kakaguda Urban Taluk Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Medchal in November, 80.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Smt Vootla Mallamma.  
W/o. Late Vootla Elliah.
- (2) Sri Vootla Ramaswamy S/o. Late Vootla Elliah
- (3) Sri Vootla Laxman  
S/o. Late Vootla Sarvaiah.
- (4) Sri Vootla Muthyalu S/o. Late Vootla Sarvaiah
- (5) Smt. Vootla Laxmamma. W/o. Late Vootla Sarvaiah  
Kakaguda, Secunderabad.

(Transferor)

- (2) M/s. The Sree Puri Co-operative Housing Society  
Regd. No. TAB 56, 184-Nehrunagar Secunderabad  
Rep. By President Sri B. Venkateswarulu.  
S/o. Late B. Ramalingam Secretary Sri B. Somnath  
Sarma S/o. B. Rajeswar Sarma,  
Sarma S/o. B. Rajeswar Sarma.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Piece of land admeasuring 17 guntas (2057 sq. yards) Sy. No. 41, 49 and 50 Kakaguda, Urban taluk, Secunderabad registered with Sub-Registrar Medchal vide Doc. No. 2675/80.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date 29-6-1981.

Seal:



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 29th June 1981

No. RAC 100/81-82—Whereas I, S. GOVINDARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land Sy. No. 41, 49 &amp; 50 situated at Kakaguda urban taluk, Sec. bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Medchal on November, 80,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (4) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Smt. Vootla Mallamma  
W/o. Late Vootla Elliah.
- (2) Sri Vootla Ramaswamy S/o. Late Vootla Elliah
- (3) Sri Vootla Laxman S/o. Late Vootla Sarvaiah.
- (4) Sri Vootla Muthyalu S/o. -do-
- (5) Smt. Vootla Laxmamma  
W/o. Late Vootla Sarvaiah  
Kakaguda, Secunderabad.

(Transferor)

- (2) M/s. The Sree Puri Co-operative Housing Society Ltd., Reg No. TAB 56,  
184-Nehru Nagar,  
Secunderabad.  
Rep. By President Sri. B. Venkateswarulu .  
S/o. Late B. Ramalingam Secretary Sri B. Somnath  
Sarma S/o. B. Rajeswar Sarma.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Piece of land admeasuring 30 guntas (3630 sq. yards) Sy. No. 41, 49 &amp; 50 Kakaguda urban taluk, Secunderabad registered with Sub-Registrar Medchal vide Doc. No. 2654/80.

S. GOVINDARAJAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date 29-6-1981.

Seal:

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 29th June 1981.

No. RAC 101/81-82—Whereas I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land Sy. No. 41, 49 & 50 situated at Kakaguda urban taluk, Sec. bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Med. chal in November, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Vootla Mallamma.  
W/o. Late Vootla Elliah.
- (2) Sri Vootla Ramaswamy. S/o. Late Vootla Sarvaiah
- (3) Sri Vootla Laxman .  
S/o. Late Vootla Sarvaiah.
- (4) Sri Vootla Muthyalu. S/o. Late Vootla Sarvaiah
- (5) Smt. Vootla Laxmamma W/o. Late Vootla Sarvaiah  
Kakaguda, Secunderabad.

(Transferor)

- (2) M/s. The Sree Puri Co-operative Housing Society Ltd.  
Reg. No. TAB 56, 184-Nehru Nagar.  
Secunderabad.  
Rep. By President Sri B. Venkateswarulu.  
S/o. Late S. Ramalingam Secretary Sri B. Somnath  
Sarma S/o. B. Rajeswar Sara.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice— in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Piece of land admeasuring 30 guntas (3630 sq. yards) in Survey No. 41, 49 and 50 Kakaguda urban taluk, Secunderbad registered with Sub-Registrar Medchal vide Doc. No. 2644/80.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 29-6-1981.

Seal:

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 29th June 1981.

No. RAC No. 102/81-82—Whereas I, S. GOVINDARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Piece land Sy. 41, 49, 50 situated at Kakaguda urban taluk, Sec. bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Medchal in November, 1980.

For an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Smt. Vootla Mallamma .  
W/o. Late Vootla Elliah.
- (2) Sri Vootla Ramaswamy. S/o. Late Vootla Elliah
- (3) Sri Vootla Laxman.  
S/o. Late Vootla Sarvaiah.
- (4) Sri Vootla Muthyalu S/o. Late Vootla Sarvaiah
- (5) Smt. Vootla Laxmamma W/o Late Vootla Sarvaiah  
Kakaguda, Secunderabad.

(Transferor)

- (2) M/s. The Sreepuri Co-operative Housing Society Ltd.  
Reg. TAB No. TAB 56,  
184-Nehru Nagar,  
Secunderabad.  
Rep. By President Sri B. Venkateswarulu.  
S/o. Late B. Ramalingam Secretary Sri. B. Somnath  
Sarma S/o. B. Rajeswar Sarma.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Piece of land admeasuring 30 guntas (3630 sq. yards) survey 41, 49 and 50 at Kakaguda urban taluk, Secunderabad registered with Sub-Registrar Medchal Vide Doc. No. 2626/80.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 29-6-1981  
Seal:

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 29th June 1981

No. RAC No. 103/81-82—Whereas I, S. GOVINDARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land Sy. No. 41, 49, 50 situated at Kakaguda urban taluk, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Maredpally on November, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Smt. Vootla Mallamma. W/o. Late Vootla Elliah.
- (2) Sri Vootla Ramaswamy. S/o. -do-
- (3) Sri Vootla Laxman. S/o. Late Vootla Sarvaiah
- (4) Sri Vootla Muthyalu S/o. -do-
- (5) Smt. Vootla Laxmamma W/o. -do-  
Kakaguda, Secunderabad.

(Transferor)

- (2) M/s. The Sree Puri Co-operative Housing Society. Ltd., Rge No. TAB 56, 184, Nehru Nagar, Secunderabad.  
Rep. By President Sri. B. Venkateswarulu S/o. Late B. Ramlingam Secretary Sri. B. Somnath Sarma S/o. B. Rajeswar Sarma

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Piece of land admeasuring 30 guntas (3630 sq. yards) in Survey No. 41, 49 and 50 at Kakaguda urban taluk, Secunderabad registered with Sub-Registrar Maredpally vide Doc. No. 2614/80.

S. GOVINDARAJAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Dated : 29-6-1981

Seal;

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 29th May 1981

No. RAC No. 104/81-82—Whereas, I S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land Sy. No. 201/3 situated at Saheb Nagar Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November 80.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

18—176GI/81

- (1) (1) Sri Ravinder Saheb Nagar, Hyderabad.
- (2) Sri. V. Pratap Reddy.  
H. No. 3-3-1002,  
Kutbiguda,  
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) M/s. Kothapet Co-operative Housing Society .  
Rep. By President Ganesh Pershad.  
Sankesar Bazar, H. No. 16-2-805.  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land 4 Acres 35 guntas in Survey No. 201/3 at Saheb Nagar Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 10371/80.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 29-6-1981.

Seal:

FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 29th June 1981

No. RAC No. 105/81-82—Whereas, I S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land Sy. No. 201/3 situated at Saheb Nagar Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

- (1) (1) Sri Eswaralah. Saheb Nagar,  
Hyderabad.
- (2) M/s. V. Pratap Reddy Managing partner  
H. No. 3-3-1002, Kutbiguda,  
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) M/s. Kothapet Co-operative Housing Society .  
Rep. By President Ganesh Pershad  
Sakesar Bazar, H. No. 16-2-805,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land 3 Acres in Survey No. 201/3 at Saheb Nagar, Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 10333/80.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 29-6-1980

Seal:

## FORM ITN—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 1 July, 1981.

No. RAC 106/81-82—Whereas, I S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H. No. 6-3-1109/3 situated at Somasiguda Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November. 80.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Somanadri Bhoopal.  
S/o. Krishnaram Bhoopal (Late).  
G. P., A. Sri R. Sunander Reddy.  
S/o. Raghav Reddy.  
H. No. 1-10-147, Begumpet.  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Santosh Kumari Agarwal.  
W/o. Sri Shyam Sunder Agarwal.  
1-2-597/4 Domalguda,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 6-3-1109/3 Somajiguda, Hyderabad area 744.5 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 1177/80.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date 1-7-1981

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 3rd July, 1981.

No. RAC No. 107/81-82—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 541-655 situated at Troop bazar Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Amtul Majeed.  
W/o. Late Syed Waheeduddin.  
H. No. 5-1-655, Troop Nagar,  
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) (1) Mr. Fazal-El-Had Seamob.  
S/o. Essamul Haq.  
(2) Qamar Jahan Babi.  
W/o. Syed Hamid Mohiuddin.  
H. No. 16-2-80,  
Akbar Bagh Malakpet,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Portion of H. No. 5-1-655 Troop Bazar Hyderabad area 1103 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 12007/80.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 3-7-1981  
Seal:



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 4th July, 1981.

No. RAC 108/81-82—Whereas I, S. GOVINDARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1-10-121 situated at Begumpet Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Secunderabad on November, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerations therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri A. K. Kunhiraman Nambiar.  
S/o. Chintan Nambiar.  
Retired Inspector General of Police.  
1-10-121 Mayur Marg.  
Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Sri Sri Bhajan Brahmachari Sevaashram.  
Reg No. 222 President A. K. Rose .  
S/o. Late S. C. Bose  
Secretary Sri. V. K. Sanghi.  
S/o. Girija Prasad Sanghi.  
1-0-121, Begumpet.  
Hyderabad 16.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land measuring 1 Acre 29 guntas in Survey No. 182/7 & 182/9 with house bearing M. No. 1-10-121 without houses, garages, cattle shed bearing M. Nos. 1-10-119, 120, 122 to 125 at Begumpet, Hyderabad/Secunderabad registered with Sub-Registrar Secunderabad vide Doc No. 295/80.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 4-7-1981.  
Seal:

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hydrabad, the 6th July 1981

No. RAC 109/81-82—Whereas I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land Sy. No. 7 situated at Saroornagar village, Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1) K. Suryakanth.  
H. No. A-4, Sainik Puri.  
Secunderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Kothapet Co-operative Housing Society.  
Rep. By President Sri Ganesh Pershad  
16-2-805 Sakesar Bazar,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Sroornagar village area 1 Acre 32 guntas in Survey No. 7 Plot No. 10 and 11 registered with sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No: 10438/80.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 6-7-1981.  
Seal:

# FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

#### COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 6th July 1981

No. RC 110/81-82—Whereas I, S GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Chiragali lane Hyderabad (and more fully (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Smt. Pushpa Devi Biyani.  
W/o. Sri Ballabh Biyani.  
R/o. Telegaon District Osmana bad,  
Maharashtra Presently at Kachiguda,  
Hyderabad.
- (2) M/s. Shankarlal & Shankarlal .  
represented by (a) Shankelal Trivedi.  
R/o. 3-2-866 Kachiguda Hyderabad.  
(b) Sri Shankarlal Kabra .  
R/o. 32-2-853, Kachiguda,  
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Sri V. Shiva Prashad.  
S/o. V. Digamber Rao.  
R/o. Maheshnagar Colony.  
Chiragali Lane,  
Hyderabad A. P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot of land along with the temporary structures thereon admeasuring 250 sq. yards at Maheshnagar colony Chirag Ali Lane, Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 11768/80.

S. GOVINDRAJAN,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of incometax,  
Acquisition Range Hyderabad.

Date: 6-7-1981.  
Seal:

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI.

New Delhi, the 9th July 1981

No. IAC/Acq-II/SR-I/11-80/7160—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. F-42, situated at Kamla Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on Nov. 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Raj Dulari.  
wd/o. Sh. Wasti Ram.  
r/o. F-42, Kamla Nagar,  
Delhi and others.

(Transferor)

- (2) Shri Kasturi Lal & Kashmiri Lal.  
s/o. Sh. Kotu Ram.  
r/o. 5256,  
Kohlapur House,  
Delhi-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. F-42, (Double Storey) with land underneath area measuring 232.2 sq. yd. situated in Kamla Nagar, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax  
Acquisition Range II, Delhi/New Delhi

Date: 9-7-1981  
Seal:

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 9th July 1981

No. IAC/Acq-II/SR-1/11-80/7179—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 72/1, Block No. 2, situated at Kirti Nagar, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on Nov. 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

19—176GI/81

- (1) Shri Amrinder Singh.  
S/o. Sh. Gurmukh Singh of  
A-3, Kailash Park, Kirti Nagar,  
New Delhi at present  
r/o. J-10/21, Rajouri Garden,  
N. Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Ajit Kaur.  
w/o. Sh. Achhar Skngh,  
r/o 69, Ashoka Park, Main Rohtak, Road,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

80/100 undivided share of land mg. 200 sq. yd. bearing plot No. 72/1, Block No. 2, Kirti Nagar, New Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range II, Delhi/New Delhi

Dated: 9-7-1981.

Seal:

## FORM FINS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 7th July 1981

No. IAC/Acq. II/SR-II/11-80/3999—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Masudabad, Sub. Tehsil Najafgarh, N. Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on Nov. 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Surinder Kumar and Sh. Subhas Chander,  
S/o. Shri Hans Raj,  
A/207, Kalkaji, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Tara Tandon.  
w/o. Sh. M. C. Tandon.  
B/7, NDSB Part-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agr. land comprised of Kh. No. 33 Min. (3-8), 34 Min. (0-12), 35 (Min. (0-9) and 40 Min. (1-8), situated in Village Masudabad, Sub-Tehsil, Najafgarh, New Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range II, Delhi/New Delhi

Dated- 7th July, 1981.  
Seal:

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 7th July<sup>a</sup> 1981Ref : No. IAC/Acq-II/SR-II/11-80/3998—Whereas  
I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Masudabad, Sub-Teh. Najafgarh, N. Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on Nov. 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Surinder Kumar & Sh. Subhash Chander S/o Sh. Hans Raj, A/207, Kajkaji, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Tara Tandon W/o Sh. M.C. Tandon r/o B/7, NDSE Part-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agr. land comprised of Kh. No. 32 Min, area 3 bighas and 1 biswa situated in Vill. Masudabad, Sub-Tehsil, Najafgarh, New Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acq. Range II, Delhi/New Delhi

Date : 7th July, 1981  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, LUDHIANA

ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 14th July 1981

Ref: No. IAC/Acq-II/SSR-II/11-80/3923—Whereas I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Holambi Kalan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer on Nov. 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Chander Wati/ w/o Sh. Jage Ram r/o 55-A, Sarai Peopal Thala, Delhi.

(Transferor)

(2) S/Sh. Inderjit Bajaj, Baldev Raj, Subhash Chander and Rajinder Kumar ss/o Amar Nath c/o Jai Hind Timber Store 6926/137, Jai Puria Mills, Clock Tower, Subjmandi, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land mg. 9 bighas and 12 biswas out of kh. No. 53//16, 23, 24 & 25 situated at Holambi Kalan, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acq. Range II, Delhi/New Delhi

Date : 14th July, 1981.  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 7th July 1981

Ref : No. IAC/Acq-II/SR/11-80/4000—Whereas I, VIMAL  
VASISHT,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearingNo. Agr. land situated at Vill. Masudabad, Sub-Teh. Najaf-  
garh, New Delhi(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
on Nov. 1980for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transfer to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Shri Surindr Kumar & Sh. Subhash Chander s/o Sh.  
Hans Raj, A/207, Kalkaji, New Delhi.  
(Transferor)  
(2) Smt. Tara Tandon w/o Sh. M.C. Tandon r/o B/7,  
NDSE Part-II, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agr. land comprised o Kh. No. 35 Min (2-1) and 34 Min  
(2-16), situated in Vill. Masudaad, Sub-Teh. Najafgarh, New  
Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acq. Range II, Delhi/New Delhi.

Date : 7th July, 1981  
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 9th July 1981

Ref : No. IAC/Acq-II/SR-II-80/7217—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

775, situated at Chabi Ganj, Kashmere Gate, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kamla d/o Sh. Kidar Nath w/o Sh. Jag Mohan r/o 775, Chabi Ganj, Kashmere Gate, Delhi.  
(Transferor)  
(2) Smt. Harleen Kaur Sahni w/o Sh. Charanjit Singh r/o C-5/22, Model Town, Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

one-half undivided share of property bearing Mpl. No. 775 (new) Ward I, situated in Chabi Ganj, Kashmere Gate, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acq. Range, Delhi/New Delhi

Dated : 9th July, 1981  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE II, H BLOCK VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1981

Ref : No. IAC/Acq-II/SR-II/11-80/3996—Whereas I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. J-3/35, situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Harmohinder Kaur Sehgal  
(2) Sh. Harbhajan Singh Sehgal and others r/o 9039, Gali No. 1, Multani Dhanda, Delhi.  
(Transferor)
- (2) Smt. Raj Rani w/o late Sh. Hira Lal Pachnanda r/o J-7/69, Rajouri Garden, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. J-3/35, mg. 160 sq. yd. situated at Rajouri Garden, N.D.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acq. Range II, Delhi/New Delhi

Date : 8th July 1981  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE II H BLOCK VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE NEW DELHI.

New Delhi, the 9th July 1981

Ref : No. IAC/Acq.-II/SR-II/11-80/3989—Whereas I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-95 situated at New Multan Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on Nov. 1980. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Madan Gopal Khanna s/o Sh. Jetha Nand Khanna r/o H. No. C-95, New Multan Nagar, Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri Arjan Dev Malik s/o Sh. Lok Nath Malik r/o H. No. A-39, New Multan Nagar, Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have in the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. C-95 out of Kh. No. 2/21, to 24 situated in the area of vill. Jawala Heri in the abadi of New Multan Nagar, North of Main Rothak Road in Block No. C, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acq. Range II Delhi/New Delhi.

Dated : 9th July 1981  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX

H BLOCK VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 15th July 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/11-80/7190.—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8/34 situated at Kirti Nagar Industrial Area, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

20—176GI/81

(1) Shri Chuni Lal Bakshi,  
33, Kapurthala Road,  
Jullundur (Punjab)

(Transferor)

(2) Kumari Vrinda Dutt d/o Sh. Padma Dutt,  
693, Block 'O' New Alipure,  
Calcutta. & others

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Factory building blocks constructed on Industrial Plot No. 8/34 (measuring 1867 Sq. Yds=1561 Sq. Metrs) in Kirti Nagar Industrial Area, New Delhi, alongwith lease hold rights in the said plot.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range II, Delhi/New Delhi

Date : 15-7-81

Seal ;

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## H BLOCK VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/11-80/7152—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 27 Rd. No. 16, situated at Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Radha Kishan Khanna s/o late Sh. Gobind Ram  
2. Smt. Bholi Bai wd/o Sh. Gobind Ram,  
E-237, Greater Kailash -I, N. D.

(Transferor)

(2) Smt. Veera Devi w/o late Dr. Ram Chander,  
r/o 4/37, WEA Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant plot No. 27 Road No. 16 mg. 279.55 sq. yd. at Punjabi Bagh, N.D.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range II, Delhi/New Delhi

Date : 8-7-1981  
Seal :

## FORM IT.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE II

H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 7th July 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/11-80/7157—Whereas I VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H. No. 3804, situated at Gali Magzine, Churi Walan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office at on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the aforesaid property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Rangu Ram  
s/o Shri Udho Dass  
r/o 3804-Gali Magzine,  
Churi Walan, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Mohd. Aqil  
s/o Ahmad Yar Khan & Masooda Begum  
r/o Mohd. Aqil  
s/o 2210-Gali Dangotran,  
Turkman Gate, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One house No. 3804, situated in Gali Magzine, Churi Walan, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range II, Delhi/New Delhi

Date : 7-7-1981  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE II****H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE NEW DELHI**

New Delhi, the 15th July 81

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/SR-II/11-80/3967—Whereas I  
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Kila Nos. 30/4, 30/5, 23/24 & 23/25 situated at village Hulambi Khurd, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Mehar & Sh. Mehr Chand  
s/o Sh. Pop Singh  
r/o Village Peepal Thala, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sudha Gupta  
w/o Sh. Virendra Kumar Gupta  
r/o 1, Shankaracharya Marg,  
Civil Lines, Delhi  
or her nominee.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

One half share in Kila Nos. 30/4 (4-16); min. (2-8); 23/24 (4-16) and 23/25 min. (2-8) of village Julambi Khurd, Delhi.

**VIMAL VASISHT**

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner or Income Tax  
Acquisition Range II Delhi/New Delhi.

Date : 15-7-1981

Seal :



## FORM FINS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II,

H BLOCK VIKAS BHAVAN-I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 9th July 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/11-80/7202—Whereas I VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1925 Ward-III, situated at Naya Bazar, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Shri Badrul Islam  
s/o Shri Haji Abdul Salam  
2. Shri Abdul Hannan  
S/o Sh. Abdul Mannan both r/o  
2225, Gali Hinga Beg, Phatak Habash Khan,  
Khari Baoli, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ram Kanwar Gupta and  
2. Shri Ram Niwas Gupta  
ss/o late Sh. Chander Bhan both r/o Main Bazar,  
Bahadurgarh, District-Rohtak, Haryana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A 3 1/2 storeyed house bearing Mpl. No. 1925 (old), 4104, 4105 & 4154 (New) in ward No. III at Burn Buston Road, now known as Naya Bazar, Delhi.

VIMAL VASISHT

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range II Delhi/New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-7-1981

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

INCOME TAX ACQUISITION RANGE II

H BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 15th July 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/11-80/3966—Whereas I VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 30/14(4-00); 30/7 & 30/15 situated at Village Hulambi Khurd, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram Mehr & Shri Mehr Chand  
s/o Sh. Pop Singh  
r/o Vill. Peepal Thala, Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Virendra Kur. Gupta  
s/o Late Shri Raghubir Saran Gerg,  
r/o 1, Shankaracharya Marg,  
Civil Lines, Delhi. or his nominee.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One half share in Kila Nos. 30/14(4-00); 30/7 (4-16); 30/6 min (2-8) and 30/15 min (2-00) of Village Hulambi Khurd, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range II Delhi/New Delhi

Date : 15-7-1981  
Seal :

FORM NO. IT.N.S.-----

(1) Shri Ram Mehar, Shri Mehar Chand  
s/o Pop Singh  
of village Peepal Thala, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Usha Rani Jain  
w/o Shri Shyam Behari Lal,  
4, Under Hill Goad, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE II

H BLOCK VIKAS VHAVAN, I.P. ESTATE NEW DELHI  
New Delhi, the 15th July 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/11-80/3969—Whereas I, VIMAL  
VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. 30/5 & 23/25 situated at Village Hulambi Khurd, Delhi.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act.  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Kila No. 30/5 min (2-8) and 23/25 min (2-8) of village  
Hulamb Khurd, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,

Acquisition Range II Delhi/New Delhi

Date : 15-7-1981  
Seal :

FORM KIN.S.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II

H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 15th July 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/11-80/3970—Whereas I VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. s.30/4, 30/5 & 23/25 situated at Village Hulambi Khurd, Delhi at Near Bansidhar Soc. Amul Devi Road, Anand (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office at on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mehr Chand & Ram Mehr  
s/o Shri Pop Singh  
r/o Village Peepal Thala, Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Sudha Gupta  
w/o Shri Virendra Kumar Gupta  
r/o 1, Shankaracharya Marg,  
Civil Lines, Delhi or her nominee.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One half share in kila Nos. 30/4 (4-16); 30/5 min (2-8) 23/24 (4-16) and 23/25 min (2-8) of village Hulambi Khurd Delhi.

VIMAL VASISHT

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range II Delhi/New Delhi

Date : 15-7-1981

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE II

H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 15th July 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/11-80/3971—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Kila No. 30/6 min (2-08), 3015 situated at Village Hulmabi Khurd, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

21—176GI/81

(1) Shri Ram Mehar, Mehar Chand  
s/o Pop Singh  
of village Sarai Peepal Thala, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri S. B. Lal  
s/o Shri Jainendra Prasad,  
4, Underhill Road,  
Civil Lines, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Kila No. 30/6 min (2-08), 30/15 (2-00) of Village Hulambi Khurd, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range II Delhi/New Delhi

Date : 15-7-1981

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE H BLOCK VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE NEW DELHI.

New Delhi, the 15th July, 1981

Ref : No. IAC/Acq-II/SR-II/11-80/3965—Whereas I,  
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 30/14,, 30/7 & 30/15 situated at Village Hulambi Khurd, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Nov. 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Mehr Chand & Sh. Ram Mehar s/o Sh. Pooran Singh r/o Village Peepal Thala, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Virendra Kumar Gupta s/o L. Sh. Raghbir Saran Gard r/o 1., Shandkaracharya Marg, Civil Lines, Delhi, or his nominee

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

one half share in kila Nos. 30/14 (4-00); 30/7 (4-16); 30/6 min (2-8) and 30/15 min (2-00) of Village Mulambi Khurd, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acq. Range II Delhi/New Delhi.

Date : 15th July, 1981  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE II, N. DELHI

New Delhi, the 15th July 1981

Ref : No. IAC/Acq-II/SR-II/11-80/3968—Whereas I,  
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 23/17 & 23/16 situated at Village Hulambi Khurd, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on Nov. 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram Mehar, Sh. Mehr Chand s/o Pop Singh  
r/o Village Peepal Thala, Delhi  
(Transferor)
- (2) Miss Rajita (minor) d/o Sh. Virendra Kumar Gupta  
s/o L. Sh. Raghubir Saran Garg r/o 1, Shankaracharya  
Marg, Delhi.  
(Transfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Killa Nos. 23/17 (4-16) and 23/16m (2-8) of Village Hulambi Khurd, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acq. Range II, Delhi/New Delhi.

Date : 15th July, 1981  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE H BLOCK VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE NEW DELHI.

New Delhi, the 15th July, 1981

Ref : No. IAC/Acq-II/SR-II/11-80/3901— Whereas I,  
VIMAL VASISHTbeing the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearingNo. 8 situated at Punjabi Bagh, Madipur Delhi State, Delhi.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has  
been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)  
in the office of the Registering Officer  
at on Nov. 1980for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason for  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Sri Ashok Kumar Dua R/o 41, Dua Bhawan, Arya  
Nagar Rohtak & others.

(Transferor)

- (2) Sh. Mahesh Kumar s/o Sh. Shanker Dass & Sh. Rajender  
Kumar s/o Sh. Bholu Nath R/o F-65, Mansrover  
Garden, N. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 8, on Road No. 46, mg. 279.55 sq. yds. situated  
at Punjabi Bagh, area of vill. Madipur Delhi State, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acq. Range II, Delhi/New Delhi

Dated : 15th July, 1981  
Seal :



## FORM ITNS—

(1) Sh. Ram Mehar, Sh. Mehar Chand s/o Pop Singh r/o Vill. Peepal Thala, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Sudhir Jain s/o Sh. Shiam Behari Lal 4, Underhill Road, Civil Lines, Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE H BLOCK VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 15th July, 1981

Ref 9 No. IAC/Acq-II/SR-II/11-80/3972—Whereas I,  
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 23/16 min. (2-B) situated at Village Hulambi Khurd, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on Nov. 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Killa Nos. 23/16 min. (2-B) of village Hulambi Khurd, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acq. Range II, Delhi/New Delhi.

Dated : 15th July, 1981  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE H BLOCK VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE NEW DELHI.

New Delhi, the 15th July, 1981

Ref : No. IAC/Acq-II/SR-II/II-80/3954—Whereas I,  
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Kila Nos. 23/4 (4-16); 23/5; 6/24 situated at Village Hulamby Khurd, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at on Nov. 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair reason market value of the aforesaid property and I have person to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

(1) Shri Hari Singh s/o Shri Neki r/o Sarai Peepal Thala, Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Monika Gupata (minor) Sh. Virendra Kr. Gupta r/o 1, Shankaracharya Marg, Delhi. Through her father or nominee.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Kila Nos. 23/4 (4-16); 23/5 min (2-8); 6/24 (1-2) and 6/25 min (0-10) of village Hulamby Khurd, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acq. Range II, Delhi/New Delhi.

Dated : 15th July, 1981  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, H BLOCK VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th July 1981

Ref : No. IAC/Acq.-II/SR-II/11-80/3955—Whereas I,  
VIMAL VASISTH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Kila No. 23/7/1 (0-16) &amp; 23/6 (2-8) situated at Village Hulambi Khurd, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on Nov. 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Hari Singh s/o Sh. Neki r/o Saria Peepal Thala, Delhi.  
(Transferor)
- (2) Smt. Vibha Jain w/o Shri Rajiv Jain r/o 1, Shankaracharya Marg, Civil Lines, Delhi or her nominee.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Kila Nos. 23/7/1 (0-16) and 23/6 (2-8) of Village Hulambi Khurd, Delhi.

VIMAL VASISTH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acq. Range II, Delhi/New Delhi.

Dated : 15th July, 1981  
Seal:

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE IIH BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE NEW DELHI  
New Delhi, the 8th July 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/11-80/7121.—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. G-50, situated at Bali Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office at on November 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Gurmeet Gulati,  
w/o Sh. N. S. Gulati,  
r/o 8/30, West Patel Nagar,  
New Delhi.

(2) Smt. Joginder Kaur  
w/o Sh. Avtar Singh Anand,  
r/o 17/54,  
Tilak Nagar,  
New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Single storeyed house on Plot No. G/50, mg. 200 sq. yd. at Bali Nagar, area of vill. Bassai Darapur Delhi State, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Dated : 8-7-81  
Seal :

## FORM LT.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE

H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 15th July 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/11-80/3956.—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 23/51/1 & 24/11/1 (2-00) situated at Village Hulambi Khurd Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on November 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

22—176GI/81

- (1) Shri Hari Singh,  
S/o Neki,  
r/o Village Sarai Peepal Thala,  
Delhi.

(Transferor)

- (2) Mrs. Reena Jain,  
W/o Sh. Sudhir Jain,  
4, Underhill Road,  
Civil Lines,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Kila Nos. 23/15/1 min. (0-17) and 24/11/1(2-00) of village Hulambi Khurd, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Dated : 15-7-81  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## INCOME TAX ACQUISITION RANGE

H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 15th July 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/11-80/3952.—Whereas I,  
VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding, Rs. 25,000/- and bearing

No. Kila No. 23/6 & 24/10 situated at Village Humbali Khurd, Delhi

and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on November 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Hari Singh,  
S/o Shri Nakhi,  
r/o Village Sarai Peepal Thala,  
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rekul Jain (Minor),  
S/o Shri Sudhir Jain,  
4 Underhill Road,  
Civil Lines,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Kila No. 23/6 min(2-8) and 24/104 (4-16) of Village Hulambi Khurd, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Dated : 15-7-81  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 15th July 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/11-80/3973.—Whereas I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 23/14/2(3-00) situated at Village Hulambi Khurd, Delhi (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on November 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Mehar & Mehar Chand,  
s/o Pop Singh,  
r/o Sarai Peepal Thala,  
Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Kavita Gupta,  
d/o Shri Virendra Kumar Gupta  
r/o 1, Shankaracharya Marg,  
Civil Lines,  
Delhi or her nominee.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Kila No. 23/14/2(3-00) of village Hulambi Khurd, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Dated : 15-7-81  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 15th July 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/11-80/3960.—Whereas  
I. VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 39/1, 2, 3 Vill. Matiala situated at Village Matiala, Delh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on November 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the

(1) Shri Taris Singh,  
S/o Sh. Kurey,  
R/o Vill. Singhola,  
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Milap Chand Jain,  
s/o Jait Mal Jain,  
Shri Ashok Jain and Nagin Jain  
s/o Milap Chand Jain,  
R/o 153-D, Kamla Nagar,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 11 bighas 17 biswas Khasra No. 39/1,2,3 Vill Matiala, Delhi.

VIMLA VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Dated : 15-7-81  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE II

H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE NEW DELHI  
New Delhi, the 10th July 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/11-80/3983.—Whereas

I VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Qr. No. 15-B, Block No. 24 situated at Tilak Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on November 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Joginder Kaur,  
w/o S. Kuldip Singh,  
r/o 24/15-B, Tilak Nagar,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Joginder Kumari,  
r/o 2/17, Tilak Nagar,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Govt. built Qr. No. 15-B, Block No. 24 Tilak Nagar, New Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi.

Dated : 10-7-81  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE II H BLOCK VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE NEW DELHI.

New Delhi, the 14th July 1981

Ref : No. IAC/Acq-II/SR-II/11-80/3929—Whereas I, VIMAL VASISHT being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Agr. land situated at Vill. Holambi Kalan, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on Nov. 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Dhapo w/o late Sh. Mir Singh r/o 61, Sarai Peepay Thala, Delhi.

(Transferor)

- (2) S/Sh. Inderjit Bajaj, Baldev Raj Bajaj, Subhash Chander Bajaj and Rajinder Kumar s/o Sh. Amar Nath c/o M/s Jai Hindi Timber Store, 6926/137. Jai Puria Mills, Clock Tower, Subzimandi, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land mg. 9 bighas and 12 biswas out of Kh. No. 53/16 23, 24, and 25 at Vill. Holambi Kalan, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acq. Range II Delhi/New Delhi.

Dated : 14th July, 1981  
Seal :

FORM ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, H BLOCK VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 14th July, 1981

Ref : No. IAC/Acq.-I/SR-II/11-80/3922—Whereas I  
VIMAL VASISHT

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Holambi Kalan, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering office at on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 268C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri 1. Jage Ram s/o Sh. Maha Singh  
2. Kartar Singh  
3. Chander Bhan and  
4. Mohinder Singh s/o Sh. Mir Singh r/o 61, Sarai Peepal Thala, Delhi.

(Transferor)

- (2) S/Sh. Inderjit Bajaj, Baldev Raj Bajaj, Subhash Chander and Rajinder Kumar Bajaj s/o Sh. Amar Nath Bajaj c/o M/s Jai Hind Timber Store, 6926/137, Ja Puria Mills Clock Tower, Subzimandi, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land mg. 20 bighas and 7 biswas out of Kh. Nos. 54/21/2, 22, 57/1 Min 2 Min and 3 Min at vill. Holambi Kalan, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acq. Range II, Delhi/New Delhi.

Dated : 14th July, 1981  
Seal :

## FORM ITNS-----

(1) Shri Rishi Raj s/o Sh. Jawala Sahai r/o 7-A/9, WEA  
Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jagan Nath Arora s/o Sh. Tara Chand r/o 31/6,  
Punjabi bagh Extension, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II H-BLOCK VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 8th July, 1981

Ref : No. IAC/Acq-II/SR-I/11-80/7106—Whereas I, VIMAL  
VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having  
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. G-29, situated at Bali Nagar, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer  
at on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian Income-tax  
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the  
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXA of the  
said Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. G/29, mg. 200 sq. yd. situated at Bali Nagar, New  
Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acq. Range II, Delhi/New Delhi.

Dated 8th July, 1981

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE II, H BLOCK VIKAS BHAVAN  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th July 1981

Ref : No. IAC/Acq.-II/SR-II/11-80/3991--Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 30, situated at North Avenue Road, Punjab Bagh, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

23—176GI/81

(1) Shri S. Gurbachan Singh s/o S. Labh Singh L-102, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Deepak Arora s/o Sh. K. L. Arora Smt. Kailash Arora w/o Sh. K. L. Arora both r/o 23/13, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 30, North Avenue Road, Punjabi Bagh, Delhi  
mg. 557.41 sq. yd.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acq. Range, II Delhi/New Delhi.

Dated 10th July, 1981  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, H BLOCK VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th July, 1981

Ref : No. IAC/Acq. -II/SR-I/11-80/7107—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 242, situated at Vill. Azadpur, abadi Kewal Park, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Nov. 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Tej Ram Bansal s/o Sh. Lal Ji Mal Bansal r/o 242 Kewal Park, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sham Lal Bansal s/o Sh. Ram Ditta Mal Bansal r/o F-14/22, Model Town, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 242, area 200 sq. yd. situated at vill. Azadpur, abadi Kewal Park, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant commissioner of Income Tax  
Acq. Range II, Delhi/New Delhi.

Dated : 8th July, 1981  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Dinesh Chander Sharma s/o Sh. P. K. sharm  
r/o 2141, Rani Bagh, Shakurbasti, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar Dua & Sh. Prem Kumar Duas s/o  
Sh. Ram Lubhaya r/o 41, Arya Nagar Rohtak  
(Haryana)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE II H BLOCK VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE NEW DELHI.

New Delhi, the 10th July, 1981

Ref : IAC/Acq.-II/SR-II/11-80/4006—Whereas I, VIMAL  
VASISHTbeing the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearingNo. Plot No. 32 Block C, situated at Rani Bagh, N. Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
at on Nov. 1980for an apparent consideration which is less than  
the fair market value of the aforesaid property, and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immova-  
ble property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1 1/2 storeyed house, built on Plot No. 32 in Block C mg.  
148 sq. yd. situated at Rani Bagh, area of vill. Salimpur Delhi.  
State, Delhi.VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant commissioner of Income Tax  
Acq. Range II Delhi/New Delhi.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of the notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—Dated 10th July, 1981  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 15 July, 1981.

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/11-80/3949—Whereas, I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Kila 24/20 situated at (4-12) of village Hulambi Khurd, Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at..... on Nov. 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. May Devi  
W/o Shri Hari Singh  
(D/o Shri Gyani Ram),  
r/o. Village Peepal Thale, Delhi.

(Transferor)

- (2) Sh. Sunder Jain  
S/o. Shri Shiam Behari Lal:  
4, Underhill Road, Ckvil Lines,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Kila 24/20 (4-12) of Village Hulambi Khurd, Delhi.

VIMAL VASISHT,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Delhi

Dated : 15-7-1981.  
Seal:



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II, DELHI

New Delhi, the 15 July 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/11-80/39 50—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Kila No. 29/1 (4-14) & 24/21 (4-16) situated at Village Hulambi Khurd, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at ..... on Nov. 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely —

- (1) Smt. Maya Devi  
D/o Shri Gyani Ram  
W/o Shri Hari Singh  
R/o Sarai Pipal Thale, Delhi

(Transferor)

- (2) Smt. Usha Rani Jain.  
W/o Sh. Shiam Behari Lal,  
4, Underhil Road, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Kila No. 29/1(4-14) and 24/21 (4-16) of Village Hulambi Khurd, Delhi.

VIMAL VASISHT,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 15-7-1981

Seal:

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, DELHI

New Delhi, the 15 July 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/11-80/3900—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. RL-28 situated at Ram Lal Block, Ganga Ram Vatola, Chaukhandi Delhi State, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at ..... on November 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Ramesh Chand Chanana alias Ramesh Chander  
S/o. Sh. Banshi Ram Chanana  
R/o. RL 28, Ganga Ram Vatika, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) S. Kuldip Singh Khurana  
S/o S. Mohan Singh Khurana,  
R/o RL-28, Ganga Ram Vatika, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. RL-28 mg. 200 sq. yds. situated at Ram Lal Block, Ganga Ram Vatika, Chaukhandi Delhi State, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 15-7-1981  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th July 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S.R.-II/12-80/4025—Whereas I, VIMAL VASISTH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 51/1(2-1), 2(4-12) situated at Village Hulambi Khurd, Delhi State, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on Nov. 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Charan Singh R/o Village  
Hulambi Khurd,  
Delhi State,  
Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Khazani R/o  
Village Hulambi Khurd,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 6 bighas and 13 biswas out of Mustatil No. 51/1(2-1), 2, (4-12) situated in village Hulambi Khurd, Delhi State, Delhi.

VIMAL VASISTH  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 15-7-1981  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th July 1981

Ref. No. I.A.C. Acq.-II/S.R.-II/11-80/3914—Whereas I,  
VIMAL VASISTHbeing the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearingNo. E-1 situated at Bhagwan Das Nagar area of Village Shakur-  
Pur, Delhi State, Delhi

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration  
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Delhi on Nov. 1980for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income  
or any moneys or other assets which have  
not been or which ought to be disclosed by  
the transferee for the purposes of the Indian  
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said  
Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely :—

- (1) Smt. Kamla Rani alias Kamla Khanna w/o  
Shri Shyam Sunder Khanna  
R/o 21/42,  
Shakti Nagar,  
Delhi

(Transferor)

- (2) Shri Om Prakash Taneja  
S/o Shri Bhola Ram,  
R/o 4/37,  
W.E.A., Karol Bagh,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a  
period of 45 days from the date of publica-  
tion of this notice in the official Gazette or  
a period of 30 days from the service of  
notice on the respective persons, whichever  
period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. E-1, mg. 243 sq. yds. at Bhagwan Das Nagar,  
area of Village Shakurpur, Delhi State, Delhi.

VIMAL VASISTH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II, Delhi

Date : 15-7-1981  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th July, 1981

Ref. No. IA.C. Acq.-II/S.R.-II/11-80/3951—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Kila Nos. 29/10 & 29/11 situated at Village Hulambi Khurd, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
24—176 GI/81

(1) Smt. Maya Devi d/o  
Shri Gyani Ram,  
w/o Shri Hari Singh,  
r/o Sarai Peopal Thale,  
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri S.B. Lal s/o  
Shri Jalendra Prasad,  
Underhill Road,  
Civil Lines,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Kila Nos. 29/10 (4-16) and 29/11 (4-00) of Village Hulambi Khurd, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant of Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 15-7-1981  
Seal :

FORM IT.N.S.-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th July, 1981

Ref. No. I.A.C. Acq.-II/SR-II/11-80/3953—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 23/5 min. (2-8), 24/1 (4-14) situated at Village Hulambi Khurd, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Hari Singh  
S/o Shri Neki  
r/o Village Sarai Peepal Thala,  
Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Madhvi Jain (minor)  
d/o Shri Sudhir Jain,  
4, Under Hill Road,  
Civil Line,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Kila No. 23/5 min. (2-8); 6/25 min. (0-6); 24/1 (4-14) and 5/21(0-3) of Village Hulambi Khurd, Delhi.

VIMAL VASISHT

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-7-1981

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th July 1981

Ref. No. I.A.C. Acq.-II/S.R.-II/11-80/3948—Whereas I,  
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Kila No. 23/15/2 situated at Village Hulambi Khurd, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Maya Devi d/o  
Shri Gyan Ram,  
W/o Shri Hari Singh  
r/o Peepal Thala,  
Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Reena Jain  
w/o Shri Sudhir Singh Jain.  
4, Inder Hill Road,  
Civil Lines,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Kila No. 23/15/2 min. (1-8) and 24/11/2(2-16) of Village Mulambi Khurd, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II, New Delhi/Delhi

Date : 15-7-1980  
Seal :

## FORM ITN—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th July, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S.R.-II/11-80/3931—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R-Shop/35 situated at Village Naraina, in the abadi of Colony, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Amar Singh  
s/o Shri Narain Singh r/o  
H.No. EC-32,  
Inderpur Colony,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Har Raj Singh s/o  
Shri Bhagal Singh  
R/o RA-95, Inderpuri,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. R-Shop 35, measuring 207, 1/2 sq. yards. out of khasra No. 1608, 1651 situated in Village Naraina, in the abadi of Colony, New Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 15-7-1981

Seal:—



## FORM TINS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 14th July 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S.R.-II/11-80/3921—Whereas I,  
VIMAL VASISTH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Village Holambi Kalan, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Jagó Ram s/o  
Shri Maha Singh
2. Kartar Singh
3. Chander Bhan
4. Mohinder Singh  
ss/o Shri Mir Singh  
r/o 61, Sarai Peepal Thala,  
Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Om Parkash Bhasin, Tilak Raj Bhasin and Jagdish Lal Bhasin ss/o Sh. Ram Dass Bhasin r/o C-1/3D,  
Model Town, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land mg. 21 bighas and 9 biswas bearing Kh. No. 54/23, 24, 25, 55/21, 22, 23 Min. 57/4/2, situated at Village Holambi Kalan, Delhi.

VIMAL VASISTH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax

Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 14-7-81

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1981

## VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 19 in Block A-2, situated at Model Town, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Miss Prem Pasricha d/o  
Late Shri Chuni Lal Pasricha r/o  
A-2/19, Model Town,  
Delhi.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Karan Sawhney,  
2. Anil Sawhney and others  
ss/o Shri M.L. Sawhney  
r/o 76, Tagore Park,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

2 1/2 storeyed house on Plot No. 19 in block No. A-2 mg. 449-37 sq. yds. at Model Town area of Village Malikpur Chhaoni, Delhi State, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 8-7-1981  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1981

Ref. No. I.A.C. Acq.-II/S.R.-I/Nov. 80/7195—Whereas I,  
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. I/142, situated at Kirti Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Manohar Lal  
s/o Shri Ganpat Mal  
r/o I/142, Kirti Nagar,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Annamma Alex  
w/o A. M. Alexander  
and other s r/o Chalakupuzhiyil  
Kanakapalam P.O.  
Kerala .

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

2-1/2 storeyed building on Plot No. I/142 mg. 200 w sq. yd.  
at Kirti Nagar, area of Village Bassai Darapur, Delhi State,  
Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-7-1981  
Seal :

**FORM TINS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI**

New Delhi, the 9th July 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S.R.-I/Nov. 80/7136—Whereas I, **VIMAL VASISHT**,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2-A, situated at Metcalf Road, Shanker Acharya Marg, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Sudha Chopra alias Shakuntala Devi w/o Shri A. C. Chopra r/o 2-A, Metcalf Road, Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Ajit Kumar Sud s/o Late Amar Nath Sud and others r/o 45, Lekhram Road, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Double storeyed property No. 2-A (i.e. 1/2 of 2) situated at Metcalf Road, now known as Shankar Acharya Marg, Delhi.

**VIMAL VASISHT**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 9-7-1981  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 15th July 1981

Ref. No. I.A.C. Acq.-II/S.R.-II/11-80/3958—Whereas I,  
VIMAL VASISHT,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearingNo situated at 5 Bigha 8 Biswas Agr. land, Village  
Nazafgarh, Delhi(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Delhi on Nov. 1980for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than fif-  
teen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax  
Act, 1957 (27 of 1957);(1) Shri Rawal Chand s/o  
Shri Kaka r/o  
38/53, Ramjas Road,  
Karol Bagh,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sushil Kumar s/o  
Shri G. D. Vaid,  
r/o C-182, Hari Nagar,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(b) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later.(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the Official  
Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

5 Bigha 8 Biswas Agricultural land in Village Nazafgarh,  
Delhi.VIMAL VASISHT  
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 15-7-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

25-176 GI/81

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 15th July 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S.R.-II/11-80/3957—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 14 situated at Lal Dora Village old Roshanara, Nazafgarh, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Munshi Ram s/o  
Shri Brij Ram r/o  
Village Mudhela Kalan,  
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Raghbir Singh Singhal  
s/o Shri Hari Ram r/o  
Punjab National Bank,  
Overseas Branch,  
Con. Cir., New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H.No. 114, Lal Dora, Village Old Roshanpura Nazafgarh, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 15-7-1981  
Seal :

FORM NO. LT.N.S.———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1981

Ref. No. I.A.C. Acq.-II/S.R.-I/Nov. 1980/7112—whereas I,  
VIMAL VASISHT,being the Competent Authority under Section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearingNo. Mpl. No. 1690, Sunder Bhavan, situated at Gali Jogdhian,  
Chandni Chowk, Delhi(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer  
at Delhi on Nov. 1980for an apparent consideration which is less than  
the fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of  
the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely:—

- (1) Shri Shashi Kumar s/o  
Late Shri Chhannu Mal r/o  
2565, Gali Neem Wali,  
Kinari Bazar,  
Delhi.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Satya & Paul Bansal s/o  
Shri Jagdish Rai  
2. Smt. Savitri Bansal w/o  
Shri Satya Paul Bansal  
r/o B/15,  
Greater Kailash,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Three storeyed pacca built property bearing Mpl. No. 1690,  
known as Sunder Bhavan situated at Gali Jogdhian, Chandni  
Chowk, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 8-7-1981  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 4th July 1981

Ref. No. 1134/Acq-23-II/81-82—Whereas I.G.C. GARG being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 83/2, 83/3 and 83/4 and situated at Bholav, Broach (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on 26th November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Haji Asmal Adam P.A. of  
2. Shri Ibrahim Asmal Adam;  
3. Shri Ami Asmal Adam;  
4. Shri Suleman Asmal Adam;  
5. Shri Yusuf Asmal Adam;  
Lusak Patti,  
Broach.  
(Transferor)
- (2) Shri Bhikhubhai Chunilal Surati;  
Partner of Meghdoot Land Corporation,  
1st Floor, Panchshil Park,  
Rani Talav, Surat.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at S. No. 83/2, 83/3 and 83/4 at Bholav, duly registered on 26-11-1980.

G. C. GARG  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 4-7-1981  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 6th July, 1981

Ref. No. P.R. No. 1135/Acq.-23-II/81-82—Whereas I,  
G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B. Tika No. 2/3 No. S. No. 236 situated at Radhakrishna Pole No. 1, Rajmahal Road, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda on 12-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Champaben Anandlal Shah;  
2. Smt. Sheelaben Anandlal Shah;  
'Nandalay',  
Radha Krishna Pole No. 1,  
Rajmahal Road,  
Baroda.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Shanti lal Somalal Panchal;  
2. Shri Kanayalal Soma lal Panchal;  
Soni Chakla,  
Near Parabdi,  
Jambusar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

3 storeyed building, Nandalay, situated at Radhakrishna Pole No. 1, bearing B. Tika No. 2/3 S. No. 236 on the Raj Mahal Road, and as fully described as per sale deed No. 6143 registered in the office of Sub-Registrar, Baroda on 12-11-80

G. C. GARG

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 6-7-1981

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 4 July 1981

Ref. No. P.R. No. Acq.-23-II/81-82—Whereas I, G.C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Survey No. 106/1/1 (Part) situated at Jetalpur Sim, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda in November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fairmarket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Chimanbhai Naranbhai Patel;  
2. Smt. Shantaben Naranbhai Patel;  
3. Shri Ramanbhai Naranbhai Patel;  
3½, Arunoday Society,  
Alkapuri, Baroda.

(Transferor)

- (2) M/s. Sagar Associates;  
Ratnadeep Building,  
Narpura,  
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land bearing Jetalpur sim Survey No. 106/1/1 (Part) admeasuring 9406 sq. ft. situated close to New India Mills in the Jetalpur area of Baroda City and as fully described in the sale deed bearing Regn. 6270, registration in the Office of Sub-Registrar, Baroda in the month of November, 1980.

G. C. GARG  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 4-7-1981  
Seal

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad the 7th July, 1981

Ref. P.R. No. 1137/Acq.-23-II/81-82—Whereas I, G.C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R.S. No. 203 situated at Pratapnagar, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 18-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Parvati Commercial Estate;  
Opp. Apsara Cinema,  
Pratapnagar,  
Baroda .  
(Transferor)
- (2) 1. Shri Banubai Aboobacker and,  
2. Aminabai A. Gaffor.,  
15/17, Masjid Cross Lane,  
(2nd Floor),  
Bombay-3.  
(Transferee)
- (3) British Paints (Pvt.) Ltd.  
Parvati Commercial Chamber,  
Pravapnagar,  
Baroda.  
(person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Godown in the basement of Parvati Commercial Estate bearing R. S. No. 203 and as fully described in sale-deed bearing registration No. 6378 registered in the office of Sub-Registrar, Baroda on 18-11-1980.

G. C. GARG  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 7-7-1981  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 4th July, 1981

Ref. No. P. R. 1381/Acqi-23-II/81-82—Where I, G.C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 170 situated at Nr. Drive-in Road, Vastrapur, Dist. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957) :—

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Punamchand Gokaldas Shah;  
22, Amrakunj Society, Ramnagar,  
Sabarmati,  
Ahmedabad. (Transferor)
- (2) Jyotmani Coop. Housing Society,  
through Smt. Jyotika Ramaulal Shah,  
31, Avanika Park, Khanpur,  
Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 3808 (1 2 of 11616 sq. yds. paiki), bearing S. No. 170 situated at Vastrapur, Nr. Drive-in-theatre, Distt. Ahmedabad vide sale-deed No. 14541/26-11-80, i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 4-7-1981  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 4th July, 1981

Ref. No. P. R. No. 1380/Acq.-I/81-82—Whereas I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 144/1 & 144/2, Mouje Dariapur Kazipur, F.P. 112/2 TPS 8 situated at Shahibag, Ahmedabad

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 24-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

26—176GI/81

(1) Mihir Textiles Ltd.,  
through : 1. Shri L.D. Vasa, Director,  
2. Shri Jagdishchandara M. Patel  
authorised person  
Khokhramehmadabad,  
Ahmedabad-380008.

(Transferor)

(2) Mafatlal Industries Ltd.  
through: Shri B. K. Joshi,  
Secretary,  
Asarwa, Road,  
Ahmedabad-380016.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Building standing on land adm. 4598.1 sq. mts. & 771.7 sq. mts. bearing S. No. 144/1 and 144/2, F.P. Nos. 11 & 12, T.P. S. 8, situated at Shahibaug, Ahmedabad duly registered by registering Officer, Ahmedabad vide sale deed No. 15092/11-80 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 4-7-1981

Seal :

FORM NO. I.T.N.S. \_\_\_\_\_

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 10th July 1981

Ref. No. P. R. No. 1138/Acq.-23-II/81-82—Whereas I,  
G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 90, P. No. 29, T.P.S. 9, situated at Majura, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 14-11-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Chanchalben Wd/o Ratilal Motilal,  
Gale Mandi, Moti Sheri,  
Surat.

(Transferor)

- (2) Shri Laxmanbhai Bhagwandas Vatiani,  
Kaji Medan, Kanku Mention,  
1/3149-B, Gopipura,  
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The land at S. No. 90, P.No. 29, T.P.S. 9, Majuna, duly registered on 14-11-1980.

G. C. GARG  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 10-7-1981  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 10th July 1981

Ref. No. P. R. 1139/Acq.-23-II/81-82—Whereas I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Nondh No. 2029, Wd. No. 6, Bhojabhai Sheri, Surat (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 9-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mohanlal Govindji;  
Smt. Sushilaben w/o  
Mohanbhai Govindji,  
Mahidharpura, Bhojabhai Sheri,  
Surat. And  
Shri Narottambhai Bhimbhai Desai as P. A. holder of  
above. Begampura, Dudhara Sheri,  
Surat.  
(Transferor)
- (2) Smt. Hansaben urfe Ansuya  
Kishorchandra Patel,  
Mahidharpura, Thobha Sheri, Surat.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at Wd. No. 6, Nondh No. 2029, Bhojabhai Sheri, Surat duly registered on 1-11-80.

G. C. GARG  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Rang-II, Ahmedabad

Date : 10-7-1981  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 8th July, 1981

Ref. No. P. R. No. 1140/Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I,  
G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Nondh No. 345-B situated at Kila Desai Khadki, Katargam, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 4-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Jadavji Nagardas Mistry;  
17-Chala Latta,  
Kila Desai Khadki,  
Katargam,  
Surat.

(Transferor)

(2) Smt. Lalitaben Govindbhai Patel;  
Lal Darwaja,  
Gudi Sheri,  
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Property at Kila Desai Khadki, Katargam, Surat Nondh No. 345-B duly registered on 4-11-1980.

G. C. GARG  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 8-7-1981  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 8th July 1981

Ref. No. P. R. No. 1141/Acq.-23-II/81-82.—Whereas, I,  
G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C. S. No. 3430B, Wd. No. 4, situated at Nanpura, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- 1) 1. Sheikh Jafarbbhai Shaikh Kamberbbhai Moyapadi;  
Zampa Bazar,  
Devdi, Surat.
2. Sheikh Shabirhussein Mulla Ismail Zaki;  
Zampa Bazar, Devdi,  
Surat.

(Transferor)

- (2) 1. Moizbbhai Tayabbhai Natalwala;  
Wakola Bridge, Santacruz, Bombay.
2. Jetoombai daughter of Tayabbhai Alibhai Natalwala;  
Noorpura, Zampa Bazar, Surat.
3. Fakirbbhai Tayabbhai Ghasia,  
Noorpura, Zampa Bazar, Surat.
4. Rasida daughter of Tayabbhai Hasanali,  
Zampa Bazar, Surat.
5. Mariya daughter of Tayabbhai Hasanali,  
Zampa Bazar, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 3430-B, Wd. No. 4, Nanpura, Surat duly registered in the month of November, 1980 at Regn. No. 53.

G. C. GARG,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 8-7-1981  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 10th July, 1981

Ref. No. P. R. No. 1382/Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R. S. No. 683/2-3-4, of Dhudharej situated at Surendranagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Wadhwan City on 1-11-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Thakkar Prathubhai Motibhai;  
Dhudharej,  
Surendranagar District.

(Transferor)

(2) Shri Nurmohamadi Ghar Bandhanari  
Sahakari Mandali;  
through Chairman :  
1. Nanubeg Khanbeg Mirza,  
Opp. Juna Power House,  
Surendranagar.  
and Secretary;  
2. Sokatkhan Anvarkhan,  
Nr. Mahalaxmi Cinema;  
Surendranagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land adm. 3 Acre 6 guntha bearing R. S. No. 683/2-3-4, of Dhudharej, situated Near Old Railway Station, Surendranagar and as mentioned in the sale-deed registered vide Regn. No. 2259 dated 1-11-1980.

G. C. GARG  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 10-7-1981  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 10th July 1981

Ref. No. P. R. No. 1383/Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Building situated at 10, Bhaktinagar Society, situated at Bhaktinagar Society, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 6-11-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri G. P. Mehta;  
10, Bhaktinagar Society,  
Rajkot. (Transferor)
- (2) Shri B. H. Desai;  
Smt. Jyoti B. Desai;  
10, Bhaktinagar Society,  
Rajkot. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A building standing on land adm. 500 sq. yds. situated at 10, Bhaktinagar Society, Rajkot and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 2852 dated 6-11-1980.

G. C. GARG,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 10-7-1981  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Mahesh Dhirajlal Jhaveri

(Transferor)

(2) Shri Samarthmal Phulchand Sheth

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 22nd June, 1981

Ref. No. A. R.-II/3079-9/Nov. 80.—Whereas, I, SANTOSH DATTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C. S. No. 369, 370 & 371 of Mahim Division situated at Mahim

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 25-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Scheduled as mentioned in Registered Deed No. Bom. 480/72 and registered with the Sub-registrar, Bombay, on 25-11-1980.

SANTOSH DATTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Bombay.

Date : 22-6-1981  
Seal :

**FORM HNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY**

Bombay the 4th July, 1981

Ref. No. A. R.-I/4490-5/81-82.—Whereas, I, SUDHAKAR VARMA :

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C. S. No. 1487 (Part) of Girgaum situated at Tata Road Nos. 1 & 2 near Charni Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bombay on 13-11-1980 (Document No. Bom. 1827/72).

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

27—176GI/81

- (1) 1. Shri Raghunath P. Radhelal  
2. Brijendra Raghunath Prasad  
3. Rajendra Raghunath Prasad  
4. Surendra Raghunath Prasad  
(Transferor)
- (2) The Prasad Chamber Premises Co-op. Society Ltd.  
(Transferee)
- (3) Members of the Society  
(Person in occupation of the property)
- (4) Members of the Society  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom. 1827/72 and registered with the Sub-Registrar, Bombay, on 13-11-1980.

SUDHAKAR VARMA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 4-7-1981

Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-J, BOMBAY

Bombay, the 4th July, 1981

Ref. No. A. R.-I/4491-6/81-82.—Whereas, I, SUDHAKAR VARMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C. S. No. 1487 (Part) of Qirgaum Division situated at Tata Road Nos. 1 & 2 near Charni Road (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bombay on 13-11-1980 (Document No. Bom. 1980-1981/72 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- 1) M/s. Sterling Investment Corporation Pvt. Ltd.  
(Transferor)
- 2) The Prasad Chamber Premises Co-operative Society Limited.  
(Transferee)
- 3) Members of the Society.  
(Person in occupation of the property)
- 4) Members of the Society  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom. 1980-1981/72 and registered with the Sub-registrar of Bombay, on 13-11-1980.

SUDHAKAR VARMA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 4-7-1981  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th July 1981

Ref. No. A.R.I./4498/80-81—Whereas I, SUDHAKAR VERMA

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C.S.No. 1563 (pt.), New Sur. No. 7966 (pt.)

situated at Girgaon Divn.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Bombay on 27-11-80 Doc. No. Bom. 840/79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

- (1) Shri Khimji Chatrabhuj & Ors. (Transferor)  
(2) Shree Jay Mahal C. H. S. Ltd. (Transferee)  
(3) (Members of Society) (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.  
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. VS. Bom./840/79 and registered with Sub-Registrar, Bombay on 27-11-1980.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

SUDHAKAR VERMA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 6-7-1981  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shree Punjab Co-operative Housing Society,  
Sardar Harban Singh Sethi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shree Punjab Co-operative Housing Society  
Sardar Harban Singh Sethi

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 7th July 1981

Ref. No. A.R.-III 1928/81-82—Whereas I, SUDHAKAR  
VERMAbeing the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding Rs.  
25,000/- and bearingNo. Plot No. 205 situated at Village Mogra Andheri East  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Bombay on 29-11-1980 (Doc. No. S. 640/76)for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
- 
- of the transferor to pay tax under the said Act,
- 
- in respect of any income arising from the transfer;
- 
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
- 
- moneys or other assets which have not been or
- 
- which ought to be disclosed by the transferee for the
- 
- purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
- 
- of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
- 
- 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
- 
- of 45 days from the date of publication of this
- 
- notice in the Official Gazette or a period of 30
- 
- days from the service of notice on the respective
- 
- persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
- 
- immovable property within 45 days from the date
- 
- of the publication of this notice in the Official
- 
- Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-640/76  
and registered with the Sub-Registrar, Bombay on 29-11-80.SUDHAKAR VERMA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-III, BombayDate : 7-7-1981  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 7th July 1981

Ref. No. A.R.-III/1930/81-82A. P. 372—Whereas I, SUDHAKAR VERMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 57, H No. 5 (pt.) City X Survey No. 13 (pt.) situated at Village Mulgaon Andheri (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 29-11-1980 Document No. S/942/80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Terrance Mathew Nunes,  
Godrey Nunes,  
Mrs. Janet Nunes,  
Judy Mathew Nunes,  
Russel Mathew Nunes,  
Ovita Mathew Nunes,  
Legal heirs of  
Late Bridget Nunes,  
Shri Satya narayan Bajrang Nevetia.  
(Transferor)
- (2) Smt. Ginibai Satyanaratan Nevetia  
Ramya Jeevan Co-op. Hsg. Soc. Ltd.  
(Transferee)
- (3) Ramya Jeevan C.H.S.L.  
(Person in occupation of the property)
- (4) 1. Terrance Mathew Nunes,  
2. Godrey Mathew Nunes,  
3. Janet Mathew Nunes,  
4. Judy Mathew Nunes,  
5. Russel Mathew Nunes,  
and  
6. Ovita Mathew Nunes,  
Legal heirs of late  
Mrs. Bridget Nunes,  
(Original Vendor).  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S.-942/80 and registered with the Sub-Registrar Bombay, on 29-11-1980.

SUDHAKAR VERMA  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 7-7-1981  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th July 1981

Ref. No. A.R.-I/4501-16/81-82—Whereas I, SUDHAKAR VARMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C.S. No. 808 of Mandvi Division situated at Dariaatha n Street Dongri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 27-11-1980 Doc. No. Bom. 882/1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Mulraj Pragjit Hariani
2. Smt. Maniben Mulraj Hariani
3. Suresh Mulraj Hariani
- and
4. Sudhir Mulraj Hariani
- Hamidabanu wife of
- Mohamed Yunus

(Transferor)

- (2) Tenants,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom. 882/1980 and registered on 27-11-1980 with the Sub-Registrar, of Bombay.

SUDHAKAR VARMA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner Of Income-Tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 7-7-1981

Seal :

FORM 11NS—

(1) Swastik Textile Mills Ltd.

(Transferor)

(2) Dr. Mrs. M. J. Chavan,

(Transferee)

(3) Swastik Textile Mills Ltd.

[Person(s) in occupation of the Property]

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1981

Ref. No. A.R.-III/1927/2/81-82/A. P. 373—Whereas I, SUDHAKAR VARMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.T. S. No. 36 (pt.) S. No. 14-A situated at Sion-Trombay Road, Chembur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 20-11-1980 Doc. No. S. 2436/79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S.-2436/79 and registered with the Sub-Registrar, Bombay on 20-11-1980.

SUDHAKAR VARMA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 8-7-1981

Seal :

## FORM I.T.N.S.

(1) Shri Hiran Kumar Ghose

(Transferor)

(2) Shri Chandra Kumar Gopaldas Mehra

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1981

Ref. No. A.R.-II/3077-71/Nov. 80— Whereas I, SANTOSH DATTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 365, H.No. 1 (pt.) Ward No. 3629, Sl. No. (18), C.S. No. 748 situated at Malad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 20-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S.-1758/80 and registered with the Sub-Registrar, Bombay on 20-11-1980.

SANTOSH DATTA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 8-7-1981

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 17th June 1981

Ref. No. I.A.C./C.A.5/S.R. Bom/Nov. 1980/517/81—82—

Whereas I, A. C. CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 437, 438B, 453P, 454, 455 situated at Panchpakhadi, Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. W. Bombay on 15-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

28—176GI/81

- (1) Shri Anant Pandurang Pandit,  
at Ramedi, Bassein  
Taj. & Dist. Thane.

(Transferor)

- (2) Shri S.H. Kelkar & Co. Ltd.  
L.B.S. Marg,  
Mulund West,  
Bombay-400008.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at S. No. 437, 438B, 453P, 454, 455 Panchpakhadi, Thane.

(Property described in the sale-deed registered under document No. 2362, dt. 15-11-1980 in the office of the Sub-Registrar, Bombay.)

A. C. CHANDRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Poona

Date : 17-6-1981

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 17th June 1981

Ref. No. IAC/CA5/SR. Niphad/Nov. '80/519/81-82.—  
Whereas I, A. C. CHANDRA,  
being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Gat No. 290, situated at Takli Vinchur Lasalgaon, Tal. Niphad, Dist. Nasik,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at S.R. Niphad on Nov. 1980  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Dattatraya Vasudev Deshpande,  
2. Shri Ashok Vasudev Deshpande,  
3. Smt. Sumatibai Vasudev Deshpande,  
At. Lasalgaon, Tal. Niphad,  
Dist. Nasik.

(Transferors)

- (2) The Lasalgaon Kharedi Vikri Sangh Ltd.,  
Chairman : Shri Rajaram Ganpat Jagtap,  
Maralgaon Khurd, Tal. Niphad,  
Dist. Nasik.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property bearing Gat No. 290 at Takli Vinchur, South side near Railway Line, Lasalgaon, Tal. Niphad, Dist. Nasik, N.A. land.

(Property as described in the sale-deed registered under document No. 1804, dt. Nov. 1980 in the office of the Sub-Registrar, Niphad.).

A. C. CHANDRA

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range, Poona

Date : 17-6-1981

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 19th June 1981

Ref. No. I.A.C./C.A. 5/S.R. Haveli-I/Dec. 1980/514/81-82.—Whereas I, A. C. CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 81, C. S. No. 2156 with a building therein situated at Vijay Nagar Colony, Sadashiv Pethi Pune-30

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

S. R. Haveli-I on Dec., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri R. L. Khaire,  
898, Shu rawar Peth,  
Pune-2.

(Transferor)

(2) Shri T. R. Khaire,  
898, Shukrawar, Peth,  
Pune-2.

(Transferee)

(3) Shree R. L. Khaire and Shree T. R. Khaire,  
898, Shukrawar Peth, Pune.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 81, C. S. No. 2156, Vijay Nagar Colony, Sadashiv Peth, Pune-30. In the limits of Poona Municipal Corporation, with a building therein.

(Property as described in the sale-deed registered under document No. 4823, dt. Dec. 1980 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-I, Dist. Pune).

A. C. CHANDRA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Poone

Date 19-6-1981

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 19th June, 1981

Ref. No. J.A.C./C.A. 5/S.R. Haveli-II/Jan. 81/515/81-82.—  
Whereas, I, A. C. CHANDRA

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing

No. Sub-plot No. 6 Out of F. P. No. 1000, T.P.S. No. 1 situated at Navi Peth, Pune-30 with a building thereon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jt. S. R. Haveli-II on Jan. 1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. New Union Construction Co.,  
No. 7, Parvati Darshan,  
Shree Prasad Society,  
Pune-411009.

(Transferor)

- (2) Pranav Co-op. Housing Society Ltd.,  
F. P. No. 1000,  
Navi Peth,  
Pune-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Sub-plot No. 6 Out of F. P. No. 1000 of T. P. Scheme No. 1 in Navi Peth, Pune-30 with a building thereon.

(Property as described in the sale-deed registered under document No. 64, dt. Jan. 1881 in the office of the Jt. Sub Registrar, Haveli-II, Dist. Pune.)

A. C. CHANDRA  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range, Pune

Date : 19-6-1981

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 26th June, 1981

Ref. No. C.A.5/S.R. Bombay/Dec. 80/518 /81-82—Whereas I, Smt P.LALWANI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 33, Hissa No. 1, Tikka No. 22, C.T.S. No. 84 situated at Gokhale Road, Navpada, Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 18-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Krishnaji Narayan Gore  
2. Mrs. Indumati Krishna Gore  
3. Madan Krishna Gore  
4. Mohan Krishna Gore  
5. Mahendra Krishna Gore  
6. Mrs. Vidya Mohan Gore  
7. Mangla Krishna Gore  
8. Amol Mohan Gore  
9. Manisha Mohan Gore  
1, 2 & 7 residing at Navpada ,  
Thane and the remaining at  
Santacruz, Bombay.

(Transferor)

- (2) Shri Prem Singh Alias Pramod Bala Singh Rajput  
Datta Nivas ,  
Ghokhale Road,  
Navpada , Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property plot and building bearing S. No.33, Hissa No. 1, Tikka No. 22 C.T.S. No. 84 at Gokhale Road, Navpada, Thane admeasuring 518.38 sq. mtrs.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 1295 t. 18-12-80 in the office of the Sub-Registrar, Bombay.)

P. LALWANI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Pune

Date : 26-6-1981

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 30th June, 1981

Ref. No. C.A.S./S.R. B'bay/Dec. 80/516/81-82—Whereas, I  
S. T. KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R.S. No. 156-A, C.T.S. No. 244 situated at Village Walvan Tal. Maval, Dist. Haveli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 20-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Gobaldas Toolsidas  
6/1, Woosteel,  
16, Calcutta .  
2. Ravindra Mulraj  
3. Balwant Singh  
4. Indumati Ravindra  
5. Lalit Kumar Gopaladas  
6. Jawaher Mulraj  
Trustee of Bai Jeveribai Mulraj,  
Karsondas Chritable Trust

(Transferor)

- (2) M/s. Madhu Builders & Associates  
205, Loha Bhawan,  
P. D. Mello Road,  
Bombay-400009.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in this Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land with building at vill. Valan Tal. Maval, Dist. Pune Part of R. S. No. 156-A being part of C.T.S. No. 244, admeasuring 7058 sq. m.

Property as described in the sale deed registered under document No. 1620 dt. 20-12-1980 in the office of the Sub-registrar, Bombay.)

S. T. KULKARNI  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Poona

Date : 30-6-1981

Seal :

FORM IT.N.S.———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune the 3rd July, 1981

Ref. No. I.A.C. /C.A5/S.R. Bom./Nov. '80/520/81-82.  
Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C.T.S. No. 35, 36, 37, &amp; 38, H. No. 13, Ward 'F' situated at Lonavala, Dist. Pune

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Bombay on 15-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri S. G. Kuckreja,  
2. Shri D. G. Kuckreja,  
3. Shri H. G. Kuckreja,  
At Lonavala,  
Dist. Pune.

(Transferor)

- (2) Miss Sucheta Kumari Kedernath Sethi,  
Jaymahal, 4th Floor,  
"A" Road, Bombay-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land bearing C.T.S. No. 35, 36, 37 & 38 area 1800 sq. fts. and building thereon bearing H. No. 13, Ward 'F', Lonavala, Dist. Pune, along with furniture and fixtures thereon.

(Property as described in the sale-deed registered under document No. 717, dt. 15-11-1980 in the office of the Sub-Registrar, Bombay).

SHASHIKANT KULKARNI

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Pune

Date : 3-7-1981

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow the 12th May 1981

Ref. No. G. I. R. No A-97-Acq. — Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing —

No. one house — Land area 397-50 Sq. mtrs. situated at Mohalla-Gal-Shaheed, Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Moradabad on 9-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mathura Prasad  
Through his Attorney-holder,  
Shri Mohd. Umar.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Abdul Khaliq  
2. Shri Shakil Ahmed  
3. Shri Jamil Ahmad  
4. Shri Abdul Rasheed

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One house—land measuring 397-50 sq. mtrs. situated at Mohalla Galshaheed, Moradabad, and all that description which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 5651, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Moradabad on 9-12-1980.

A. C. BISEN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 12-5-1981  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 2nd June 1981

G. I. R. No. L-34/Acq.:—WHEREAS I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Khasra No. 1007 situate at Village Shahpur Tigri, Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad, on 15-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

29—176GI/81

- (1) Shri Sukhan S/o Sri Shibba,  
R/o Vill : Majra Khushhalpur,  
Pargana & District : Moradabad.  
(Transferor)
- (2) M/s. Labour's Sahkari Avas Samiti Limited Moradabad,  
Through Its President : Mohammad Hasan  
S/o Sri Chuttan  
Secretary : Moinuddin S/o Hafiz Khurshid Hussain  
R/o Mohalla—Asalatpara, Moradabad.  
(Transferee)
- (3) Above transferees.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Bhumidhari plot of land khasra No. 1007 measuring two acres and thirty-two decimals situate at village Khush-halpur, Pargana and Distt. Moradabad and all that description of the property which is mentioned in the Sale-Deed and Form 37 G No. 4952 which have duly been registered in the Office of the Sub-Registrar Moradabad on 15-11-1980.

A. S. BISEN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Lucknow,

Date : 2-6-1981

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd June 1981

G. I. R. No. P-85/Acq.:—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10-out of property no. 9 and 11 situate at Strachey Road, Allahabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad, on 10-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) The Prayag Upniveshan Avas Evam Nirman Sah Samiti Limited, 877-A Dariyabad, Allahabad through its Secretary (Sachiv), Sri Sita Ram Pandey S/o Sri Harbans Pandey, R/o 66 Balrampur House, Allahabad. (Transferor)
- (2) Shri Parma Nand Misra, R/o 15—Chaukhandi, Keydganj, Allahabad. (Transferee)
- (3) Above Transferor. Person in occupation of the Property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Lease-hold plot no. 10 measuring 488.75 sq. yds. out of properties no. 9 and 11 Strachey Road, Allahabad and all the description of the property which is mentioned in the Sale-Deed and Form 37 G No. 5530 which have duly been registered in the Office of Sub Registrar, Allahabad on 10-11-1980.

A. S. BISEN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 3-6-1981.  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

- (1) The Prayag Upniveshan Avas Evam Nirman Sahkari Samiti Limited,  
877-A Dariyabad,  
Allahabad through its Secretary (Sachiv) Sri Sita Ram Pandey S/o Sri Harbans Pandey,  
R/o 66 Balrampur House,  
Allahabad.

(Transferor)

- (2) Shri Rajendra Prasad Gupta,  
R/o 6/7—Hastings Road,  
Allahabad.

(Transferee)

- (3) Above transferror.

Person in occupation of the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd June 1981

G. I. R. No. R-156/Acq.:—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11-Out of property no. 9 and 11 situate at Strachey Road, Allahabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad, on 17-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Lease hold plot no. 11 measuring 488.75 sq. yds. out of properties no. 9 and 11 Strachey Road, Allahabad and all the description of the property which is mentioned in the Sale-deed and Form 37G No. 5697 which have duly been registered in the Office of Sub Registrar, Allahabad on 17-11-1980.

A. S. BISEN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 3-6-1981.

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, LUCKNOW**

Lucknow, the 3rd June 1981

G. I. R. No. S-211/Acq.:—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2-out of property No. 1A situate at Matiyara Road, Allahabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Allahabad, on 11-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) The Prayag Upniveshan Avas Evam Nirman Sahkari Samiti Limited,  
877-A Dariyabad Allahabad through its Secretary (Sachiv) Sri Sita Ram Pandey  
S/o Sri Harbans Pandey,  
R/o 66 Balrampur House, Allahabad.

(Transferor)

(2) Shri Sahu Dev Prasad,  
R/o 9, Matiyara Road, Alopibagh,  
Allahabad.

(Transferee)

(3) Above transferor.

Person in occupation of the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Freehold plot no. 2 measuring 200 sq. yds. out of properties no. 1A Matiyara Road, Allahabad and all the description of the property which is mentioned in the Sale-Deed and Form 37G No. 5550 which have duly been registered in the Office of Sub Registrar, Allahabad on 11-11-1980.

A. S. BISEN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 3-6-1981.  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd June 1981

G. I. R. No. S-212/Acq.:—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 40-out of property no. 9 & 11 situate at Strachey Road, Allahabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Allahabad, on 17-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) The Prayag Uppiveshan Avas Evam Nirman Sahkari Samiti Limited,  
877-A Dariyabad,  
Allahabad through its Secretary (Sachiv) Sri Sita Ram Pandey S/o Sri Harbans Pandey,  
R/o 66 Balrampur House, Allahabad.

(Transferor)

- (2) Shri Santosh Kumar,  
R/o 328, Attarsuiya,  
Allahabad.

(Transferee)

- (3) Above transferor.

Person in occupation of the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Lease-hold plot no. 40 measuring 450.71 sq. yds. out of properties no. 9 and 11 Strachey Road, Allahabad and all the description of the property which is mentioned in the Sale-Deed and Form 37 G No. 5695 which have duly been registered in the Office of Sub Registrar, Allahabad on 17-11-1980.

A. S. BISEN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 3-6-1981.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd June 1981

G. I. R. No. S-215/Acq.:—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24-Out of property no. 9 and 11 situate at Strachey Road, Allahabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad, on 17-11-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) The Prayag Upniveshan Avas Evam Nirman Sahkari Samiti Limited,  
877-A Dariyabad Allahabad through its Secretary (Sachiv) Sri Sita Ram Pandey S/o Sri Harbans Pandey, R/o 66 Balrampur House, Allahabad. (Transferor)
- (2) Shri Shiv Shankar Tewari,  
Village & Post Puras,  
Distt. Ballia. (Transferee)
- (3) Above transferor.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Lease-hold plot no. 24 measuring 316.18 sq. yds. out of properties no. 38 and 40, Sardar Patel Marg, Allahabad and all the description of the property which is mentioned in the Sale-Deed and Form 37 G No. 5699 which have duly been registered in the Office of Sub Registrar, Allahabad on 17-11-1980.

A. S. BISEN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 3-6-1981.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd June 1981

G. I. R. No. T-251/Acq.:—Whereas I, A. S. BISEN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 25-out of property no. 9 and 11 situate at Strachey Road, Allahabad

(and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Allahabad on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) The Prayag Upniveshan Avas Evam Nirman Sahkari Samiti Limited,  
877-A Dariyabad,  
Allahabad through its Secretary (Sachiv) Sri Sita Ram Pandey S/o Sri Harbans Pandey,  
R/o 66 Balrampur House, Allahabad.

(Transferor)

- (2) Km. Tara Devi,  
R/o 56, Civil Lines,  
Satna, Madhya Pradesh.

(Transferee)

[Person(s) in occupation of the Property]  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Lease-hold plot no. 25 measuring 316.18 sq. yds., out of properties no. 9 and 11 Strachey Road, Allahabad and all the description of the property which is mentioned in the Sale-Deed and Form 37 G No. 5701 which have duly been registered in the Office of Sub Registrar, Allahabad on 17-11-1980.

A. S. BISEN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 3-6-1891.  
Seal ;

## FORM ITNS

(1) Hridya Ranjan Tapadar and others.

(Transferor)

(2) Partha Sarathi Kundu and others.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 29th May 1981

Ref. No. AC-16/R-II/Cal/81-82.—Whereas I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-S-Dag No. 63 situated at Patipukur, P. S. Lake Town, Cal-48

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Cossipore, Dum Dum on 26-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 3 K. only at Patipukur, P.S. Lake Town, Calcutta-48 (Dag No. 63). More particularly described in deed No. 8611 dt. 26-11-80 of S.R. Cossipore, Dum Dum.

K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Calcutta

Date : 29-5-1981

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Sikhar Nath Sett.

(Transferor)

(2) Resolute Traders (Pvt.) Ltd.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 8th July, 1981

Ref. No. TR-427/SL. No. /Acq. R-I.—Whereas I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 90 situated at Chittaranjan Avenue, Calcutta (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 11-11-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
30—176GI/81

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3rd share of three storeyed building of 90, Chittaranjan Ave. Calcutta having a land of 11 kottahs 2 chittacks 11 sq. ft. registered vide deed No. I-6378 dated 11-11-80 in the Registrar of Assurance, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Calcutta

Date : 8-7-1981.  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sankar Nath Sett.

(Transferor)

(2) M/s. Resolute Traders (P.) Ltd.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 8th July 1981

Ref. No. S-577/TR-428/81-82.—Whereas I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 90, situated at Chittaranjan Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 11-11-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3rd share of three storeyed building at 90 Chittaranjan Avenue, Calcutta having land of 11 kottahs 2 Chittacks 11 sq. ft. registered on 11-11-80 in the office of Regr. of Assurance Cal. vide deed No. I-6379.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Calcutta

Date : 8-7-1981  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Uma Nath Seth.

(Transferor)

(2) M/s. Resolute Traders (P) Ltd.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 8th July 1981

Ref. No. S-578/TR-429/81-82:—Whereas I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 90 situated at Chittaranjan Avenue, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta, on 11-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3 Share of three Storeyed building situated at 90, Chittaranjan Avenue, Cal. on a land of 11 Kottah 2 Chittacks 11 sq. ft. registered vide Deed No. I-6380 in the office of Regr. of Assurance Cal. on 11-11-1980.

I. V. S. JUNEJA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range No. I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
(2nd floor) Calcutta-700016.

Date : 8-7-1981.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Shyamlal Jhunjhunwala.

(Transferor)

(2) Smt. Gouri Devi Kaushik.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 8th July, 1981

Ref. No. S-579/TR-481/81-82:—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9C situated at Hanspukur Lane,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 29-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided 1/4th Share of three Storyed building of a land of 2 Kottah 2 chittacks 20 sq. ft. at 9C Hanspukur Lane Cal. registered Vide deed No. I-10746 dated 29-11-80.

I. V. S. JUNEJA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-700016.

Date : 8-7-1981.

Seal :



## FORM ITNS—

(1) Shri Shyamlal Jhunjhunwala.

(Transferor)

(2) Smt. Gomti Devi Kaushik.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 8th July 1981

Ref. No. S-580/TR-482/81-82:—Whereas, I, I.V.S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9C situated at Hanspukur Lane, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 29-11-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided 1/12th share of three storied building on land of 2 Kottah 2 chittacks 20 sq. ft. at 9C Hanspukur Lane, Cal. registered under Regr. of Assurance, Cal vide deed No. I-10749 dated 29-11-80.

I. V. S. JUNEJA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Calcutta.  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
(2nd floor) Calcutta-700016.

Date : 8-7-1981.

Seal :

FORM I.T.N.S.-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 8th July, 1981

Ref. No. S-581/TR-483/81-82:—Whereas I, I.V.S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9c situated at Hanspukur Lane, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 29-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- |                                 |              |
|---------------------------------|--------------|
| (1) Shri Shyamlal Jhunjhunwala. | (Transferor) |
| (2) Smt. Savitri Devi Kaushik.  | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided 1/12th share of three Storeyed building situated on a land of 2 Kottah 2 chittack 20 sq. ft. at 9c Hanspukur Lane. Calcutta registered in the office of Regr. of Assurance vide deed No. I-10748 dt. 29-11-80.

I. V. S. JUNEJA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Calcutta.

Date : 8-7-1981.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Shyamlal Jhunjhunwala.

(Transferor)

(2) Smt. Savitri Devi Kaushik.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 8th July 1981

Ref. No. TR-484/SL No. 582:—Whereas I, I.V.S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

9c situated at Hanspukur Lane,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 29-11-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share of three Storeyed building situated at 9c Hanspukur Lane, Calcutta on a land of 2 Kottah 2 chittacks 20 sq. ft. registered vide deed No. I-10747 dated 29-11-80.

I. V. S. JUNEJA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Calcutta.

Date : 8-7-1981.  
Seal:

## FORM ITNS

(1) Shri Shyamal Jhunjhunwala.

(Transferor)

(2) Smt. Kamala Devi Kaushiki.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 8th July, 1981

Ref. No. TR-485/Sl. No. 583/Acq. R-I:—Whereas I, I.V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9-C situated at Hanspukur Lane, Calcutta

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 29-11-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share of three storeyed building situated on a land of 2 cottahs 2 chittacks 20 sq. ft. at 9-C, Hanspukur Lane, Calcutta registered in the office of Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. I-6731 dated 29-11-80.

I. V.S. JUNEJA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Calcutta

Date : 8-7-1981.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 8th July 1981

Ref. No. TR-482/Sl. No. 584/Acq. R-I.—Whereas I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9-C situated at Hanspukur Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 29-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
31—176GI/81

(1) Shyam Lal Jhunjhunwala.

(Transferor)

(2) Kamala Devi Kaushiki.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided 1/12th share of three storeyed building of 9-C, Hanspukur Lane, Calcutta, having a land of 2 kottahs 2 chittacks 20 sq. ft. registered vide No. I-10750 dated 29-11-80 in the office of Registrar of Assurances, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Calcutta

Date : 8-7-1981  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 13th July 1981

Ref. No. AC-36/R-IV/61/81-82.—Whereas I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

23 situated at Murat Mohal, Birhata, Burdwan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burdwan on 11-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Radha Krishna Ganguly,  
Pranab Kr Ganguly,  
of Kogram, Mangalhat,  
Burdwan.

(Transferor)

(2) Sri Arun Kumar Jash & Smt. Juthika Jash,  
of Murat Mohal Lane,  
Birhata, Burdwan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land situated at 23 Murat Mohal, Birhata, Burdwan, measuring 8 Kh. 9 Ch. of land along with building more particularly described as per Deed No. 7474 of 1980.

K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Calcutta

Date : 13-7-1981  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 13th July 1981

Ref. No. AC-37/R-IV/Cal/81-82.—Whereas I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 30/2B situated at Beharilal Pant Street, Cal.-36 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cossipore, on 26-11-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

(1) Jistaren H. Palan,  
30/2B Beharilal Pant Road,  
Cal.-36.

(Transferor)

(2) Sri Manick Lal Chatterjee,  
30 B. K. Mitra Road,  
Cal.-36.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 1 K. 8 Ch. with building situated at 30/2B Beharilal Paul Street, P. S. Barahanagar, more particularly described as per Deed No. 1483 of 1980.

K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Calcutta

Date : 13-7-1981.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 13th July 1981

Ref. No. AC/38/R-IV/Cal/81-82:—Whereas I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Mouza-Lahagarh Tea Estate, Naxalbari situated at Siliguri, Darjeeling (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 24-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. National India Traders Pvt. Ltd.  
59-Apollo Street,  
Fort Bombay.

(Transferor)

- (2) M/s. East India Produce Ltd.,  
49-Stephen House,  
4-B.B.D. Bag,  
Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 814.37 acres together with all tea bushes and standing timber as also buildings, godowns structures etc. situated at Lohagarh Tea Estate, Naxalbari, Siliguri, Darjeeling, more particularly described as per Deed No. 6590 of 1980.

K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Calcutta

Date : 13-7-1981.  
Seal :



FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th July, 1981

No. Acq/773/GBD/81-82—Whereas I, **BIBEK BANERJI**, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

number As per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 24-11-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Devendra Kumar Kapoor,  
139, New Gandhinagar,  
Ghaziabad. (Transferor)
- (2) Deoraj Mahajan, Smt. Karuna Mahajan,  
w/o. Shri Deoraj Mahajan,  
r/o. DDA Flat No. 28, Shekh Sarai,  
Malviyanagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 213, situated at Gandhinagar, Ghaziabad.

**BIBEK BANERJI**,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date: 9th July, 1981.  
Seal :

